- प्रधानमंत्री मोदी ने कहा- सोमनाथ मंदिर अदम्य भावना का प्रतीक 11 को करेंगे दौरा-12

- एफएआई ने कहा-देश का यूरिया आयात दोगुना होकर 71.7 लाख टन पहुंचा-12

- रूस तेल आयात को लेकर ट्रंप की भारत को शुल्क बढ़ाने की चेतावनी-13

- हॉकी लीग से खुद को फिर साबित करना चाहते हैं हरजीत सिंह-14

आज का मौसम

18.0° अधिकतम तापमान

9.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 07.07

सूर्यास्त 05.27

अमृत विचार

हल्द्वानी

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

माघ कृष्ण पक्ष तृतीया 08:01 उपरांत चतुर्थी विक्रम संवत 2082

मंगलवार, 6 जनवरी 2026, वर्ष 5, अंक 317, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

कन्नौज जेल से दो बंदी फरार, लापरवाही बरतने पर जेलर समेत पांच निलंबित

कार्यालय संवाददाता कन्नौज/जलालाबाद

- रविवार रात बिना गिनती बंद कर दिए गए थे कैदी, सुबह निकालते समय हुई जानकारी
- कंबल की रस्सी बनाकर फांदी 22 फीट ऊंची दीवार, दोपहर तक घटना दबाए रहा जेल प्रशासन

अमृत विचार। जिला जेल से दो विचाराधीन बंदी कंबल की रस्सी बनाकर दीवार फांदकर फरार हो गए। प्रशासन को घटना की जानकारी हुई तो हड़कंप मच गया। पूरे जिले की पुलिस को फरार बंदियों को पकड़ने में लगाया गया। सुरक्षा में लापरवाही पाए जाने पर जेलर समेत पांच जिम्मेदारों को निलंबित कर दिया गया।

तालग्राम थाना क्षेत्र के ग्राम हजरापुर निवासी अंकित पुत्र प्रेमचंद चोरी में वांछित था। उसे तमंचा समेत पकड़ कर जेल भेजा गया था। इसी तरह ठठिया थाना क्षेत्र के गांव मलिगवां निवासी डिंपी उर्फ शिवा को पॉक्सो एक्ट में पुलिस ने जेल भेजा था। यह दोनों बंदी रविवार रात फरार हो गए। जानकारी के अनुसार शाम के समय बंदी बिना गिनती के ही बैरक में भेज दिए गए थे। सोमवार सुबह जब बाहर निकालते समय गिनती की गई तो पता चला कि दो बंदी कम है। जेल प्रशासन ने खोजबीन की तो जेल की पिछली 22 फीट ऊंची दीवार से कंबल की रस्सी लटकती मिली। जेल प्रशासन दोपहर तक घटना दबाए रहा। जिलाधिकारी आशुतोष मोहन अग्निहोत्री व पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार सदर तहसील में चल रहा सम्पूर्ण समाधान दिवस छोड़कर जेल पहुंचे। जिलाधिकारी ने लापरवाही पाए जाने पर जेलर विनय प्रताप सिंह एवं डिप्टी जेलर बद्री प्रसाद को कारागार मुख्यालय से निलंबित करा दिया। जेल वार्डर शिवेंद्र सिंह यादव, अतुल मिश्रा एवं नवीन कुमार के विरुद्ध भी निलंबन की कार्रवाई की गई है।

भाजपा पार्षद ने युवक की गोली मारकर की हत्या

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

एक दोस्त के साथ रविवार की आधी रात को भाजपा नेता के घर पहुंचा था युवक

अमृत विचार : भाजपा के मंडल उपाध्यक्ष एवं वार्ड-55 के पार्षद अमित बिष्ट उर्फ चिंटू ने रविवार आधी रात को एक 22 वर्षीय युवक की गोली मारकर हत्या कर दी। जबकि युवक के साथी ने किसी तरह भागकर अपनी जान बचाई। पुलिस ने हत्यारोपी पार्षद को हिरासत में ले लिया है। वहीं, मृतक के भाई की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी पार्षद के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है।

पुलिस के अनुसार, नितिन लोहनी (22) पुत्र कैलाश चंद्र लोहनी मूलरूप से कैड़ागांव ओखलकांडा का रहने वाला था। वह हल्द्वानी में जजफार्म सी ब्लॉक में परिवार के साथ रहता था। रविवार को वह अपने दोस्त कमल भंडारी के साथ गौलापार गया था। कमल के जीजा गौलापार में रहते हैं और उन्होंने नई कार खरीदी थी, जिसकी पार्टी के लिए दोनों को आमंत्रित किया था। स्कूटी सवार नितिन और कमल रात घर लौट रहे थे। तभी नितिन और कमल के बीच पार्षद अमित के बेटे जय को लेकर कुछ चर्चा हुई। जिसके बाद दोनों ने जय से मिलने का मन बना लिया। रात करीब साढ़े 12 बजे दोनों अमित के घर के बाहर पहुंचे।

मृतक नितिन

- पुलिस ने पार्षद को हिरासत में लिया, दो असलहे जब्त

आरोपी पार्षद के घर पहुंची पुलिस।

कमल ने दो बार डोर बेल बजाई। पार्षद अमित अपने बेटे जय के साथ बालकनी में आया। पार्षद के हाथ में डबल बैरल बंदूक (पौनिया) थी। कमल ने नीचे से नमस्कार किया तो पार्षद अमित ने कहा कि क्या वह दरम्वाल गैंग से है। दोनों में बात हो रही थी कि तभी अमित ने बालकनी से दो फायर कर दिए। हालांकि दोनों बच गए और जान बचा कर भागे।

अमित भी आनन-फानन में नीचे उतार और पीछे से नितिन पर फायर कर दिया। करीब सौ मीटर भागने के बाद नितिन नाली में गिरकर मर गया। अस्पताल में चिकित्सकों ने नितिन को मृत घोषित कर दिया। जिसके बाद पुलिस ने अमित और उसके बेटे को हिरासत में ले लिया। पुलिस ने पौनिया के साथ आरोपी से एक विदेशी पिस्टल भी जब्त की है। एसएसपी डॉ.मंजूनाथ टीसी ने बताया कि पूरे मामले में मृतक के बड़े भाई पीयूष ने तहरीर सौंपी है। मामले में आरोपी पार्षद अमित बिष्ट के खिलाफ बीएनएस की धारा 103 (1) व 352 में एफआईआर दर्ज की गई है। चिकित्सकों के पैनल और वीडियोग्राफी के बीच पोस्टमार्टम कराया गया है। घटना के पीछे की वजहों को तलाशा जा रहा है। घटना स्थल पर लगे सीसीटीवी फुटेज भी चेक किए जा रहे हैं। इधर, सोमवार को एसपी क्राइम डॉ.जगदीश चंद्र और एसपी सिटी मनोज कत्याल ने घटना स्थल के साथ आरोपी के घर का मौका-मुआयना किया।

न्यूज ब्रीफ

ओएनजीसी कुएं से गैस रिसाव के कारण आग लगी, कोई हताहत नहीं

मोरी (आंध्र प्रदेश)। यहां के डॉ. बीआर आंबेडकर कोनासीमा जिले में ओएनजीसी की उत्पादन इकाई दीप इंडस्ट्रीज लिमिटेड के एक कुएं में गैप पाइपलाइन के रिसाव के कारण सोमवार को आग लग गई। घटना में किसी के भी घायल होने या मौत की कोई सूचना नहीं है। गैस रिसाव और उसके बाद लगी आग के मद्देनजर, राजामुंद्री से ओएनजीसी के वरिष्ठ अधिकारी मोरी गांव पहुंचे। यहां मोरी-5 कुएं में आग लगी थी। अधिकारी ने बताया कि मोरी-5 कुआं कंपनी द्वारा करीब एक साल से संचालित किया जा रहा है।

दिल्ली विस्फोट : यासिर अहमद को 11 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

नई दिल्ली। लाल किला विस्फोट मामले के आरोपी यासिर अहमद डार को सोमवार को 11 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। कोर्ट ने पिछले साल 26 दिसंबर को डार की एनआईए हिरासत 10 दिन के लिए बढ़ा दी थी। एनआईए ने 18 दिसंबर को मामले में नौवें आरोपी डार को गिरफ्तार किया था। जम्मू-कश्मीर का रहने वाला डार आत्मघाती हमलावर उमर-उन-नबी का करीबी था, जो 10 नवंबर को लाल किले के बाहर विस्फोटकों से भरी कार चला रहा था।

सड़कों के साथ विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है उत्तराखंड : धामी

केंद्रीय मंत्री की अध्यक्षता में हुई एनएच प्रोजेक्ट्स की बैठक में सीएम ने कई प्रस्तावों की पैरवी की

मुख्य संवाददाता, देहरादून/नई दिल्ली

अमृत विचार : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी की अध्यक्षता में हुई राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की समीक्षा बैठक में हिस्सा लिया। उन्होंने ऋषिकेश बाईपास, अल्मोड़ा-दन्या-पनार-घाट, ज्योलीकोट-खैरना-गैरसैंण-कर्णप्रयाग और अल्मोड़ा-बागेश्वर-कांडा-उडियारी बैंड मार्ग के साथ ही एनएच के कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों को स्वीकृति देने का अनुरोध किया।

सीएम धामी ने बैठक बताया कि में ऋषिकेश बाईपास एनएच-07 के अंतर्गत तीनपानी से योगनगरी होते हुए खारास्रोत तक 12.67 किमी लंबाई में चार लेन बाईपास प्रस्तावित है। इसकी अनुमानित लागत 1161.27 करोड़ है। इसके अंतर्गत 4.876 किमी लंबाई में तीन हाथी कॉरिडोर के लिए एलिवेटेड मार्ग, चन्द्रभागा नदी पर 200 मीटर लंबा सेतु तथा रेलवे पोर्टल पर 76 मीटर लंबाई का आरओबी प्रस्तावित है। श्यामपुर रेलवे क्रॉसिंग पर 318 करोड़ से 76 मीटर लंबाई का आरओबी प्रस्तावित है। इससे नेपाली फार्म से ऋषिकेश नटराज चौक तक यातायात निर्बाध हो सकेगा। उन्होंने कहा कि अल्मोड़ा-दन्या-पनार-घाट मार्ग एनएच -309 बी के 76 किमी लंबाई वाले हिस्से में 988 करोड़ की अनुमानित लागत से दो लेन चौड़ीकरण प्रस्तावित है। ज्योलीकोट-खैरना-गैरसैंण-कर्णप्रयाग एनएच-109 पर 235 किमी लंबाई में दो लेन चौड़ीकरण प्रस्तावित है।

अल्मोड़ा-बागेश्वर-कांडा-उडियारी बैंड मार्ग एनएच-309ए के अंतर्गत पैकेज 1, 2 और 5 में कुल 84.04 किमी लंबाई में 1001.99 करोड़ से प्रस्तावित हैं। कांडा से बागेश्व के लिए वनभूमि हस्तांतरण पर केंद्र की मंजूरी मिल गई है। सीएम ने कहा कि राज्य में सड़क अवसंरचना को विकास की दिशा में उल्लेखनीय काम हुए हैं। सड़कें केवल तीर्थाटन, पर्यटन को ही नहीं बल्कि उद्योग, सीमावर्ती सुरक्षा और अर्थव्यवस्था को भी सशक्त बना रही हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के सतत प्रयासों से राज्य सुगम, सुरक्षित, आधुनिक और भविष्य उन्मुख सड़क नेटवर्क से विकास पथ पर तेजी से आगे बढ़ रहा है।

नई दिल्ली में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी को उपहार स्वरूप माल्टा देते मुख्यमंत्री धामी।

राष्ट्रीय राजमार्गों पर 12,769 करोड़ की परियोजना स्वीकृत

सीएम ने कहा कि चारधाम यात्रा को सुगम एवं सुरक्षित बनाने के लिए राष्ट्रीय राजमार्गों पर 12,769 करोड़ रुपये की परियोजना स्वीकृत हुई है। कुल 3,723 किमी का एनएच नेटवर्क राज्य को देश के विभिन्न हिस्सों से जोड़ रहा है। इनमें 336 किमी सड़कें बन चुकी हैं, लगभग 193 किमी का निर्माण प्रगति पर है। केंद्रीय मंत्री गडकरी ने कहा कि सीएम के दिए प्रस्तावों पर कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को राज्य के प्रोजेक्ट्स को गुणवत्तापूर्ण व तय समय में बनाने को कहा। इस दौरान केंद्रीय राज्य मंत्री अजय टम्टा, हर्ष आदि मौजूद रहे।

उमर खालिद और शरजील इमाम की जमानत नामंजूर

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली दंगा मामला

- सुप्रीम कोर्ट ने एक साल अपील करने पर रोक लगाई, 5 आरोपियों को बेल

शीर्ष कोर्ट ने 2020 के दिल्ली दंगों की साजिश से जुड़े मामले के आरोपियों उमर खालिद और शरजील इमाम को जमानत देने से सोमवार को इनकार कर दिया लेकिन भागीदारी के स्तर के क्रम का हवाला देते हुए पांच अन्य को जमानत दे दी और कहा कि मामले में सभी आरोपी एक ही पायदान पर नहीं हैं।

न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ ने कहा कि खालिद और इमाम के खिलाफ गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत प्रथम दृष्टया मामला बनता है। उसने कहा कि ये दोनों जेल में रहेंगे लेकिन अन्य आरोपियों गुलफिशा फातिमा, मीरान हैदर, शिफा उर रहमान, मोहम्मद सलीम खान और शादाब अहमद को जमानत दी जाती है। कोर्ट ने कहा कि खालिद व इमाम गवाहों से पूछताछ हो जाने के बाद या आज से एक वर्ष बाद नए सिरे से जमानत याचिका दायर कर सकते हैं। उसने साथ ही कहा कि खालिद और इमाम की स्थिति दिल्ली दंगों के मामले में अन्य आरोपियों की तुलना में अलग है।

पीठ ने कहा कि अभियोजन पक्ष ने प्रथम दृष्टया एक केंद्रीय और निर्णायक भूमिका और घटनाजन्य और स्थानीय कृत्यों से परे योजना, लामबंदी और रणनीतिक दिशा के स्तर में संलिप्तता का खुलासा किया है। न्यायालय के अनुसार, मुकदमे में देरी कोई तुरुप का इक्का नहीं है जो वैधानिक सुरक्षा उपायों को स्वतः ही दरकिनार कर दे। पीठ ने कहा, दोष के मामले में सभी याचिकाकर्ता समान पायदान पर नहीं हैं।

दोनों आरोपियों पर है मुख्य साजिशकर्ता होने का आरोप

इमाम को नागरिकता (संशोधन) अधिनियम (सीएए) विरोधी प्रदर्शनों के दौरान दिए गए भाषणों के लिए 28 जनवरी, 2020 को गिरफ्तार किया गया था। बाद में अगस्त 2020 में उसे एक बड़े षड्यंत्र मामले में गिरफ्तार किया गया। खालिद को 13 सितंबर, 2020 को गिरफ्तार किया गया था। उमर, शरजील और अन्य आरोपियों पर फरवरी 2020 में उत्तर-पूर्वी दिल्ली में हुए दंगों का मुख्य साजिशकर्ता होने का आरोप है।

समुद्र की शक्ति बनेगा प्रदूषण नियंत्रण पोत 'समुद्र प्रताप'

समुद्री पोत के बारे में रक्षामंत्री को जानकारी देते तटरक्षक बल के अधिकारी।

- रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 114.5 मीटर लंबे पोत को नौसेना को सौंपा
- 6,000 समुद्री मील का सफर तय कर सकता है यह पोत
- 4,200 टन वजन वाला यह पोत 22 समुद्री मील की गति से चल सकता है

पणजी, एजेंसी

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को गोवा में भारतीय तटरक्षक बल के पहले स्वदेशी रूप से डिजाइन व निर्मित प्रदूषण नियंत्रण पोत 'समुद्र प्रताप' को बल में शामिल किया। अधिकारियों ने बताया कि गोवा शिपयार्ड लिमिटेड (जीएसएल) द्वारा निर्मित 114.5 मीटर लंबे इस पोत में 60 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री का उपयोग किया गया है।

4,200 टन वजन वाला यह पोत 22 समुद्री मील से अधिक गति से चल सकता है और 6,000 समुद्री मील का सफर तय कर सकता है। उन्होंने कहा कि यह पोत समुद्री प्रदूषण नियंत्रण नियमों को लागू करने, समुद्री कानून प्रवर्तन, खोज व बचाव कार्यों तथा भारत के विशेष आर्थिक क्षेत्र (ईईजेड) की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण साबित होगा। बल ने एक बयान में कहा कि भारत में निर्मित सबसे बड़ा और सबसे उन्नत प्रदूषण नियंत्रण जहाज समुद्र प्रताप देश की पोत निर्माण की उत्कृष्टता और स्वच्छ, सुरक्षित व आत्मनिर्भर समुद्री भविष्य के लिए दीर्घकालिक दृष्टिकोण का प्रतीक है। इसमें उन्नत स्वचालन तथा कंप्यूटरीकृत नियंत्रण प्रणालियां लगी हैं, जो जटिल जहाज निर्माण में भारत की बढ़ती क्षमता को दर्शाती हैं।

यह अवसर भारत के महान समुद्री दृष्टिकोण से जुड़ा

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि यह अवसर भारत के महान समुद्री दृष्टिकोण से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा, भारत मानता है कि समुद्री संसाधन किसी एक देश की संपत्ति नहीं हैं, वे मानवता की साझी धरोहर हैं। जब धरोहर साझा होती है, तो उसकी जिम्मेदारी भी साझा होती है। यही कारण है कि आज भारत एक जिम्मेदार समुद्री शक्ति बन गया है।

पहाड़ों में बर्फबारी ने बढ़ाई गलन, कंपकंपाया यूपी

लखनऊ। पहाड़ों वाली सर्दी से उत्तर प्रदेश कंपकपा रहा है। पहाड़ों पर बर्फबारी के बाद उधर से होकर आ रही तेज उत्तर पश्चिमी हवा ने कंपा दिया है। मौसम विभाग का अनुमान है कि 10 जनवरी तक पूर्वी उत्तर प्रदेश में कोहरे व सर्दी का ऑरेंज से यलो अलर्ट रहेगा। राजधानी समेत प्रदेशभर में ठंड को देखते हुए जिला प्रशासन ने सभी प्रमुख चौराहों और गांवों में अलाव जलाने के निर्देश दिए है।

इस बीच विभिन्न शहरों में दिन के समय अधिकतम पारा लगभग 19 और रात में पांच डिग्री सेल्सियस तक गिरने का अनुमान है। सोमवार को कई जिलों में सुबह के समय विजिबिलिटी न के बराबर पायी गई। मौसम विभाग की ओर से जारी रिपोर्ट के मुताबिक आगामी एक हफ्ते तक कोई राहत नहीं मिलने वाली है। इस दौरान सुबह और रात के वक्त घना कोहरा छाया रहेगा। लखनऊ समेत प्रदेशभर में ठंड को देखते हुए स्थानीय जिला प्रशासन ने सभी प्रमुख चौराहों और गांवों में अलाव जलाने के निर्देश दिए हैं।

नशा तस्करी में मादुरो अमेरिकी कोर्ट में पेश

न्यूयॉर्क, एजेंसी

- ब्रुकलिन जेल से मैनहट्टन की एक अदालत में ले जाया गया

वेनेजुएला के अपदस्थ राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को मादक पदार्थों से संबंधित आतंकवाद के आरोपों में पहली बार एक अमेरिकी अदालत में सोमवार को पेश किया गया। इन आरोपों का इस्तेमाल ट्रंप प्रशासन ने उन्हें पकड़ने और न्यूयॉर्क लाने के कदम को उचित ठहराने के लिए किया था।

अब संभवतः इस बात पर एक लंबी कानूनी लड़ाई शुरू हो जाएगी कि क्या उन पर अमेरिका में मुकदमा चलाया जा सकता है। दंपति को सोमवार सुबह सशस्त्र सुरक्षा के बीच ब्रुकलिन जेल से मैनहट्टन की एक अदालत में ले जाया गया। मादुरो को ले जा रहा काफिला सोमवार सुबह करीब 7:15 बजे जेल से निकला। हेलीकॉप्टर न्यूयॉर्क बंदरगाह के ऊपर से उड़ता हुआ मैनहट्टन के एक हेलीपोर्ट पर उतरा, जहां लंगड़ाते हुए चल रहे मादुरो को एक बख्तरबंद वाहन में चढ़ाया गया।

कुछ मिनट बाद, कानून प्रवर्तन अधिकारियों का काफिला अदालत परिसर के एक गैराज के अंदर था, जो उस जगह से कुछ ही दूरी पर था जहां डोनाल्ड ट्रंप को 2024 में व्यापारिक रिकॉर्ड में हेराफेरी करने के आरोप में दोषी ठहराया गया था। मादुरो के वकीलों द्वारा उनकी गिरफ्तारी की वैधता को इस तर्क के साथ चुनौती दिए जाने की उम्मीद है कि एक संप्रभु राष्ट्राध्यक्ष होने के नाते उन्हें अभियोजन से छूट प्राप्त है।

वेनेजुएला में अमेरिकी हमले में क्यूबा के 32 अधिकारी मारे गए थे

हवाना। क्यूबा की सरकार ने स्वीकार किया कि पिछले सप्ताहांत वेनेजुएला में हुए अमेरिकी सैन्य अभियान के दौरान उसके 32 अधिकारी मारे गए हैं। क्यूबा के सरकारी टेलीविजन पर रविवार रात जारी एक बयान के अनुसार देश के सैन्य और पुलिस अधिकारी एक अभियान पर थे और यह अभियान वेनेजुएला की सरकार के अनुरोध पर अंजाम दिया जा रहा था।

रहस्य

टीओआई 561 बी है इस बाहरी एक्सोप्लैनेट का नाम, इसका एक वर्ष 11 घंटे का

लावा उगलने वाले रहस्यमय ग्रह की हैरान करने वाली खोज

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: ब्रह्मांड की गहराइयों में छिपे ग्रह नक्षत्रों के रहस्य आज भी हमारी कल्पनाओं से बाहर हैं। अब एक ऐसे ग्रह की खोज हुई है, जो न केवल लावा उगलता है, बल्कि इसका अपना वातारण बेहद घना है और इसका एक वर्ष 11 घंटे का है। इस ग्रह का नाम टीओआई 561 बी है।

टीओआई 561 बी हमारे सौर मंडल के बाहर का (एक्सोप्लैनेट) ग्रह है। यह ग्रह ज्वालामुखी के साथ निरंतर लावा उगलने वाला ग्रह है। यह अपने तारे के बेहद करीब से परिक्रमा करता है जिस कारण वैज्ञानिकों का मानना है कि इसका अपना वातावरण होना ही नहीं चाहिए मगर ऐसा न होकर इसका अपना बेहद घना वातावरण है। यह ग्रह मात्र 11 घंटे में अपने तारे का एक चक्कर लगा लेता है। जिस कारण इसका एक वर्ष 11 घंटे है। यह बेहद गर्म और पृथ्वी जैसा चट्टानी ग्रह है लिहाजा इसे सुपर अर्थ ग्रह माना जा सकता है। इस ग्रह की दूरी पृथ्वी से करीब 280 से 560 प्रकाश वर्ष है। अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा ने इसे खोजा है। एस्ट्रो फिजिकल जर्नल में यह खोज प्रकाशित हुई है। इस ग्रह का तापमान 18 सौ से 27 सौ डिग्री सेल्सियस के बीच रहता है।

इतने अधिक तापमान के कारण इसका वायुमंडल पूरी तरह खत्म हो जाना चाहिए था, लेकिन ऐसा नहीं हो पाया जिस कारण वैज्ञानिकों द्वारा इस ग्रह को खास माना जा रहा है। खास बात यह भी है कि इस ग्रह का दिन वाला हिस्सा इतना गर्म है कि उसकी सतह पर पिघलते लावा का समुद्र नजर आता है। वैज्ञानिकों का मानना है कि इस ग्रह के भीतर से लगातार गैसें निकलकर वायुमंडल को घना बनाए रखती हैं।

जेम्स वेब दूरबीन से अजूबे रहस्य हो रहे उजागर : शशिभूषण

नैनीताल : आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) के वरिष्ठ खगोल वैज्ञानिक डॉ. शशिभूषण पांडे के अनुसार, जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप के आने से ब्रह्मांड के अजूबे रहस्य उजागर हो रहे हैं। बाहरी ग्रह टीओआई 561 बी की खोज भी कुछ ऐसी ही है, जो ग्रहों की दुनिया की नई जानकारी प्रदान करती है।

- ग्रह की दूरी पृथ्वी से करीब 280 से 560 प्रकाश वर्ष अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा ने इसे खोजा

अमृत विचार

हल्द्वानी , मंगलवार,6 जनवरी 2026

स्टेट ब्रीफ

लोगों में अफरा-तफरी का माहौल: नेता प्रतिपक्ष

हल्द्वानी : नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने कहा कि बीती 2 दिसंबर को ऋषिकेश के पशु लोक और उससे लगे इलाकों की 2866 एकड़ भूमि के मामले में उच्चतम न्यायालय के कठोर निर्देश आए हैं। न्यायालय ने मुख्य सचिव उत्तराखंड व मुख्य वन संरक्षक उत्तराखंड को इस प्रश्नगत भूमि की जांच करने के लिए एक जांच समिति बनाने के निर्देश दिए हैं। भूमि को वन विभाग ने 1952 के लगभग मीरा बेन को लीज पर दिया उन्होंने पशुलोक सेवा समिति के द्वारा इस भूमि पर पशुओं के संबर्धन का कार्य शुरु किया था। मीरा बहिन पशुधन को पर्वतीय क्षेत्र की अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार बनाना चाहती थीं। पशुलोक की शुरुआत के साथ इनसे लगे इलाकों में लोगों का बसना भी शुरु हो गया था इस भूमि पर एम्स ऋषिकेश, आईडीपीएल, पशुलोक जैसे सरकारी प्रतिष्ठान बने हैं, इसी भूमि पर बड़ी संख्या में टिहरी विस्थापितों को भी पुर्नवासित किया गया है। न्यायालय के आदेश के बाद ऋषिकेश में कई दशकों से रह रहे हजारों लोगों में अफरा-तफरी का माहौल है। सरकारी जांच कमेटी, पुलिस बल और वन विभाग के जबरदस्ती इस क्षेत्र में प्रवेश करने से महौल काफी तनावपूर्ण हो गया है। न्यायालय के हाल के निर्देश के बाद वन विभाग के अधिकारी एक तरफा कार्यवाही कर हजारों परिवारों को उजाड़ने की कोशिश कर सकते हैं।

हाईकोर्ट ने वरिष्ठ न्यायिक अधिकारियों के तबादले किए

शासन में तैनात प्रमुख सचिव (विधि) प्रशांत जोशी को नियुक्त किया गया है नैनीताल का नया जिला एवं सत्र न्यायाधीश

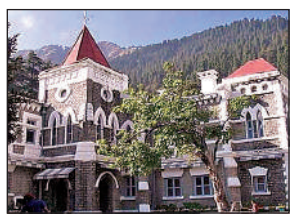

विधि संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार : हाईकोर्ट ने राज्य की न्यायिक व्यवस्था में महत्वपूर्ण बदलाव करते हुए कई वरिष्ठ न्यायिक अधिकारियों के स्थानांतरण और नई नियुक्तियों की अधिसूचना जारी की है। मुख्य न्यायाधीश के आदेश से जारी इस अधिसूचना के अनुसार, शासन में तैनात प्रमुख सचिव (विधि) प्रशांत जोशी को नैनीताल का नया जिला एवं सत्र न्यायाधीश नियुक्त किया गया है। वह हरीश कुमार गोयल का स्थान लेंगे, जिनके नाम की सिफारिश राज्य सरकार को पौड़ी गढ़वाल के परिवार न्यायालय में प्रमुख न्यायाधीश के रूप में तैनाती के लिए भेजी गई है।

इसी क्रम में, राज्य परिवहन अपीलीय न्यायाधिकरण, देहरादून के अध्यक्ष नितिन शर्मा को भी उनके मूल विभाग में वापस बुला लिया गया है। उन्हें टिहरी गढ़वाल का नया जिला एवं सत्र न्यायाधीश नियुक्त किया गया है। वह यहां अमित कुमार सिरोही का स्थान लेंगे। टिहरी के जिला जज अमित कुमार सिरोही को अब राज्य सरकार में प्रमुख सचिव (विधि) सह एलआर के महत्वपूर्ण पद पर नियुक्त करने की सिफारिश की गई है। प्रशासनिक कार्यों को सुचारू बनाने के लिए हाईकोर्ट ने अतिरिक्त प्रभार और नई नियुक्तियों के सुझाव भी दिए हैं। वाणिज्यिक कर न्यायाधिकरण के अध्यक्ष मलिक मजहर सुल्तान को उनके वर्तमान कार्यों के साथ राज्य परिवहन अपीलीय न्यायाधिकरण, देहरादून के अध्यक्ष पद का अतिरिक्त प्रभार सौंपने की अनुशंसा की गई है। पौड़ी गढ़वाल के परिवार न्यायालय के प्रमुख न्यायाधीश राहुल गर्ग को हरिद्वार के श्रम न्यायालय में पीठासीन अधिकारी के पद पर तैनात किया गया है। हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल योगेश कुमार गुप्ता द्वारा हस्ताक्षरित यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू माने जाएंगे।

जिला खनन अधिकारी को किया तलब

नैनीताल : हाईकोर्ट ने रामगढ़ ब्लॉक के सतोली गांव में बिल्डर को फायदा पहुंचाने के लिये ग्राम सभा के बोरिंग के पानी को बिल्डर तक पहुंचाने के खिलाफ ग्रामीणों की ओर से दायर जनहित याचिका की सुनवाई की। मामले की गंभीरता से लेते हुए मुख्य न्यायधीश जी नरेंद्र व न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की खंडपीठ ने जिला खनन अधिकारी से आज कोर्ट में व्यक्तिगत रूप से पेश होने को कहा है। पिछली तिथि को कोर्ट जिला खनन अधिकारी से यह बताने को कहा था कि यह पानी किस-किस को पहुंचाया जा रहा है। इसपर अपनी रिपोर्ट पेश करें लेकिन रिपोर्ट पेश न करने पर कोर्ट ने जिला खनन अधिकारी से आज कोर्ट में पेश होने को कहा है। सतोली के ग्रामीणों के अनुसार भवाली निवासी विपिन पन्त ने सतोली में आवासीय क्षेत्र के लिए पानी पहुंचाने के लिए प्रशासन से अनुमति मांगी। जबकि उक्त व्यक्ति का गांव में मकान नहीं है और बोरिंग का पानी ऊपर एक बिल्डर के कॉटेज में पहुंचाया जा रहा। पूरे क्षेत्र में पहले से ही स्वजल की लाइन उपलब्ध है। ग्रामीणों के अलावा विपिन पन्त को 2011 में बोरिंग की अनुमति दी गई थी, तब उसने बोरिंग नहीं की। इधर उसने 10 साल पहले मिली अनुमति के आधार पर पुनः एनओसी मांगी जिस पर नैनीताल तहसील ने पुरानी अनुमति को देखते हुए नए सिरे से अनुमति देने की आवश्यकता नहीं समझी और पुरानी अनुमति के आधार पर ही बोरिंग करने को कह दिया। जबकि इस मामले में केंद्रीय भूजल प्राधिकरण की अनुमति लेनी जरूरी थी।

अतिक्रमण पर अब 18 फरवरी को होगी सुनवाई

नैनीताल : हाई कोर्ट ने हल्द्वानी शहर के बाजारों, गलियों व फुटपाथों में अवैध संचालित फड़, ठेलों को हटाने को लेकर दायर जनहित याचिका पर सुनवाई की। मामले की सुनवाई के बाद मुख्य न्यायधीश जी नरेंद्र व न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की खंडपीठ ने सुनवाई के लिए 18 फरवरी की तिथि नियत की है। पूर्व के आदेश पर आज नगर निगम ने रिपोर्ट कोर्ट में पेश की। जिसमें कहा गया कि फड़, ठेलों व टेम्पो, रिक्शा के लिए कई जगह चिन्हित की गई हैं। इसपर कोर्ट ने याचिकर्ता से कहा कि जो रिपोर्ट नगर निगम ने पेश की है अगर उसमें कोई और सुझाव देने हैं तो वह नग निगम को दे सकते है। अगर निगम उसपर ध्यान नहीं देता है तो वह अपने सुझाव कोर्ट में दे सकते है। मामले के अनुसार हल्द्वानी निवासी हितेश पांडे ने जनहित याचिका दायर कर कहा है शहर के बाजारों ,फुटपाथों, सार्वजनिक स्थानों व गलियों में बिना रजिस्ट्रेशन के फड़ ठेले लगाये जा रहे है। जिसकी वजह से आम जनता के लिए चलने की जगह तक नहीं रह गयी है। यही नहीं बाजारों में ई रिक्शा व टेम्पो भी घुस जा रहे हैं जिनकी वजह से कई बार दुर्घटनाएं भी हो रही हैं।

प्रवेश में फर्जीवाड़ा मामले में याची से मांगा शपथपत्र

विधि संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार : हाईकोर्ट ने प्रदेश के कई निजी कॉलेजों की ओर फर्जी छात्र दिखाकर करोड़ों की एसटी-एससी छात्रों की छात्रवृत्ति के गबन के मामले में उसकी जांच महालेखाकार से कराने को लेकर दायर जनहित याचिका पर सुनवाई की।

मामले की सुनवाई करते हुए मुख्य न्यायधीश जी नरेन्द्र व न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की खंडपीठ ने याचिकाकर्ता से कहा है कि जो समाज कल्याण विभाग की तरफ से शपथ पत्र पेश किया गया है उस पर वह अपनी प्रतिक्रिया करके कोर्ट में शपथपत्र के माध्यम से पेश करें। पूर्व में कोर्ट ने सुनवाई करते हुए कहा था कि भारत सरकार के महालेखाकार व राज्य सरकार दस दिन के भीतर अपना जवाब प्रस्तुत करने के साथ ही स्थिति से अवगत कराएं। जिसपर आज राज्य सरकार के समाज कल्याण विभाग ने शपथपत्र पेश कर स्थिति से अवगत किया। जिसमें कहा गया कि मामले की जांच चल रही है । जो अभी तक जांच हुई है उसकी रिपोर्ट कोर्ट में प्रस्तुत की जा चुकी है। इस पर कोर्ट ने याचिकर्ता से कहा कि वह इस पर अपनी प्रतिक्रिया कोर्ट में दे सकते हैं।

मामले के अनुसार इंटर नेशनल पब्लिक वेलफेयर सोसायटी ने उच्च न्यायलय में जनहित याचिका दायर कर कहा कि केंद्र सरकार की ओर निजी कॉलेजो में पढ़ने वाले एसटी व एसी छात्रों की शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति समाज कल्याण विभाग के माध्यम से दी जाती है लेकिन यह छात्रवृति छात्रों को कॉलेजों के द्वारा नहीं दी गयी। जब इसकी शिकायत की गई तो पता चला कि कई कॉलेजो ने अपने यहां फर्जी प्रवेश दिखाकर छात्रवृत्ति ले ली। याचिका में कहा गया कि इस गबन में अब तक 156 मुकदमे दर्ज हो चुके हैं लेकिन उनकी सुनवाई अभी तक नहीं हुई।

बैलपड़ाव रेंज में मादा गुलदार का शव मिला

गन्ने के खेत में पड़ा मादा गुलदार का शव।

कालाढूंगी: तराई पश्चिमी वन प्रभाग रामनगर के बैलपड़ाव रेंज में आपसी संघर्ष में मादा गुलदार की मौत हो गई। वन विभाग ने मादा गुलदार का शव कब्जे में ले लिया है। बैलपड़ाव रेंज के जंगल से सटे ग्राम सभा पत्तापानी में सोमवार का दिन में ग्रामीणों ने दो गुलदारों की गुर्राने की आवाजें सुन दहशत में आ गए।

ग्रामीणों ने इसकी सूचना वन विभाग को दी। जिसके बाद से वन विभाग कर्मियों ने सर्च अभियान चलाया। ग्रामीणों ने बताया कि शाम ढलते ही गुलदार आबादी क्षेत्र में पहुंच रहे हैं। देर शाम ग्रामीणों ने गन्ने के खेत में गुलदार का शव देख वन विभाग को सूचना दी। वन कर्मियों ने गुलदार का शव कब्जे में लेकर वन विश्राम गृह चूनाखान में रखा है। रेंजर विजेन्द्र अधिकारी ने बताया कि मृत माता गुलदार की उम्र लगभग 7 माह है। बताया कि मादा गुलदार के शरीर पर कई घाव थे इससे आशंका है कि व आपसी संघर्ष में मौत हुई है।

अधिवक्ता सिद्धार्थ साह उत्तराखंड हाईकोर्ट में न्यायाधीश हुए नियुक्त

संवाददाता, नई दिल्ली/नैनीताल

सिद्धार्थ साह।

अमृत विचार: नैनीताल निवासी अधिवक्ता सिद्धार्थ साह को उत्तराखंड उच्च न्यायालय का अतिरिक्त न्यायाधीश नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद भारत सरकार के कानून और न्याय मंत्रालय द्वारा सोमवार को जारी अधिसूचना के माध्यम से की गई। अधिसूचना भारतीय संविधान के अनुच्छेद 224(1) के तहत प्रदान की गई शक्तियों के तहत जारी की गई है।

सिद्धार्थ साह वर्तमान में उत्तराखंड हाईकोर्ट में अधिवक्ता के रूप में कार्यरत थे। उनकी नियुक्ति की सूचना राज्यपाल, मुख्यमंत्री और हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के सचिवालयों को आधिकारिक रूप से भेज दी गई है। नियुक्ति आदेश 5 जनवरी, 2026 को नई दिल्ली स्थित जैसलमेर हाउस से भारत सरकार के संयुक्त सचिव जगन्नाथ श्रीनिवासन द्वारा हस्ताक्षरित किया गया। सिद्धार्थ साह का जन्म 4 सितंबर, 1971 को हुआ। उन्होंने अपनी हाईस्कूल की पढ़ाई सेंट जोजफ कॉलेज और इंटरमीडिएट की पढ़ाई बिड़ला विद्या मंदिर से पूरी की। स्नातक की पढ़ाई उन्होंने किरौड़ीमल कॉलेज, दिल्ली से की और लॉ की डिग्री अल्मोड़ा से हासिल की। उनके पिता एमएल साह भी अधिवक्ता हैं।

सिद्धार्थ साह के परिवार में छोटे चाचा राजीव लोचन साह वरिष्ठ पत्रकार हैं, बहन साईं किरण साह अधिवक्ता और बड़े भाई दीपांजन साह बंगलुरु में एक कंपनी में कार्यरत हैं। उनकी पत्नी दीप्ति गृहिणी हैं और उनकी दो पुत्रियां हैं। सिद्धार्थ साह के न्यायाधीश बनने की खबर से नैनीताल में खुशी का माहौल है। इसे क्षेत्र के लिए गर्व का विषय माना जा रहा है और स्थानीय कानूनी जगत में इसे बड़ी उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है।

गंदे पानी की निकासी से ग्रामीणों में आक्रोश

कालाढूंगी: नगरपालिका द्वारा बरसाती नाले में छोड़े जा रहे गंदे पानी के विरोध में ग्रामीणों ने तहसील परिसर पहुंचकर एसडीएम के माध्यम से डीएम को ज्ञापन भेजा। इस दौरान पूर्व प्रदेश प्रशिक्षण प्रमुख मनोज पाठक के नेतृत्व में दर्जनों ग्रामीण उपस्थित रहे।

ज्ञापन में ग्रामीणों ने कहा कि नगर से निकलने वाला गंदा पानी गुलजापुरबंकी में छोड़ा जा रहा है, जिससे गांव में दुर्गंध, प्रदूषण की समस्या बढ़ रही है। उन्होंने नगर पालिका से सीवरेज लाइन और पक्की नालियों का निर्माण करने की मांग की। सामाजिक कार्यकर्ता अरविंद कुमार ने बताया कि कई बार शिकायत पत्र दिए जा चुके हैं, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। यहां अरविंद कुमार, गुड्डू चौहान, गोपाल सिंह मेहरा, दान सिंह रावल रहे।

पेंशनर्स की मांगें सीएम के समक्ष रखेंगे

मुख्य संवाददाता, देहरादून

सम्मेलन में बुजुर्ग को सम्मानित करते कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी।

अमृत विचार : कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने सोमवार को धर्मपुर स्थित एक निजी होटल में सेवानिवृत्त राजकीय पेंशनर्स संगठन के छठवें प्रांतीय त्रैवार्षिक महाधिवेशन में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर उन्होंने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया। इस दौरान कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने वरिष्ठजनों को सम्मानित भी किया।

कैबिनेट मंत्री जोशी ने कहा कि यह अत्यंत हर्ष और गौरव का विषय है कि सेवानिवृत्त राजकीय पेंशनर्स संगठन अपने अस्तित्व के 60 गौरवशाली वर्ष पूर्ण कर रहा है। उन्होंने कहा कि संगठन का षष्ठीपूर्ति (हीरक जयंती वर्ष) इस बात का प्रतीक है कि आयु का पड़ाव संकल्पों को कमजोर नहीं करता बल्कि अनुभव की यह पूंजी संगठन को और अधिक सशक्त बनाती है। उन्होंने कहा कि सेवानिवृत्त राजकीय पेंशनर्स का राज्य निर्माण में भी अहम भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि सेवानिवृत्ति केवल सेवा का अंत नहीं बल्कि समाज के प्रति नई जिम्मेदारियों की शुरुआत होती है। यह महाधिवेशन केवल आपसी संवाद का मंच नहीं, बल्कि एकता और संगठनात्मक मजबूती का उद्घोष है। इस अवसर पर सेवानिवृत्त राजकीय पेंशनर्स संगठन के पदाधिकारियों ने बढ़ती महंगाई के मद्देनजर पेंशनर्स के हितों और सम्मान की रक्षा की मांग की। उन्होंने कैशलेस चिकित्सा सुविधा से जुड़ी गोल्डन कार्ड एवं आयुष्मान योजना की विसंगतियों को दूर कर उन्हें और अधिक सरल एवं सुगम बनाने, सरकारी कार्यालयों में पेंशनर्स के कार्यों को प्राथमिकता देने तथा नीति निर्धारण में उनके दीर्घ प्रशासनिक अनुभव का लाभ उठाने सहित 14 सूत्रीय मांग पत्र कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी को सौंपा। कैबिनेट मंत्री ने संगठन के पदाधिकारियों को आश्वस्त किया कि उनकी सभी मांगों को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी तक पहुंचाया जाएगा तथा उनके समाधान के लिए राज्य सरकार स्तर पर गंभीरता से प्रयास किए जाएंगे। यहां प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह कृषाली, प्रदेश संरक्षक आरएस परिहार, प्रदेश कोषाध्यक्ष एमएस गुसाईं, उपाध्यक्ष कुसुमलता शर्मा, केडी शर्मा, गुलशन कुमार, सरदार रोशन सिंह, चंद्र प्रकाश, जगदीश प्रसाद रतूड़ी, मोहन सिंह रावत, हृदयराम मौजूद रहे।

मसूरी के सभी वार्डों में पानी आपूर्ति शुरू करें

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार : कृषि मंत्री गणेश जोशी ने विधानसभा स्थित कार्यालय कक्ष में अमृत कार्यक्रम के तहत मसूरी क्षेत्र में चल रही पेयजल योजनाओं की समीक्षा बैठक की।

कैबिनेट मंत्री जोशी ने कहा कि मसूरी देश का प्रमुख पर्यटक स्थल है जिसमें लाखों पर्यटक प्रति वर्ष यहां पर्यटन के लिए आवागमन करते हैं। साथ ही मसूरी की आबादी में भी निरंतर वृद्धि हो रही है जिससे मसूरी क्षेत्र के लिए पेयजल संबंधी सुविधाओं का होना नितांत आवश्यक हो जाता है। उन्होंने कहा कि उक्त को दृष्टिगत रखते हुए हाल ही में लगभग 144 करोड़ की पेयजल योजना बनाई गई है जिसकी ओर से 7 एमएलडी पानी पहुंचाया जा रहा है जबकि इस क्षेत्र में पहले से ही 7 एमएलडी पानी की आपूर्ति की जा रही है। उन्होंने कहा कि फिर भी मसूरी क्षेत्र में पानी की आपूर्ति को लेकर आए दिन अनियमितता की शिकायत आती रहती है। इसके संबंध में जल निगम तथा जल संस्थान के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आहूत की गई है।

उन्होंने कहा कि जल संस्थान तथा जल निगम के अधिकारियों से मसूरी क्षेत्र में पेयजल की आपूर्ति के संबंध में निर्देशित करते हुए कहा कि आने वाले 15 दिनों के भीतर प्रत्येक वार्डों में सर्वेक्षण करते हुए पानी की आपूर्ति को निर्बाध रूप से सुचारू कराया जाना सुनिश्चित करें। मसूरी क्षेत्र के लिए पेयजल आपूर्ति के लिए हाल ही में बीजापुर से पानी मुहैया कराने हेतु लगभग 46 करोड़ रूपये की योजना की निविदा की गई है। उन्होंने कहा कि इस योजना से आने वाली गर्मियों में क्षेत्र की जनता को पेयजल की आपूर्ति हो सकेगी। उन्होंने जल निगम तथा जल संस्थान के अधिकारियों को आपसी समन्वय रखते हुए पेयजल संबंधी समस्याओं का निराकरण ससमय करने के निर्देश दिये।

सचिव विभागीय संपत्तियों को जीएएमएस में मैपिंग कराएं

देहरादून : मुख्य सचिव आनन्दबर्द्धन ने सोमवार को सचिवालय में जिलाधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से बैठक की। इस अवसर पर जनपद स्तर पर पुराने समय से लंबित प्रकरणों पर सचिवों के चर्चा कर विभिन्न प्रकरणों का निस्तारण किया।

मुख्य सचिव ने उत्तराखंड गवर्नमेंट एसेट मैनेजमेंट सिस्टम पर सभी विभागों को अपनी संपत्तियों को मैप करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी विभागीय सचिवों और विभागाध्यक्षों को 31 मार्च 2026 तक सभी विभागों के अंतर्गत सरकारी संपत्तियों की मैपिंग कराने के निर्देश दिए। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को खराब एवं जर्जर हो चुकी 108 एवं विभागीय एम्बुलेंसों को शीघ्र बदलने के निर्देश दिए गए। मुख्य सचिव ने एग्री स्टैक के अंतर्गत अंश निर्धारण, डिजिटल क्रॉप सर्वे और किसानों के पंजीयन में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। इस दिशा में कुछ जनपदों द्वारा अच्छा प्रदर्शन किया गया है, जबकि कुछ जनपदों को काफी मेहनत करने की आवश्यकता है। इस दौरान प्रमुख सचिव विधायी धनंजय चतुर्वेदी, सचिव शैलेश बगौली, नितेश झा, डॉ. रंजीत कुमार सिन्हा, चंद्रेश यादव, दीपक रावत, विनय शंकर पांडेय, विनोद सुमन आदि मौजूद रहे।

15 तक बनाएं ट्रैकिंग की पॉलिसी

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अधिकारियों के साथ बैठक करते मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन।

अमृत विचार : मुख्य सचिव आनन्दबर्द्धन की अध्यक्षता में सोमवार को सचिवालय में वन विभाग के अंतर्गत इको टूरिज्म के संबंध में उच्च अधिकार प्राप्त समिति की बैठक हुई। मुख्य सचिव ने कहा कि प्रदेश का अधिकतर भूभाग वनाच्छादित होने से प्रदेश में इको टूरिज्म की अत्यधिक सम्भावनाएं हैं। ऐसे स्पॉट चिन्हित कर विकसित किए जाएं जो इको टूरिज्म के लिए इको सिस्टम तैयार करें।

मुख्य सचिव ने ट्रैकिंग और माउंटेनियरिंग के लिए पॉलिसी तैयार किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने ट्रैकिंग और माउंटेनियरिंग की एक इंटीग्रेटेड पॉलिसी 15 जनवरी तक फाइनल करते हुए शासन को पेश किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पॉलिसी तैयार किए जाने से पूर्व प्राईवेट स्टैक होल्डर्स से भी संवाद कर लिया जाए, ताकि पॉलिसी बनने के बाद आने वाली व्यवहारिक समस्याओं से बचा जा सके। मुख्य सचिव ने ट्रैकिंग के लिए नई चोटियां खोलने की दिशा में कार्य किए जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि इसके लिए पर्यावरण ऑडिट सहित अन्य सभी आवश्यक औपचारिकताएं पूर्ण कर ली जाएं। उन्होंने शीघ्र ही इसकी एसओपी भी जारी किए जाने की बात भी कही है।

मुख्य सचिव ने चौरासी कुटिया के जीर्णोद्धार शीघ्र पूर्ण किए जाने के निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव ने वन क्षेत्र के अंतर्गत पर्यटन गतिविधियों के संचालन के लिए मैकेनिज्म तैयार किए जाने की बात कही। उन्होंने कहा कि इनके संचालन की जिम्मेदारी इको टूरिज्म डेवलपमेंट बोर्ड को दी जा सकती है। इस दौरान सचिव दीपेन्द्र चौधरी, पीसीसीएफ रंजन कुमार मिश्रा, सीसीएफ ईको टूरिज्म पीके पात्रो आदि मौजूद थे।

आयोजन | भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की ने एहेड-2025 अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी की

आईआईटी रुड़की में स्वास्थ्य व विकास पर चर्चा

मुख्य संवाददाता, देहरादून

आईआईटी रुड़की में आयोजित सम्मेलन में मौजूद विशेषज्ञ।

अमृत विचार : भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की ने स्वास्थ्य और विकास पर एहेड-2025 अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी की। इसमें सार्वजनिक नीति को सूचित करने, राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणालियों के सुदृढ़ीकरण और सामाजिक प्रभाव प्रदान करने वाले साक्ष्य-आधारित अनुसंधान के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता की पुष्टि हुई।

आईआईटी रुड़की की एहेड प्रयोगशाला की ओर से हुए इस सम्मेलन में भारत और विदेश से अग्रणी विद्वानों, नीति-निर्माताओं, अर्थशास्त्रियों और कार्यकर्ताओं को एकत्र किया गया ताकि स्वास्थ्य और विकास के मार्गों को आकार देने वाली महत्वपूर्ण चुनौतियों पर मंथन हो सके। डॉ. प्रताप सी मोहंती ने स्थापित और संचालित एहेड प्रयोगशाला ने वर्ष 2025 में अपना सातवां प्रमुख शैक्षणिक आयोजन किया।। सम्मेलन का संयोजन डॉ. प्रताप सी मोहंती, डॉ. मनीष के अस्थाना ने किया। सम्मेलन में दस विषयगत ट्रैक जिनमें स्वास्थ्य वित्तपोषण, व्यावसायिक और पर्यावरणीय स्वास्थ्य, जलवायु परिवर्तन और स्वास्थ्य, स्वास्थ्य व्यवहार और संज्ञान, लैंगिक और स्वास्थ्य असमानताएं, वृद्धावस्था और कल्याण, स्वास्थ्य प्रदर्शन, पोषण और मानव पूंजी, डिजिटल स्वास्थ्य प्रणालियां तथा विकास में संरचनात्मक असमानताएं सम्मिलित थीं। उद्घाटन सत्र को आईआईटी रुड़की के अंतरराष्ट्रीय संबंध अधिष्ठाता प्रोफेसर वीसी श्रीवास्तव, एम्स ऋषिकेश के हृदय रोग विभाग के प्रमुख प्रोफेसर डॉ. भानु दुग्गल, आईआईटी रुड़की के मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग की प्रमुख प्रोफेसर स्मिता झा ने संबोधित किया, जिन्होंने साक्ष्य-आधारित नीति निर्माण और सामाजिक रूप से उत्तरदायी शासन के समर्थन में अकादमिक संस्थानों की भूमिका को रेखांकित किया। मुख्य भाषण और व्याख्यान प्रोफेसर साबु पद्मदास (यूनिवर्सिटी ऑफ साउथैम्प्टन, यूनाइटेड किंगडम), डॉ. मार्गरेट त्रियाना (वरिष्ठ अर्थशास्त्री, विश्व बैंक), डॉ. सुमन सेठ (यूनिवर्सिटी ऑफ लीड्स, यूनाइटेड किंगडम), प्रोफेसर प्रकाश सी कांडपाल ने दिए।

सिटी ब्रीफ

बार काउंसिल के सदस्यों के चुनाव के लिए नामांकन जारी

नैनीताल : उत्तराखंड बार काउंसिल के 25 सदस्यों के चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया जारी है। सोमवार को बार काउंसिल के सदस्य पद के लिए 16 अधिवक्ताओं ने नामांकन किए। इस प्रकार अब तक कुल 21 अधिवक्ता नामांकन दाखिल कर चुके हैं। चुनाव अधिकारी इलाहाबाद हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश राम अवतार सिंह की मौजूदगी में जिन अधिवक्ताओं ने नामांकन किए उनमें नलिन शेखर सौन, कुलदीप कुमार, रविन्द्र कुमार, प्रीतम सिंह असवाल, सुखपाल सिंह, दिवाकर पांडे, चंद्रशेखर तिवारी, आलोक घिल्डियाल, हरि सिंह नेगी, मधु ठाकुर, मनमोहन लाम्बा, अभिषेक बहुगुणा, प्रवीर, हेमलता पांडे, मो .विलावर खान, रजिया बेग ने नामांकन किए। जबकि 3 व 4 जनवरी को 5 अधिवक्ता नामांकन करा चुके हैं, नामांकन प्रक्रिया 9 जनवरी तक जारी रहेगी ।

अमित बिष्ट को भाजपा से किया निष्कासित

हल्द्वानी : भाजपा जिलाध्यक्ष प्रताप बिष्ट ने अमित बिष्ट उर्फ चिंटू को भाजपा से निष्कासित कर दिया है। बता दें कि अमित बिष्ट भाजपा के पार्षद होने के साथ ही मंडल उपाध्यक्ष के पद पर भी नियुक्त था। वह भाजपा के टिकट पर वार्ड-55 से लगातार दो बार पार्षद का चुनाव जीता। भाजपा में उसकी खासी पकड़ थी, वह एक विधायक का खासा करीबी माना जाता था। बिष्ट ने उन्हें सक्रिय सदस्यता से भी हटा दिया है।

कांग्रेस का अंकिता हत्याकांड मामले में कैंडिल मार्च आज

हल्द्वानी : कांग्रेस के पूर्व विधायक संजीव आर्य ने बताया कि बहुचर्चित अंकिता भंडारी हत्याकांड की सीबीआई जांच एवं दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग को लेकर आंदोलन संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में बेटी अंकिता भंडारी को पूर्ण न्याय दिलवाने व इस प्रकरण की निष्पक्ष जांच उच्चतम न्यायालय कि निगरानी में करवाने की मांग को लेकर नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य के नेतृत्व में आज सांय 5 बजे मल्लीताल स्थित पंत पार्क से तल्लीताल गांधी चौक तक कैंडल मार्च निकाला जाएगा।

नितिन की मौत पर घर पर रोती बिलखती मां व अन्य परिजन। ● अमृत विचार

आरोपी पार्षद के घर की जांच को पहुंची पुलिस टीम। ● अमृत विचार

गोलियों से छलनी हो गया नितिन का लीवर व दिल

नितिन की पीठ पर छर्रों के जख्म गिनते-गिनते थके चिकित्सक, सभी अंदरुनी अंगों पर थे छर्रों के निशान

सर्वेश तिवारी, अमृत विचार

नितिन लोहनी (फाइल फोटो), नितिन की पीठ में लगे गोली के छर्रे गिनते चिकित्सक और हत्या का आरोपी अमित बिष्ट उर्फ चिंटू।

हल्द्वानी : भाजपा के मंडल अध्यक्ष और वार्ड 55 के पार्षद अमित के सिर पर खून सवार था। उसकी पौनिया से निकली गोली ने नितिन के शरीर को छलनी कर दिया था। नितिन के शरीर पर इतने छेद थे कि जिन्हें गिन पाना मुश्किल हो रहा था। शरीर के अंदर मौजूद लगभग हर अंग छलनी हो चुका था। नितिन के बदन को जिसने भी देखा, उसकी रूह कांप गई। माना जा रहा है कि पौनिया (शॉट गन) से निकली गोली ने नितिन के शरीर पर सौ से ज्यादा छेद कर दिए थे।

घटना के बाद पुलिस ने बुरी तरह घायल नितिन को एसटीएच पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जिसके बाद पुलिस नितिन के जजफार्म स्थित आवास पहुंची। नितिन की मां सीमा दरवाजे पर आई तो बताया कि नितिन को चोट लगी है, पिता कैलाश चंद्र लोहनी को अपने साथ अस्पताल ले गई। जहां उन्हें घटना के बारे में बताया और कहाकि उनके बेटे की मौत हो चुकी है। पिता ने बेटे की शिनाख्त की। सोमवार सुबह नितिन के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। पोस्टमार्टम के लिए दो चिकित्सक पहुंचे। उन्होंने पोस्टमार्टम से पहले शव का एक्सरे कराने के लिए कहा। शव को फिर से एसटीएच भेजा गया। करीब डेढ़ घंटे बाद एक्सरे कर शव को फिर से पोस्टमार्टम हाउस भेजा गया। नितिन की पीठ पर यहां ढेरों छेद थे, जिन्हें गिना गया तो संख्या सौ से अधिक निकली। चिकित्सकों का कहना है कि गोली से निकले छर्रों ने न सिर्फ जिस्म बल्कि नितिन के दिल, गुर्दे, लिवर और किडनी की छलनी कर दिया है। शरीर के अंदर ऐसा कोई अंग नहीं बचा, जो गोली के छर्रों से छलनी न हुआ हो।

12 बजे के बाद रविवार की रात को दिया वारदात को अंजाम

01 सौ से ज्यादा जख्म मिले मृतक नितिन की पीठ पर

25 मीटर दूर से अमित पर झोंके थे दो फायर

हल्द्वानी : इस पूरे मामले में फॉरेंसिक जांच कर रही है। टीम ने घर से उस स्थान की दूरी नापी है, जहां नितिन गिरा मिला। इसके अलावा नितिन के शरीर की जांच भी फॉरेंसिक टीम ने की है। नितिन के शरीर पर मौजूद घाव इस बात की तस्दीक करते कि उसे कितनी दूरी से और कितनी गोली मारी गई होगी। एक्सपर्ट का कहना है कि पौनिया यानी शॉटगन में आमतौर पर 12 बोर (गोली) का इस्तेमाल होता है। इसकी गोली में छर्रे भरे होते हैं। 5 से10 फीट से गोली चले तो शरीर पर एक बड़ा प्रवेश घाव दिखाई दे सकता है। 10 से 25 फीट पर गोली चलने पर छर्रे फैल जाते हैं और शरीर पर कई छोटे-छोटे छेद दिखाई देते हैं, जिनकी संख्या 10-20 या अधिक हो सकती है। यानी दूरी जितनी ज्यादा, छेद उतने ज्यादा और फैले हुए होते हैं। अब नितिन के शरीर पर लगभग सौ से अधिक छेद हैं, ऐसे में यह अनुमान लगाया जा रहा है कि नितिन पर दो या दो से अधिक बार गोली चलाई गई होगी।

संयम नहीं तो राजनीति में रहने का अधिकार नहीं

हल्द्वानी : हत्या की वारदात में भाजपा नेता अमित बिष्ट उर्फ चिंटू का नाम सामने आने के बाद विपक्ष हमलावर हो गया है। घटना के कुछ घंटों बाद ही पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने अपनी फेसबुक वॉल पर एक पोस्ट अपलोड कर राज्य सरकार को निशाने पर लिया। पोस्ट में उन्होंने लिखा, जज फॉर्म हल्द्वानी निवासी नितिन लोहनी की गोली मारकर हत्या अत्यंत गंभीर चिंता का विषय है। राजनीतिक व्यक्ति यदि संयम नहीं रख सकते तो ऐसे लोगों को राजनीति में रहने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति निरंतर चिंताजनक होती जा रही है और अधिकांश ऐसे मामलों में भाजपा से जुड़े लोगों के नाम सामने आ रहे हैं। भगवान, दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें एवं उनके परिजनों को इस असहनीय दु:ख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

चिंटू के लिए धरने पर बैठने वाले विधायक के खिलाफ गुस्सा

हल्द्वानी : नितिन की हत्या के बाद रात ही लोगों का अस्पताल में जुटना शुरू हो गया था। भीमताल के विधायक राम सिंह कैड़ा और नितिन एक ही कैड़ा गांव के हैं और नितिन के पिता राम सिंह कैड़ा के जजमान भी हैं। विधायक कैड़ा और सुमित हृदयेश भी भी पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे। दिन चढ़ने के साथ पोस्टमार्टम हाउस लोगों से खचाखच भर गया। लोग उस घटना को याद कर रहे थे, जब हत्यारोपी अमित उर्फ चिंटू का एक मारपीट का वीडियो वायरल हुआ था। कोतवाली पुलिस ने अमित को हिरासत में ले लिया था। इसके खिलाफ अगली सुबह विधायक बंशीधर भगत कोतवाली के बाहर सड़क पर धरने पर बैठ गए थे। पुलिस को बैकफुट पर आना पड़ा और अमित को छोड़ना पड़ा। पोस्टमार्टम हाउस में लोग कह रहे थे कि अगर विधायक ने उस दिन अमित का साथ न दिया होता तो आज यह नौबत न आती। लोगों में इसका गुस्सा दिखाई दिया।

दरम्वाल गैंग से दुश्मनी सुलह को गए थे युवक

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : हत्या की इस सनसनीखेज वारदात के तार दरम्वाल गैंग से जुड़ते नजर आ रहे हैं। यह दरम्वाल गैंग राजनीतिक संरक्षण प्राप्त है क्योंकि गोली चलाने से पहले अमित उर्फ चिंटू ने दरम्वाल गैंग का नाम लिया था और फिर ताबड़तोड़ फायर झोंक दिए।

सूत्रों का कहना है कि नितिन और पार्षद अमित का पुत्र जय दोस्त हैं। जबकि कम उम्र होने के बावजूद कमल और पार्षद अमित में दोस्ती है लेकिन कमल की दरम्वाल गैंग से ज्यादा करीबियां हैं। बताया जाता है कि किसी बात को लेकर पार्षद पुत्र जय और दरम्वाल गैंग के लीडर के परिवार से जुड़े युवक के बीच दुश्मनी हो गई थी। यह युवक सीधे तौर पर कमल के संपर्क में था। रविवार को जब नितिन और कमल पार्टी में थे, तभी कमल ने इस दुश्मनी की चर्चा नितिन से की। इसके साथ ही उससे यह भी कहा कि किसी तरह दोनों के बीच सुलह करानी है और सबसे पहले यह जानना है कि आखिर दोनों के बीच दुश्मनी की वजह क्या है। पार्टी से फ्री होने के बाद नितिन ने जय को फोन किया और इसी मसले को लेकर मिलने की इच्छा जाहिर की। नितिन और कमल, अमित के घर पहुंचे। कमल ने डोर बेल बजाई। इसी बीच अमित और जय बालकनी पर आए और आते ही अमित ने कहा कि दरम्वाल गैंग से हो और एक के बाद एक दो फायर झोंक दिए। गोलियां चलते ही कमल एसटीएच की ओर पैदल भागा, जबकि नितिन स्कूटी से। हालांकि नितिन ज्यादा दूर भाग नहीं पाया। अमित ने पीछे से उस पर फायर झोंका। जान बचाकर भाग रहे कमल ने जब नितिन को गिरते देखा तो वापस लौटा तो लेकिन आरोपी ने उस पर असलहा तान दिया। कमल घबरा कर वहां से भागा और फोन पर पुलिस को सूचना दी।

कमल भंडारी, चश्मदीद।

हत्या की वारदात को बनाया हमले का षड्यंत्र

नितिन को बेरहमी से मौत के घाट उतारने वाले अमित ने खुद को बचाने के लिए पूरी घटना का रुख मोड़ने का प्रयास किया, लेकिन वह इसमें कामयाब नहीं हो पाया। पुलिस के मुताबिक, नितिन को अमित की तीसरी गोली से मरा। इसके बाद अमित लौट कर अपने घर पहुंचा और घर के बाहर से ही अपनी घर की खिड़की पर फायर झोंका। इस फायर से खिड़की की चौखट का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। अमित ने अपने घर में लगे सीसीटीवी की डीवीआर से भी छेड़छाड़ की। इसके बाद उसने खुद पुलिस को फोन किया और बताया कि कुछ लोग उसके घर पहुंचे और उन पर गोलियां चलाईं। उन्होंने भी जवाबी फायर किया और इस फायरिंग में एक युवक को गोली लगी है। पुलिस मौके पर पहुंची तो प्राथमिक जांच की तो अमित की कहानी में झोल नजर आया। जिसके बाद उसे और उसके पुत्र जय को हिरासत में ले लिया गया।

पार्षद बिष्ट की खिड़की पर लगी गोली का निशान देखते पुलिस अधिकारी।

आरोपी को मेरा कोई संरक्षण नहीं

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : कालाढूंगी विधायक बंशीधर भगत ने हल्द्वानी क्षेत्र में जो अत्यंत क्रूर और हृदयविदारक आपराधिक घटना घटी है जिसमें एक मासूम नौजवान की निर्मम हत्या की गई है , उसकी कठोरतम शब्दों में निंदा की है। उन्होंने कहा कि यह केवल एक अपराध नहीं, बल्कि पूरे समाज के चेहरे पर एक गहरा घाव है। मैं मृतक के परिजनों के प्रति गहन संवेदना और शोक व्यक्त करता हूं। विधायक ने कहा कि इस दुखद घटना के बाद कुछ लोग जानबूझकर अफवाहें फैला रहे हैं और भ्रम पैदा करने का घिनौना प्रयास कर रहे हैं कि आरोपी को मेरे द्वारा किसी प्रकार का संरक्षण प्राप्त था। मैं इस झूठ को पूरी ताकत और स्पष्टता के साथ खारिज करता हूं। मैंने अपने पूरे राजनीतिक जीवन में कभी भी किसी अपराधी का साथ नहीं दिया, न संरक्षण दिया और न कभी दूंगा । मेरे राजनीतिक शैली ऐसी कभी नहीं रही कि मैं अपराधियों , दबंगों , एवं गुंडे बदमाशों का सरपरस्त बनूं । जिस पुराने प्रकरण को गलत तरीके से इस घटना से जोड़ा जा रहा है, वह पूरी तरह अलग परिस्थिति थी। उस समय दोनों पक्षों के बीच आपसी समझौता हो चुका था। फिर भी संबंधित व्यक्ति को लंबे समय तक हिरासत में रखा गया। एक जनप्रतिनिधि के रूप में मैंने केवल कानून सम्मत प्रक्रिया का पालन किया प मानवीय आधार पर कार्यकर्ता होने के नाते अपनी जिम्मेदारी निभाई। किसी अपराधी को बचाने या संरक्षण देने का मेरा कभी कोई इरादा नहीं रहा।

पूरे प्रदेश में बना हुआ है हिंसा का माहौल: सुमित

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: हल्द्वानी में भाजपा के एक पार्षद ने एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी। इसके बाद से शहर में माहौल गर्म है। विधायक सुमित हृदयेश ने उक्त मामले में चिंता जाहिर की है और उन्होंने कहा कि पूरे प्रदेश में ही हिंसा का माहौल हो रहा है।

आवास पर हुई पत्रकार वार्ता में उन्होंने कहा कि जिला पंचायत के चुनाव के दौरान भारी हिंसा हुई। सबकी आंखों के सामने लोकतंत्र को कुचल दिया गया। अंकिता भंडारी के साथ जघन्य अपराध हुआ और बिटिया को न्याय दिलाने के लिए आम जनता सड़क पर उतर आई है। कैबिनेट मंत्री रेखा आर्य के पति गिरधारी लाह साहू बिहार की बेटियां के रेट बता रहे हैं। उनका बयान जितना निंदनीय है उतना ही अफसोस जनक भी है। यही नहीं मध्य प्रदेश में सीवर का पानी पीने से कई लोग मर गए और वहां के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय इस पर पूछे गए सवाल को घंटा बता रहे हैं। अब हल्द्वानी में एक 22 वर्षीय युवक की भाजपा पार्षद ने जान ले ली। उसके पिता पुरोहित हैं, लोगों की मंगल-कामना के लिए पूजा करते हैं। अब जनता को सोचना होगा कि यह समाज किस और जा रहा है। भाजपा का चरित्र सामने आ रहा है। लगता है कोई नैतिकता, मापदंड बचा ही नहीं है।

पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे विधायक सुमित हृदयेश। ● अमृत विचार

विधायक के धरने से बढ़े आरोपी के हौसले

विधायक सुमित ने कहा कि इसी आरोपी पार्षद के समर्थन में कालाढूंगी विधायक ने पिछले दिनों कोतवाली में धरना दिया था। यह ठीक है कि आरोपी भाजपा नेता है और इसलिए विधायक भगत को उसके समर्थन में आना पड़ा लेकिन यह भी देखने वाली बात है कि कहीं इस भाजपा पार्षद का इसी वजह से तो हौसला नहीं बढ़ा है। मैं तो अब जनता से पूछना चाहता हूं कि कितना समय आप इस रावण राज को देंगे।

शनि बाजार रोड पर दो अतिक्रमण ध्वस्त किए

शनि बाजार रोड में अतिक्रमण ध्वस्त करती नगर निगम की जेसीबी। ● अमृत विचार

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : नगर निगम ने सोमवार को शनि बाजार रोड पर दो अतिक्रमण ध्वस्त किया। शनि बाजार रोड में ट्रांसफार्मर के पास स्थित इन भवनों में गायों को बांधा गया था।

शनि बाजार रोड में यूयूएसडीए की ओर से नाले का निर्माण किया जाना है, जिसमें अतिक्रमण बाधा बना हुआ है। निर्माण शुरू किए जाने के लिए कुल 59 नोटिस दिए हैं, जिसमें लोगों से स्वयं अतिक्रमण हटाने के लिए कहा गया है। नोटिस देने के बाद से अभी तक किसी ने भी अतिक्रमण नहीं हटाया है। इस पर निगम ने कार्रवाई शुरू करते हुए दो अवैध निर्माण ध्वस्त किए। सहायक नगर आयुक्त गणेश भट्ट ने बताया कि पहले दिन दो निर्माण तोड़े गए हैं। उन्होंने कहा कि लोगों को स्वयं अतिक्रमण हटाने की चेतावनी दी गई है। यदि शेष अवैध निर्माण लोगों की ओर से स्वयं नहीं हटाए गए तो उन्हें भी ध्वस्त किया जाएगा। इस दौरान सिटी मजिस्ट्रेट गोपाल सिंह चौहान, एसडीएम राहुल शाह, मुख्य सफाई निरीक्षक अमोल असवाल रहे।

3 हजार वर्ग फीट नजूल भूमि पर निगम का कब्जा

हल्द्वानी : नगर निगम की टीम ने काठगोदाम क्षेत्र की नई बस्ती में नजूल भूमि पर कब्जा लिया है। यह भूमि लगभग 3 हजार वर्ग फीट क्षेत्रफल की है। टीम ने सोमवार को मौके पर पहुंचकर जरुरी औपचारिकताएं पूरी की और भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कर निगम के अधीन में लिया। भविष्य में भी नगर निगम क्षेत्र में अवैध कब्जों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

चोपड़ा में ग्राम विहार परियोजना हुई शुरू

नैनीताल: ज्योलीकोट के चोपड़ा में राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) की ओर से संचालित ग्राम विहार परियोजना का शुभारंभ नाबार्ड के मुख्य महाप्रबंधक पंकज यादव ने किया। इसका उद्देश्य ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देकर महिला स्वयं सहायता समूहों एवं होमस्टे संचालकों की आजीविका सुदृढ़ करना है। कार्यक्रम में नाबार्ड के डीडीएम मुकेश बेलवाल, नैनीताल डिस्ट्रिक्ट कोऑपरेटिव बैंक के जीएम आरएस रैना, उत्तराखंड ग्रामीण बैंक के आरएम कृष्णा कुमार आदि रहे।

निजी बसों से आ रहे जीएसटी चोरी के माल पर रोक लगाने की मांग

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : नेशनल ह्यूमन राइट्स एंड एंटी करप्शन फोर्स ने परिवहन विभाग को ज्ञापन सौंपकर निजी बसों में जीएसटी चोरी का सामान ढोने की शिकायत की है।

फोर्स के प्रदेश महासचिव शत्रुघन पांडे डिंपल ने आरटीओ प्रवर्तन को ज्ञापन सौंपकर कहा कि दिल्ली, उप्र व हरियाणा से कई कंपनियों की निजी बसें संचालित होती हैं। इन बसों में भारी मात्रा में जीएसटी चोरी का सामान कपड़े-जूते, कॉस्मैटिक का सामान, गुटखा, सिगरेट व तंबाकू उत्पाद लाए जा रहे हैं। देर रात या तड़के गौलापार हाईवे, मंडी बाईपास, रोडवेज के समीप पुस्कालय, गांधी स्कूल बाईपास, देवलचौड़ चौक समेत कई स्थानों पर माल उतारा जाता है। नियमानुसार सवारी बसों में सिर्फ यात्रियों का ही सामान ढोया जा सकता है न कि माल ढोया जाता है। जीएसटी चोरी का माल तो बिल्कुल भी नहीं लाया जा सकता है। इससे जीएसटी चोरी का माल लाने से राजस्व की हानि हो रही है। आरोप लगाया कि राज्य कर विभाग व परिवहन विभाग की ओर से इन निजी बस ऑपरेटरों पर कोई कार्यवाही नहीं होना मिलीभगत का भी अंदेशा जताती है। उन्होंने आरटीओ से निजी बसों की चेकिंग, जीएसटी चोरी का माल लाने वाले बसों के चालक व परिचालक के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाए। चेतावनी दी कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन होगा।

शीशमहल में आयोजित कथा के दौरान मौजूद व्यास व अन्य। ● अमृत विचार

सुंदर कांड पाठ व राम कथा का समापन आज

हल्द्वानी, अमृत विचार : शीशमहल स्थित एक बैंक्वट हॉल में सुंदर कांड पाठ और राम कथा का आयोजन किया जा रहा है। जिसका समापन आज (मंगलवार) भंडारे के साथ होगा। बीते 25 दिसंबर से चल रहे सुंदर कांड पाठ और राम कथा में प्रतिदिन मूलपाठ, राम कथा प्रवचन और आरती हो रही है। समापन कार्यक्रम में पूर्णाहुति और व्यास पूजा होगी। इसके बाद दोपहर 1 बजे बाद भंडारा प्रसाद वितरण होगा। आयोजक हनुमान महाराज ने सभी शहरवासियों से समापन कार्यक्रम में बढ़-चढ़ कर प्रतिभाग करने के लिए कहा है।

गाय पर की अभद्र टिप्पणी मुख्य अतिथि पर मुकदमा

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : उत्तराखंड मुक्त विश्व विद्यालय में गांधी जयंती पर गाय पर टिप्पणी पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है

पुलिस को दी तहरीर में गौ सेवक जोगेंद्र सिंह राणा ने लिखा, बीते वर्ष गांधी जयंती के अवसर पर उत्तराखंड मुक्त विश्व विद्यालय (यूओयू) में महात्मा गांधी को लेकर कार्यक्रम हुआ था। इसमें कुलपति ने मुख्य अतिथि के रूप में इस्लाम हुसैन को बुलाया। इस्लाम हुसैन ने अपने संबोधन में गौ माता को लेकर विद्यार्थी और वहां पर मौजूद लोगों के सम्मुख आपत्तिजनक संबोधन दिया। भगवान राम को भी आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया। महापुरुष वीर सावरकर मांसाहारी बताया गया। डॉ. भीमराव अम्बेडकर के बारे में भी अशोभनीय बातें कहीं। कोतवाल विजय मेहता ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

मिक्चर ट्रक ने किशोर को कुचला, मौत

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

इसी मिक्चर ट्रक के नीचे कुचला गया किशोर। ● अमृत विचार

अमृत विचार : सड़क पर बने सीवर लाइन के गड्ढे से बचने के चक्कर में बाइक गिर गई और किशोर सामने से आ रहे मिक्चर ट्रक के नीचे आ गया। किशोर की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि उसका बड़ा भाई घायल हो गया। घटना के बाद मिक्चर ट्रक का चालक मौके से फरार हो गया।

पुलिस के मुताबिक, मूलरूप से रायपुर टांडा बरेली निवासी गौरीलाल मुखानी के जगदंबानगर स्थित पनचक्की गली में परिवार के साथ रहते हैं और बंटाईदारी का काम करते हैं। सोमवार शाम को गौरीलाल का 13 वर्षीय बेटा अर्जुन सिलेंडर लेकर बड़े भाई के साथ मुखानी चौराहे से जगदंबा नगर की ओर जा रहा था। बाइक बड़ा भाई चला रहा था और अर्जुन को लेकर बीच में बैठा था। दोनों अभी जगदंबानगर स्थित शिव मंदिर के पास पहुंचे थे कि तभी सड़क पर खोदे गए सीवर लाइन का गड्ढा सामने आ गया। गड्ढे से बचने के चक्कर में बाइक अनियंत्रित हो गई और दोनों भाई सड़क पर गिर गए। इससे पहले ही अर्जुन संभल पाता, सामने आ रहे मिक्चर ट्रक ने कुचल दिया। घटना के बाद चालक ट्रक छोड़कर फरार हो गया। घटना के बाद मौके पर जाम लग गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को सड़क से हटाकर पोस्टमार्टम हाउस भेजा जबकि घायल को उपचार के लिए एसटीएच भेजा। कोतवाल विजय मेहता ने बताया कि मिक्चर ट्रक को कब्जे में लेकर शव को मॉर्चरी भेज दिया है। फरार ट्रक चालक की तलाश की जा रही है।

अमृत विचार

हल्द्वानी , मंगलवार,6 जनवरी 2026

नैनीताल

सिटी ब्रीफ

मनोविज्ञान प्रयोगात्मक परीक्षा 8 जनवरी को

रामनगर : पीएनजी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रामनगर में बीए प्रथम सेमेस्टर मनोविज्ञान विषय की प्रायोगिक परीक्षा दिनांक 8 जनवरी को मनोविज्ञान विभाग में संचालित की जाएगी। विभाग प्रभारी डॉ. कुसुम गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि समस्त परीक्षार्थियों को आवश्यक सामग्री एवं प्रवेश पत्र सहित परीक्षा तिथि को प्रातः 09:30 बजे मनोविज्ञान विभाग में अनिवार्य रूप से उपस्थित होना होगा।

कार की टक्कर से स्कूटी चालक घायल

नैनीताल : शहर के पाइंस क्षेत्र के समीप सोमवार को भवाली रोड पर दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार कार ने स्कूटी सवार को टक्कर मार दी, जिससे स्कूटी चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद कार चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। घायल स्कूटी चालक की पहचान श्यामखेत, भवाली निवासी सुनील कुमार के रूप में हुई है। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि सुनील कुमार सड़क पर गिर पड़े और उन्हें गंभीर चोटें आईं। लोगों ने तुरंत घटना की सूचना पुलिस को दी और घायल को एंबुलेंस से बीडी पांडे अस्पताल, नैनीताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने घायल की गंभीर स्थिति देखते हुए उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया। थानाध्यक्ष मनोज नयाल ने बताया कि कार चालक की तलाश की जा रही है।

रामनगर में बाघिन को ट्रेंकुलाइज कर पकड़ा

रविवार देर शाम कोटा रेंज के पाटकोट क्षेत्र भलोन गांव में बाघिन ने मजदूर को हमला कर मार डाला था

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार : रामनगर वन प्रभाग में रविवार देर शाम कोटा रेंज के पाटकोट क्षेत्र भलोन गांव में एक बाघिन ने पाइप लाइन बिछाने के दौरान मजदूर पर हमला कर उसे मौत के घाट उतार दिया था। घटना की जानकारी मिलते ही वन विभाग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए महज तीन घंटे के भीतर बाघिन को ट्रेंकुलाइज कर सुरक्षित रेस्क्यू कर ढेला रेस्क्यू सेंटर भेज दिया।

बाघ के हमले में मारे गए श्रमिक की पहचान अभिमन्यु कुमार (30) पुत्र भगेलू साह, निवासी जोकटिया, थाना मझौलिया, जिला बेतिया (बिहार) के रूप में हुई। इस हमले ने क्षेत्र में भय और चिंता बढ़ा दी। घटना की सूचना मिलते ही डीएफओ ध्रुव मर्तोलिया के निर्देशन में तीन रेंज की संयुक्त टीम, वेटरनरी डॉक्टर और क्विक रिस्पांस टीम (क्यूआरटी) घटनास्थल पर रवाना हुई। टीम ने रात करीब 11:30 बजे बाघिन को सफलतापूर्वक ट्रेंकुलाइज किया।

डीएफओ ध्रुव मर्तोलिया ने बताया कि ट्रेंकुलाइज करने के बाद बाघ को रेस्क्यू वैन से ढेला स्थित रेस्क्यू सेंटर भेजा जा गया है। उन्होंने कहा कि टीम ने पूरी सावधानी और सुरक्षा मानकों के तहत यह रेस्क्यू ऑपरेशन पूरा किया।

एक सप्ताह के भीतर बाघ के हमले की तीसरी घटना: उत्तराखंड में पिछले सप्ताह बाघ के हमलों की यह तीसरी घटना है। इससे पहले टोटाम के क्यारी गांव और सांवले क्षेत्र में बाघ के हमलों में दो महिलाओं की जान जा चुकी है।

रामनगर में बाघिन को रेस्क्यू करने वाली वन कर्मियों की टीम। ● अमृत विचार

रामनगर में पकड़ी गई बाघिन। ● अमृत विचार

ढेला रेस्क्यू सेंटर भेजी गई बाघिन

ट्रेंकुलाइज करने के बाद बाघिन को रेस्क्यू वैन में सुरक्षित रखा गया और ढेला रेस्क्यू सेंटर भेजा गया। क्यारी रिजर्व के वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. दुष्यंत शर्मा ने बताया कि पकड़ी गई बाघिन मादा है, जिसकी उम्र लगभग 2–2.5 वर्ष है। वह पूरी तरह स्वस्थ है और फिलहाल निगरानी में रहेगी। वन विभाग ने बताया कि ऑपरेशन के दौरान पूरी सावधानी और सुरक्षा मानकों का पालन किया गया।

शीत ऋतु में वन्यजीव अधिक हिंसक

वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार शीत ऋतु में वन्यजीव अधिक सक्रिय और हिंसक हो जाते हैं। ग्रामीणों को जंगल और जुगल के किनारे जाने से बचने की चेतावनी दी जा रही है। वन क्षेत्राधिकारी शेखर तिवारी ने कहा कि गांव-गांव में जागरूकता कार्यक्रम चलाकर लोगों को वन्यजीवों के प्रति सतर्क किया जा रहा है।

विभाग ने गुलदार को पकड़ने के लिए पिंजरा लगाया

रामनगर : वन विभाग ने हाल ही में वन्यजीवों और ग्रामीणों की सुरक्षा के मद्देनजर एक गुलदार पकड़ने के लिए पिंजरा स्थापित किया है। यह कार्रवाई उस क्षेत्र में लगातार गुलदार के दिखने और पशुओं पर हमले की शिकायतों के बाद की गई। वन विभाग के अधिकारी ने बताया कि पिंजरे को ऐसे स्थान पर रखा गया है, जहां गुलदार के गतिविधियों की जानकारी मिली थी। पिंजरे में भोजन रखा गया है ताकि गुलदार को सुरक्षित तरीके से पकड़कर उसे जंगल में छोड़ दिया जा सके। विभाग ने ग्रामीणों से अपील की है कि वे जंगल के निकट असावधानी न बरतें और वन विभाग को सूचित करें यदि गुलदार दिखाई दे। इस प्रयास का उद्देश्य मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करना और दोनों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। पिंजरे की निगरानी वन विभाग की टीम कर रही है और जैसे ही गुलदार उसमें प्रवेश करेगा, उसे पकड़कर जंगल के सुरक्षित क्षेत्र में छोड़ दिया जाएगा। वन विभाग ने कहा कि ऐसी कार्रवाइयां जंगल के जैविक संतुलन को बनाए रखने के साथ-साथ ग्रामीणों की सुरक्षा के लिए जरूरी हैं।

मृतक अभिमन्यु।

जंगलिया गांव में वन विभाग ने पिंजरे में कैद किए बंदर

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचार: ग्राम पंचायत जंगलिया के तोक़ तोक खोपटा कान में वन विभाग ने पिंजरा लगाकर दो दर्जन से अधिक बंदरों को पकड़कर रेस्क्यू सेंटर रानी बाग भेजा। यह कार्रवाई ग्रामीणों की सुरक्षा और खेती-बाड़ी को नुकसान पहुंचाने वाले बंदरों के आतंक को रोकने के लिए की गई।

ग्रामीणों ने बताया कि बंदर खेती-बाड़ी तो नष्ट कर ही रहे थे, साथ ही घरों में घुसकर रसोई की खाद्य सामग्री भी नुकसान पहुंचा रहे थे। गत दिनों चौपाल कार्यक्रम में ग्रामीणों ने इस समस्या को अपर जिलाधिकारी शैलेंद्र सिंह नेगी के समक्ष उठाया था। इसके बाद ग्राम प्रधान राधा कुल्याल ने वन विभाग से लगातार पिंजरा लगाने की मांग की। वन विभाग ने ग्रामीणों की मदद से एक-दो दिनों तक पिंजरा लगाकर बंदरों को पकड़ा और उन्हें रेस्क्यू सेंटर भेजा। इस दौरान नवीन चंद्र, सुरेश चंद्र, पलड़िया सहित कई ग्रामीणों ने भी सहयोग किया।

वन विभाग ने बताया कि इस तरह की कार्रवाई से न केवल ग्रामीणों की खेती-बाड़ी और घरों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी, बल्कि बंदरों को भी सुरक्षित तरीके से वन्य जीवन में छोड़ा जाएगा।

जंगलिया गांव में पिंजरा लगाकर बंदरों को कैद करते वन कर्मी। ● अमृत विचार

बाघ को पकड़ने के लिए ग्रामीणों ने रामनगर वन चौकी पर दिया धरना

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: सांवल्दे क्षेत्र में बाघ के लगातार हमलों से परेशान ग्रामीणों ने रामनगर वन चौकी के सामने धरना प्रदर्शन किया। धरने में ग्रामीणों ने कॉर्बेट प्रशासन पर नाराजगी जताई और कहा कि कॉर्बेट क्षेत्र में बाघों की संख्या अत्यधिक बढ़ चुकी है, जिससे कमजोर बाघ गांव की ओर आकर आसानी से शिकार कर रहे हैं।

वक्ताओं ने बताया कि चार दिन बीत जाने के बावजूद हमलावर बाघ को पकड़ने में प्रशासन विफल रहा है। इस कारण गांव में लोगों के बीच डर और दहशत का माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों ने कहा कि अधिकारियों की ओर से कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी जा रही है, जिससे उनका रोष और बढ़ गया है।

वन चौकी पर धरना देते ग्रामीण। ● अमृत विचार

धरने में ग्राम प्रधान बालम, तारा बेलवाल, सरस्वती जोशी, अंजू, मुनीष कुमार, ललित उप्रेती और कौशल्या सहित कई ग्रामीण मौजूद थे। महेश जोशी ने मांग की कि मृतक महिला के परिवार को 25 लाख रुपये का मुआवजा दिया जाए और बाघों के आतंक को रोकने के लिए सरकार को ठोस नीति बनानी चाहिए। ग्रामीणों ने सभी लोगों से अपील की कि 7 जनवरी को सांवल्दे पश्चिम में आयोजित बैठक में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित हों।

ग्रामीणों का कहना है कि बाघों के हमलों को रोकने के लिए प्रशासनिक सतर्कता और तत्काल कार्रवाई जरूरी है।

मानव–वन्य जीव संघर्ष रोकने पर जोर

रामनगर : रामनगर के जुड़का वन परिसर में मानव–वन्य जीव संघर्ष पर गोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें तराई पश्चिमी वन प्रभाग, रामनगर के अधिकारी, वन कर्मचारी और वन क्षेत्र से सटे ग्रामीणों ने भाग लिया।

गोष्ठी की अध्यक्षता प्रभागीय वनाधिकारी डीएफओ प्रकाश चन्द्र आर्या ने की। उन्होंने मानव और वन्य जीवों के बीच बढ़ते संघर्ष को कम करने के लिए विभाग द्वारा किए जा रहे उपायों पर चर्चा की। वन विभाग ने ग्रामीणों से अपील की कि किसी भी मानव–वन्य जीव संघर्ष की घटना की सूचना तुरंत नजदीकी वन चौकी या अधिकारियों को दें, ताकि समय रहते सुरक्षा और राहत कार्यवाही की जा सके। गोष्ठी में उप प्रभागीय वनाधिकारी किरण शाह, रेंजर डीएन सुनाल, वन दरोगा वीरेंद्र प्रसाद पांडे, प्रमोद कुमार पंत, मो. इमरान, तारिक हमीद रहे।

पार्किंग वसूली के खिलाफ किया प्रदर्शन

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: रामनगर में पर्वतीय क्षेत्रों से आने वाले टैक्सी और प्राइवेट वाहन चालकों ने नगर पालिका प्रशासन और प्रदेश सरकार के खिलाफ पार्किंग वसूली के विरोध में प्रदर्शन किया। सोमवार को तहसील परिसर में पूर्व जिला पंचायत सदस्य नारायण सिंह रावत के नेतृत्व में दर्जनों वाहन चालकों ने नगर पालिका के ठेकेदार और उसके कर्मचारियों द्वारा पार्किंग के नाम पर की जा रही अवैध वसूली एवं अभद्रता के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

नारायण सिंह रावत ने बताया कि दो माह पूर्व भी वाहन चालकों ने इस मामले में विरोध दर्ज कराया था। उनका आरोप है कि पार्किंग शुल्क न देने पर ठेकेदार के कर्मचारी वाहन चालकों और स्वामियों के साथ अभद्र व्यवहार और मारपीट करते हैं। उन्होंने कहा कि शहर में पार्किंग की कोई वैधानिक व्यवस्था नहीं होने के बावजूद नगर पालिका द्वारा वाहन चालकों से वसूली की जा रही है, जो पूरी तरह नियम विरुद्ध है।

पूर्व में एसडीएम ने नगर पालिका प्रशासन को निर्देश दिए थे कि पार्किंग शुल्कों की वसूली को सही ढंग से लागू किया जाए और अवैध वसूली बंद हो। लेकिन, वाहन चालकों का कहना है कि आदेश के बाद भी जबरन शुल्क लिया जा रहा है। नारायण सिंह रावत ने कहा कि यदि इस पर तुरंत रोक नहीं लगाई गई तो चक्का जाम जैसी कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

एसडीएम प्रमोद कुमार ने बताया कि नगर पालिका अधिशासी अधिकारी से वार्ता कर समस्या का समाधान निकाला जाएगा। उन्होंने कहा कि यदि ठेकेदार या कर्मचारी द्वारा अभद्र व्यवहार या अवैध वसूली की पुष्टि होती है, तो नियम अनुसार कार्रवाई की जाएगी। प्रदर्शन में क्षेत्र पंचायत सदस्य रंजीत सिंह रावत, रतन वर्मा, पप्पू बिष्ट, तारा सिंह, दीवान सिंह, संतोष कुमार, भुप्पी आर्य, पंकज बोहरा, दलीप सिंह सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

रामनगर में एसडीएम को ज्ञापन सौंपते वाहन स्वामी। ● अमृत विचार

जोशी बने इंडियन पब्लिक स्कूल्स कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचार: उत्तराखंड के लिए गर्व का विषय है कि श्यामखेत निवासी और राजस्थान के प्रतिष्ठित एलके सिंघानिया एजुकेशन सेंटर, गोटन के प्राचार्य आरसी जोशी को इंडियन पब्लिक स्कूल्स कॉन्फ्रेंस (आईपीएससी) का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उनकी इस उपलब्धि से न केवल विद्यालय, बल्कि पूरे उत्तराखंड राज्य में हर्ष की लहर है।

आईपीएससी देशभर में फैले लगभग 80 प्रतिष्ठित पब्लिक स्कूलों का राष्ट्रीय संगठन है, जिनमें कई विद्यालय 150 वर्ष से अधिक की शैक्षणिक परंपरा रखते हैं। ऐसे प्रतिष्ठित मंच पर आरसी जोशी को अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपा जाना उत्तराखंड के लिए अत्यंत गौरवपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है। प्राचार्य आरसी जोशी का जन्म उत्तराखंड में भवाली के समीप श्यामखेत में हुआ। वे शिक्षा के क्षेत्र में लंबे समय से सक्रिय हैं और अपने नवाचार व नेतृत्व क्षमता के लिए पहचाने जाते हैं। उन्होंने सीबीएसई की कक्षा 11वीं और 12वीं के लिए अर्थशास्त्र विषय की माइक्रो और मैक्रो इकोनॉमिक्स की पाठ्यपुस्तकें भी लिखी हैं। विद्यालय की चेयरपर्सन विधि सिंघानिया सहित पालिका अध्यक्ष पंकज आर्य और अन्य गणमान्य लोगों ने उन्हें बधाई व शुभकामनाएं दी हैं।

अंकिता को न्याय के लिए निकाला कैंडल मार्च

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: अंकिता भंडारी हत्याकांड में न्याय की मांग को लेकर रामनगर में बीती रात विभिन्न सामाजिक और राजनीतिक संगठनों ने मशाल जुलूस निकालकर प्रदर्शन किया। यह जुलूस उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारी मंच के आह्वान पर आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं, युवाओं और संगठनों के कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। प्रदर्शनकारियों ने एक स्वर में कहा कि उत्तराखंड की बेटी को न्याय दिलाने तक उनका संघर्ष लगातार जारी रहेगा।

मशाल जुलूस के बाद शहीद पार्क में आयोजित सभा की अध्यक्षता राज्य निर्माण आंदोलनकारी संगठन के संयोजक चंद्रशेखर जोशी ने की, जबकि संचालन उषा पटवाल ने किया। सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने आरोप लगाया कि अंकिता हत्याकांड के मुख्य आरोपियों को सरकार बचाने का प्रयास कर रही है। वक्ताओं ने मामले की सीबीआई जांच कराने और कथित वीआईपी की गिरफ्तारी व पूछताछ की मांग उठाई। उनका कहना था कि जिस वीआईपी के लिए अंकिता पर 'विशेष सेवा' का दबाव बनाया गया, उसके खिलाफ अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। वक्ताओं ने प्रदेश में महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराधों पर चिंता जताते हुए राज्य सरकार की नीतियों की कड़ी आलोचना की। उन्होंने मुख्यमंत्री से नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा देने की मांग भी की। प्रदर्शन में कई संगठनों के प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में महिलाएं व युवा मौजूद रहे।

रामनगर में मशाल जुलूस से पहले प्रदर्शन करते विभिन्न संगठन। ● अमृत विचार

इस मौके पर प्रभात ध्यानी, चंद्रशेखर जोशी,इंद्र सिंह मनराल, राकेश चौहान,अनिल अग्रवाल खुलासा, राजेंद्र खुल्बे, योगेश सती, सभासद नवीन सुनेजा,मो. आसिफ, सुनील पर्नवाल, मुनीष कुमार, गिरीश आर्य, किशन शर्मा, कैलाश पांडे, आनन्द नेगी,रोहित रुहेला, मनमोहन अग्रवाल, भुवन चंद्र, ललिता रावत, सरस्वती जोशी, कौशल्या चुन्याल, उषा पटवाल, तुलसी छिंवाल, गीता आर्य, शारदा देवी, ललिता देवी, रवि कुमार,सुमित कुमार , किरण आर्य, लालमणि,मेघा, लालता प्रसाद श्रीवास्तव, मोहन तिवारी, मुकेश जोशी, विभा श्रीवास्तव, तरुण जोशी,गोपाल लोधियाल, शंकर गोपाल, मोहन कांडपाल, प्रेम सिंह बिष्ट आदि रहे।

कल से 25 जनवरी तक बंद रहेगा बिड़ला मार्ग

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: नैनीताल शहर में सड़क सुधारीकरण कार्य के चलते तल्लीताल से बिड़ला मार्ग पर 7 जनवरी से 25 जनवरी तक यातायात पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। यह जानकारी प्रांतीय खंड लोक निर्माण विभाग (लोनिवि) के सहायक अभियंता तुलाराम टम्टा ने दी।

उन्होंने बताया कि इस अवधि में वेलकम होटल से भोटिया बैंड तक सड़क का व्यापक सुधारीकरण किया जाएगा। कार्य की प्रकृति को देखते हुए सुरक्षा कारणों और तय समय सीमा में काम पूरा करने के उद्देश्य से संबंधित मार्ग को पूर्ण रूप से बंद रखने का निर्णय लिया गया है। सहायक अभियंता ने बताया कि सड़क की हालत लंबे समय से खराब होने के कारण स्थानीय लोगों और पर्यटकों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। अब सड़क की मरम्मत, सतह सुधार और आवश्यक तकनीकी कार्य किए जाएंगे, जिससे भविष्य में यातायात सुगम और सुरक्षित हो सकेगा।

इस दौरान तल्लीताल–बिड़ला मार्ग से आवागमन करने वाले स्थानीय नागरिकों, स्कूली वाहनों और पर्यटकों को वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करने की सलाह दी गई है। प्रशासन और पुलिस विभाग द्वारा यातायात व्यवस्था को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए जाएंगे, ताकि शहर में किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो।

मौसम का मिजाज | दिल्ली, दुबई व अन्य स्थानों से आए पर्यटक बोले–हिमपात देखने की है इच्छा

नैनीताल में बढ़ी ठंड, बर्फबारी का इंतजार

● सरोवर नगरी में मौसम ने फिर बदली करवट

गौरव जोशी, नैनीताल

अमृत विचार: सरोवर नगरी नैनीताल में मौसम ने फिर करवट बदल दी है। सुबह हल्की धूप खिलने के बाद शाम होते-होते ठंडी हवाओं और गिरते तापमान ने पहाड़ों में कड़ाके की ठंड का एहसास करा दिया। मौसम विभाग ने नैनीताल, मुक्तेश्वर और आसपास के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बारिश और बर्फबारी की संभावना जताई है। पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से अगले 24–48 घंटों में मौसम और खराब हो सकता है, जिससे पहाड़ों में बर्फबारी की संभावना बढ़ गई है।

रात के तापमान में गिरावट के साथ ही ऊंचाई वाले क्षेत्रों में पाला जमने लगा है। ठंड से स्थानीय लोगों के साथ-साथ पर्यटकों को भी कठिनाई हो रही है। नए साल के मौके पर नैनीताल घूमने आए पर्यटक बर्फबारी की उम्मीद लगाए बैठे हैं। दिल्ली से आई महिला पर्यटक निकिता ने कहा कि उन्होंने पहले मसूरी में बर्फबारी देखी थी और अब नैनीताल में भी बर्फ देखने की उम्मीद है। दुबई से आई आशा ने बताया कि उन्हें पहली बार बर्फ देखने का अनुभव मिलेगा, और मौसम बदलते देख उन्हें उम्मीद है कि नैनीताल में बर्फबारी होगी।

मौसम विभाग ने पर्यटकों और स्थानीय लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। विशेषकर ऊंचाई वाले इलाकों में यात्रा करने वाले मौसम की ताजा जानकारी लेकर ही बाहर निकलें। अगर पूर्वानुमान सही साबित होता है, तो नए साल पर नैनीताल सफेद बर्फ की चादर में लिपटा नजर आएगा, जिससे पर्यटन कारोबार को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

नैनीताल में दोपहर बाद धुंध छाने से गिरा तापमान। ● अमृत विचार

मिट्टी से रंग तक संस्था का शुभारंभ

नैनीताल: मिट्टी से रंग तक संस्था का शुभारंभ सोमवार को नैनीताल के फ्लैट मैदान में किया गया। इस मौके पर संस्था की ओर से ऐपण प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया। शुभारंभ मुख्य अतिथि विधायक सरिता आर्या ने रिबन काटकर किया। उन्होंने संस्था के प्रयासों की सराहना करते हुए शुभकामनाएं दीं।

एडीएम विवेक रॉय व उत्तराखंड बार एसोसिएशन के अध्यक्ष डीसीएस रावत व संस्था अध्यक्ष एडवोकेट डॉ. पूनम ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य भारतीय कला और संस्कृति का संरक्षण एवं संवर्धन करना है। यहां सुमित कुमार, विनीता, सुषमा, शिवांगी गंगवार, कुमार, संदीप कोठारी, सौरभ अधिकारी, वीरेंद्र अधिकारी, दीपा, सोनिका मौजूद रहे।

भीमताल मिनी स्टेडियम में चैम्पियन ट्रॉफी खेल महाकुंभ का हुआ शुभारंभ

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचार: भीमताल मिनी स्टेडियम में भीमताल विधानसभा की चैम्पियन ट्रॉफी खेल महाकुंभ का शुभारंभ ब्लॉक प्रमुख डॉ. हरीश सिंह बिष्ट ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस प्रतियोगिता में अंडर-14 और अंडर-19 बालक एवं बालिका वर्ग के लिए एथलेटिक्स, कबड्डी, खो-खो और वॉलीबॉल खेल आयोजित किए गए। भीमताल, धारी, ओखलकांडा और रामगढ़ ब्लॉक के युवा इसमें भाग ले रहे हैं।

ब्लॉक प्रमुख ने कहा कि प्रतियोगिताओं का उद्देश्य स्थानीय खेल प्रतिभाओं का विकास, शारीरिक व मानसिक विकास और युवाओं में अनुशासन व टीम भावना बढ़ाना है। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहने और खेलों में सक्रिय रहने की अपील की। इसके साथ ही सरकार की ओर से ग्रामीण प्रतिभाओं को अवसर प्रदान करने और खेल सुविधाओं को बेहतर बनाने का भरोसा दिलाया। प्रतियोगिता में 100 मी, 200 मी, 800 मी और 1500 मी दौड़ के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए गए। संचालन डॉ. प्रदीप उपाध्याय ने किया। यहां बीडीओ हर्षित गर्ग, युवा कल्याण अधिकारी दीपक मेहता, शिक्षक व युवा मौजूद रहे।

खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ करते ब्लॉक प्रमुख डॉ. हरीश बिष्ट। ● अमृत विचार

सिटी ब्रीफ

डॉ. माधव को बनाया हिंदी सलाहकार

हल्द्वानी : पार्वती प्रेमा जगाती सरस्वती विहार ज्योलीकोट के वरिष्ठ हिंदी प्रवक्ता डॉ. माधव प्रसाद त्रिपाठी को कारपोरेट कार्य मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति का सदस्य नियुक्त किया गया है। इस संबंध में केंद्रीय गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग ने औपचारिक कार्यालय ज्ञापन जारी कर दिया है। राजभाषा विभाग ने उत्तराखंड की ओर से डॉ. त्रिपाठी के अलावा केरल के कोल्लम निवासी कर्नल एस दिन्नी और पुडुचेरी निवासी एस मोहन कुमार को भी गैर-सरकारी सदस्य के रूप में नामित किया है। पीपीजे के प्रधानाचार्य डॉ. सूर्य प्रकाश, सह जिला संचालक डॉ. ललित जोशी और राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन के अध्यक्ष कुलदीप मिश्रा ने डॉ. माधव प्रसाद त्रिपाठी को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। डॉ. त्रिपाठी के योगदान से हिंदी भाषा और साहित्य के प्रचार-प्रसार के साथ सरकारी कार्यों में हिंदी के उपयोग को बढ़ावा मिलेगा।

शहर में खतरा बने घूम रहे हैं छुट्टे जानवर

हल्द्वानी : शहर में छुट्टे जानवरों से लोग परेशान हैं। ये आवारा पशु किसानों की खेती को चौपट करने के साथ ही राहगीरों व वाहन चालकों के किए खतरा बने हैं। रात के वक्त सड़कों पर विचरते इन जानवरों के कारण कई वाहन चालक हादसों का शिकार हो चुके हैं।

एसटीएच में न्यूरो सर्जरी बंद, मरीज परेशान

जूनियर रेजिडेंट न होने से दिक्कत, 25 मरीज भर्ती हैं न्यूरो सर्जरी विभाग में, 11 का होना है ऑपरेशन

- गंभीर मरीजों को अन्य अस्पतालों में जाना पड़ रहा
- छह में से पांच जूनियर डॉक्टरों ने छोड़ दी है नौकरी

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : डॉ. सुशीला तिवारी अस्पताल में न्यूरोसर्जरी विभाग में ऑपरेशन बंद हो गए हैं। विभाग में जूनियर रेजिडेंट डॉक्टरों की कमी है, इस वजह से यह समस्या खड़ी हुई है। बिना जूनियर रेजीडेंट के ऑपरेशन किया जाना संभव नहीं है। गंभीर मरीजों को अन्य अस्पतालों में जाना पड़ रहा है।

एसटीएच के न्यूरोसर्जरी विभाग में जूनियर डॉक्टरों की कमी है। कॉलेज प्रबंधन ने विभाग के लिए छह डॉक्टरों का चयन किया था। इन डॉक्टरों का मुख्य जिम्मा यह था कि जिन मरीजों का ऑपरेशन हो जाता था उनकी देखभाल करना। इन छह में से पांच डॉक्टरों ने नौकरी छोड़ दी। इस समय केवल एक ही जूनियर डॉक्टर मौजूद है।

अस्पताल में दो सीनियर न्यूरोसर्जन तो हैं लेकिन दिक्कत यह है कि जूनियर रेजिडेंट की कमी होने से ऑपरेशन को बंद करना पड़ा है। यह भी जानकारी मिली कि न्यूरोसर्जरी विभाग में 11 मरीज हैं जिनका ऑपरेशन किया जाना है। साथ ही करीब 25 मरीज अभी विभाग के वार्ड में भर्ती हैं। देखा जाए तो दो न्यूरोसर्जन और सभी उपकरण होने के बाद भी कुमाऊं के सबसे बड़े अस्पताल में मरीजों को न्यूरोसर्जरी विभाग में केवल ओपीडी में ही सेवा मिल पा रही है। न्यूरो सर्जरी विभाग के एचओडी डॉ. अभिषेक राज ने बताया कि जूनियर रेजीडेंट डॉक्टरों की कमी को लेकर कॉलेज प्रबंधन को पत्र लिख कर सूचित किया गया है और कहा गया कि बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं को उनकी जल्द ही नियुक्ति की जाए।

उल्लेखनीय है कि एसटीएच में न्यूरोसर्जरी विभाग में ऑपरेशन आयुष्मान योजना से होते हैं। यहां पर कई जटिल ऑपरेशन हुए हैं और यह सुविधा आयुष्मान योजना से मिल जाती है।

दून से आएंगे कार्डियोलॉजिस्ट तब होगा कैथलैब का ट्रॉयल

हल्द्वानी : एसटीएच में कैथलैब बनकर तैयार हो गई है। यहां ज्यादातर जरूरी उपकरण भी आ गए हैं और जनवरी माह के अंत में इसका ट्रॉयल करने की तैयारी है। दिक्कत इस बात है कि कैथलैब के ट्रॉयल और नियमिति संचालन के लिए कार्डियोलॉजिस्ट (हृदय रोग विशेषज्ञ) नहीं हैं, फिलहाल देहरादून ने कार्डियोलॉजिस्ट लाकर ट्रॉयल किए जाने की तैयारी है। हृदय रोग के उपचार में कैथलैब की महत्तवपूर्ण भूमिका होती है। कुमाऊं मंडल की जरूरतों को देखते हुए एसटीएच में मंडल की पहली सरकारी कैथलैब बनाई जा रही है। बताया जा रहा है कि एक माह में बाकी काम पूरा हो जाएगा और साथ ही जरूरी उपकरण भी आने लगे हैं। अब कैथलैब के ट्रॉयल की तैयारी चल रही है लेकिन राजकीय मेडिकल कॉलेज में कार्डियोलॉजिस्ट ही नहीं है। दो माह पूर्व मेडिकल कॉलेज में हुए साक्षात्कार में एक कार्डियोलॉजिस्ट ने साक्षात्कार दिया था लेकिन दिक्कत यह रही कि उन्होंने मेडिकल कॉलेज ज्वाइन नहीं किया। साल 2009 में अंतिम बार एसटीएच में किसी कार्डियोलॉजिस्ट ने अपनी सेवा दी थी लेकिन कैथलैब नहीं होने की वजह से उन्होंने अस्पताल में नौकरी छोड़ दी थी। अब कैथलैब बनकर तैयार है तो कार्डियोलॉजिस्ट नहीं है। ऐसे में अस्पताल प्रशासन इस तैयारी में है कि दून मेडिकल कॉलेज से कार्डियोलॉजिस्ट को बुलाकर कैथलैब का ट्रॉयल किया जाएगा क्योंकि कैथलैब का ट्रॉयल करना बहुत जरूरी है। फिर उसके बाद नियमित कार्डियोलॉजिस्ट को रखने की कोशिश की जाएगी।

दो कार्डियोलॉजिस्ट हों तो होगा संचालन

हल्द्वानी : अस्पताल प्रशासन से जानकारी मिली कि चिकित्सा शिक्षा विभाग के पांच अनुबंधित कार्डियोलॉजिस्ट हैं। इनमें से ही दो कार्डियोलॉजिस्ट यहां बुलाए जाने की कोशिश की जा रही है। साथ ही एक अन्य डॉक्टर अनुबंध पर कार्डियोलॉजिस्ट की मेडिकल पढ़ाई करने गए हैं। माना जा रहा है कि ढाई साल वह भी अस्पताल में उपलब्ध हो जाएंगे। एमएस डॉ. अरुण जोशी ने कहा कि यह बहुत बड़ी उपलब्धि है कि कुमाऊं की पहली सरकारी कैथलैब बन गई है। अब इसका शीघ्र ही ट्रॉयल भी कर दिया जाएगा।

जूनियर रेजीडेंट की जिन विभागों में कमी है उनको दूर करने का प्रयास किया जा रहा है। न्यूरोसर्जरी विभाग में भी जूनियर डॉक्टरों कमी है। इसको दूर करने का प्रयास किया जा रहा है।

-डॉ. जीएस तितियाल, प्राचार्य, राजकीय मेडिकल कॉलेज हल्द्वानी

रामलीला मैदान में सजाया धार्मिक दीवान, अरदास की

रामलीला मैदान में सजाया गया दीवान तथा गुरु वाणी का बखान करता रागी जत्था।

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: गुरु गोविंद सिंह साहिब के 359वें प्रकाश पर्व पर रामलीला मैदान में सोमवार को धार्मिक दीवान का आयोजन किया गया। फूलों से सुसज्जित पालकी साहिब में गुरु ग्रंथ साहिब की सेवा में रागी जत्थों ने गुरुवाणी से संगत को निहाल किया।

कार्यक्रम में मनजिंदर सिंह (फतेहगढ़ साहिब) ने मधुर कीर्तन से संगत को निहाल किया। कंवलजीत सिंह (नूर अमृतसर) ने गुरु गोविंद सिंह के त्याग व बलिदान पर प्रकाश डालते हुए बताया कि उन्होंने अपने पूरे परिवार को धर्म के लिए न्यौछावर कर दिया। कथावाचक ज्ञानी सिमरनजीत सिंह ने कहा कि गुरु ने सिख धर्म को नई दिशा प्रदान की। पंजोखरा साहिब के गुरकीरत सिंह ने गुरबाणी गायन से संगत को निहाल किया। जगमीत सिंह ने जगत कल्याण की अरदास की। मुख्य ग्रंथी ने हुकुमनामा लेकर शरबत दे भले की अरदास के साथ समापन किया।

इस दौरान सिख सेवक जत्था, अकल पुरब की फौज व सिख मिशनरी कॉलेज ने शिक्षा का लंगर लगाया। मंच संचालन अमरजीत सिंह आनंद, हरविंदर सिंह बबलू कुकरेजा ने किया। मुख्य सेवादार वीरेंद्र सिंह चड्ढा, नानकमत्ता गुरुद्वारा सचिव अमरजीत सिंह सहित आदि मौजूद रहे।

अंकिता मामले की सीबीआई जांच की मांग, सरकार का पुतला फूंका

- भाजपा पर लगाया जनता को बरगलाने का आरोप
- सरकार पर वीआईपी को बचाने का आरोप लगाया

संवाददाता, हल्द्वानी

प्रदेश सरकार का पुतला फूंकते भीम आर्मी व मूल निवासी संघ के कार्यकर्ता।

अमृत विचार: भीम आर्मी और मूलनिवासी संघ ने संयुक्त रूप से अंकिता भंडारी हत्याकांड में सीबीआई जांच की मांग को लेकर राज्य सरकार का पुतला फूंका।

सभा में वक्ताओं ने कहा कि भाजपा के लोग कांग्रेस का पुतला फूंक कर लोगों को बरगला रहे हैं। अंकिता हत्याकांड की सीबीआई जांच की मांग विपक्ष की नहीं बल्कि राज्य की आम जनता की है। कहा कि इस मामले में एक वीआईपी का नाम सामने आया था, जिसे लेकर सियासी घमासान मचा हुआ है। नफीस अहमद खान ने कहा कि यदि सरकार उस वीआईपी को बचाने का प्रयास करती है तो उत्तराखंड की जनता सत्ता को हिला देगी। साथ ही कहा कि मनीषा वाल्मीकि और एंजेल चकमा के हत्यारों को भी फांसी की सजा मिलनी चाहिए। इस दौरान मूलनिवासी संघ के प्रदेश अध्यक्ष दीपक चनियाल, आजाद समाज पार्टी से सिराज अहमद, जीआर आर्य, आरपी गंगोला, सुंदरलाल बौद्ध, महेश चंद्र आर्य, फिरोज खान, जीतराम, रितिक कांत, हरीश लोधी, सुलेमान मालिक रहे।

कांपलैक्स नंबर्स की उत्पत्ति पर छात्रों को दी जानकारी

संवाददाता, हल्द्वानी

- एमबीपीजी कॉलेज में तीन दिवसीय माधव गणित कैंप का शुभारंभ
- कई महाविद्यालयों के छात्र छात्राओं ने किया प्रतिभाग

अमृत विचार : एमबीपीजी कॉलेज में सोमवार को तीन दिवसीय माधव गणित कैंप का शुभारंभ प्राचार्य डॉ. एनएस बनकोटी ने किया। कैंप में एमबीपीजी के साथ ही महिला डिग्री कॉलेज, राजकीय महाविद्यालय हल्द्वानी शहर गौलापार, हल्दूचौड़ डिग्री कॉलेज और रामनगर कॉलेज के बीएससी गणित के विद्यार्थी प्रतिभाग कर रहे हैं।

12वीं सदी के भारतीय गणितज्ञ माधवाचार्य की स्मृति में भाष्कराचार्य प्रतिष्ठान पुणे की ओर से कैंप किया जा रहा है। कैंप के प्रथम तकनीकी सत्र में डॉ. प्रकाश मठपाल ने कांपलैक्स नंबर्स की उत्पत्ति, उनकी एप्लीकेशन और प्रॉपर्टीज पर चर्चा की। दूसरे सत्र में डॉ. मठपाल ने कांपलैक्स फंक्शन पर अपनी बात रखी। मैत्रेयी कॉलेज दिल्ली विश्वविद्यालय के गणित प्राध्यापक डॉ. सौरभ कुमार ने रियल फंक्शन और उनके ग्राफ पर चर्चा की। आयोजक सचिव डॉ. नरेंद्र कुमार सिजवाली ने बताया कि 11 जनवरी को आयोजित होने वाले मैथमेटिक्स कंपटीशन की तैयारी को मजबूत करने के लिए कैंप लगाया जा रहा है। इस मौके पर प्रो. दीपक तिवारी, डॉ. रिचा तिवारी, डॉ. सुरेंद्र धपोला, डॉ. सुंदर कुमार, प्रो. चारु ढौंढियाल, डॉ. दीपक उप्रेती, डॉ. मुकुल तिवारी रहे।

ग्राम विहार योजना से स्थानीय अर्थव्यवस्था को मिलेगी गति

संवाददाता, हल्द्वानी

शीत महोत्सव के समापन पर पहुंचे नाबार्ड के मुख्य महाप्रबंधक पंकज यादव व अन्य।

अमृत विचार: जिले के चोपड़ा गांव में राष्ट्रीय कृषि व ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) की ग्राम विहार योजना का औपचारिक शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर ग्राम विहार योजना के एकीकरण कार्यक्रम हुआ, जिसका उद्घाटन नाबार्ड के मुख्य महाप्रबंधक पंकज यादव ने किया।

कार्यक्रम में ग्रामीण पर्यटन को सशक्त माध्यम बनाकर स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं और होमस्टे संचालकों की आजीविका को मजबूत करने पर विस्तार से चर्चा की गई। ग्राम विहार योजना के तहत पर्यटक ग्रामीण क्षेत्रों के होमस्टे में ठहरकर स्थानीय संस्कृति, पारंपरिक भोजन और पहाड़ी जीवनशैली का अनुभव प्राप्त कर सकेंगे। इससे न केवल ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि पर्वतीय क्षेत्रों में महिला सशक्तिकरण, रोजगार के नए अवसर और स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। चोपड़ा गांव से जुड़ी स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं और होमस्टे संचालकों ने कार्यक्रम में भाग लिया और योजना से जुड़ी जानकारियां प्राप्त कीं। कार्यक्रम का सफल और सुचारू संचालन पवन कुमार की ओर से किया गया। कार्यक्रम में नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक मुकेश बेलवाल, जिला सहकारी बैंक के महाप्रबंधक आरएस रैना आदि लोग मैजूद रहे।

प्रत्येक जिले में खुलेंगे गुरुकुल पद्धति स्कूल

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : शिक्षा विभाग की ओर से प्रत्येक जिले में गुरुकुल पद्धति का एक-एक स्कूल खोले जाने की तैयारी की जा रही है। संस्कृत शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए संस्कृत शिक्षा विभाग के अंर्तगत इन स्कूलों को संचालित किया जाएगा। ये स्कूल आवासीय होंगे, जहां पढ़ाई के साथ-साथ विद्यार्थियों के रहने-खाने की व्यवस्था भी होगी।

योजना को लेकर शासन ने दिशानिर्देश जारी किए हैं। इसके साथ ही प्रदेश के पिछड़े विकासखंडों में आश्रम पद्धति आवासीय स्कूल भी खोले जाने की कवायद भी चल रही है। इन स्कूलों में अनुसूचित जाति के आर्थिक रूप से पिछड़े परिवारों के बच्चे पढ़ सकेंगे। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में 4 राजीव गांधी आश्रम पद्धति विद्यालय पहले से चल रहे हैं, लेकिन वर्तमान में इन स्कूलों की स्थिति दयनीय है और ये स्कूल बंद होने की कगार पर हैं। साथ ही प्रदेश के कई जिलों में समाज कल्याण की ओर से इस तरह के आवासीय विद्यालयों का संचालन किया जा रहा है। इन स्कूलों की स्थिति भी ठीक नहीं है। नैनीताल जिले में बेतालघाट और ऊधमसिंहनगर के सितारगंज में आश्रम पद्धति आवासीय विद्यालय है। खंड शिक्षाधिकारी तारा सिंह ने बताया कि शासन की ओर से प्राप्त निर्देशों के आधार पर रिपोर्ट सौंपी जाएगी।

जिला क्रिकेट लीग: कोल्ट्स क्लब ने जीएनजी को 13 रनों से हराया

संवाददाता, हल्द्वानी

विजेता कोल्ट्स क्लब की टीम के खिलाड़ी। ● अमृत विचार

अमृत विचार: जिला नैनीताल क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से आयोजित सीनियर पुरुष वर्ग की जिला क्रिकेट लीग का मैच सोमवार को जीएनजी क्रिकेट ग्राउंड में जीएनजी और हल्द्वानी कोल्ट्स क्लब के बीच खेला गया। कोल्ट्स क्लब ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया और निर्धारित 40 ओवरों में 7 विकेट के नुकसान पर 281 रन बनाए।

विकास भाटी ने 104, दिव्यम रावत ने 56, देव जोशी ने 36 और विशाल कोली ने 32 रनों का योगदान दिया। जीएनजी के गेंदबाज पृथ्वी गैरा ने 2, आकाश, पियूष, लक्ष्य और देव ने 1-1 विकेट लिया। निर्धारित लक्ष्य का पीछा करने उतरी जीएनजी की पूरी टीम 35वें ओवर में 268 रन बनाकर ऑल आउट हो गई और 13 रनों से मैच हार गई। कोल्ट्स क्लब के गेंदबाज देवानंद जोशी ने 5, राहुल, कार्तिक और रवि ने 1-1विकेट लिया। मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार कोल्ट्स क्लब के खिलाड़ी देवानंद जोशी को दिया गया। अंपायर की भूमिका में विजय आर्या और शिवम पाण्डे जबकि स्कोरर की भूमिका हरप्रीत सिंह कम्बोज ने निभाई। इस मौके पर जिला नैनीताल क्रिकेट एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष कमल पपनै, लीला कांडपाल, नरेंद्र अधिकारी, जगमोहन बगड़वाल, आनंद बिष्ट आदि लोग उपस्थित रहे।

रं ओपन बैडमिंटन प्रतियोगिता संपन्न

हल्द्वानी: रविवार को देवस् शटलर्स डेन मुखानी में रं समुदाय (शौका समाज) की ओपन बैडमिंटन प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में 15 वर्ष से कम उम्र के बालक, बालिकाओं व ओपन महिला, ओपन पुरुष सिंगल, ओपन पुरुष डबल और 30 , 45 व 60 वर्ग के कुल 135 मुकाबले खेले गए।

ओपन पुरुष सिंगल के रोमांचक मुकाबले में अमन सिंह नबियाल, हल्द्वानी ने योगेश सिंह ग्वाल, देहरादून को पराजित कर विजेता का खिताब जीता। दिल्ली, मुंबई, मुरादाबाद, बरेली और पिथौरागढ़ से रं समुदाय के खिलाड़ी प्रतियोगिता में शामिल हुए। प्रतियोगिता का शुभारंभ सांसद अजय भट्ट ने किया। पद्मश्री डा. जीवन सिंह तितियाल विशिष्ट अतिथि रहे।

परीक्षा पर चर्चा पोर्टल पर पंजीकरण करना अनिवार्य

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : प्रदेश के सभी शिक्षकों का ''परीक्षा पर चर्चा'' पोर्टल पर पंजीकरण अब अनिवार्य कर दिया गया है। निदेशक अकादमिक शोध एवं प्रशिक्षण वंदना गर्ब्याल ने इस संबंध में निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने इसे लेकर अपर निदेशक और प्रदेश के सभी जिलों के मुख्य शिक्षा अधिकारी (सीईओ) को पत्र भेजा है।

उन्होंने आदेश में स्पष्ट किया है कि प्रत्येक जिले में शत-प्रतिशत शिक्षकों का पंजीकरण किया जाना है। इसके साथ ही स्कूल स्तर पर विशेष अभियान चलाकर अभिभावकों के पंजीकरण की प्रक्रिया भी पूरी की जानी है। प्रतियोगिता में कक्षा 6 से 12 तक के विद्यार्थी भाग ले सकते हैं। जिसमें वह अपने सवालों को अधिकतम 500 शब्दों में प्रधानमंत्री को भेज सकते हैं। प्रतिभाग करने वाले विद्यार्थी स्वयं या शिक्षक के लॉगिन के माध्यम से अपने सवाल भेज सकते हैं। साथ ही अभिभावक भी इसमें भाग ले सकते हैं। पोर्टल में अभी तक देशभर से 3 करोड़ से अधिक विद्यार्थी, 21 लाख से अधिक शिक्षक और 4 लाख से अधिक अभिभावक पंजीकरण कर चुके हैं। शिक्षा विभाग की ओर से विद्यार्थी, शिक्षक और अभिभावक की तीनों श्रेणियों में न्यूनतम 60 प्रतिशत से अधिक पंजीकरण किए जाने का लक्ष्य तय किया गया है। पंजीकरण की अंतिम तिथि 11 जनवरी है।

खेल-खिलाड़ी | शारीरिक दक्षता, लिखित परीक्षा और साक्षात्कार से होगा चयन, पूछे जाएंगे खेल से जुड़े सामान्य प्रश्न

जुलाई में शुरू होंगे पहले खेल विश्वविद्यालय में प्रवेश

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : प्रदेश की खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने की दिशा में प्रदेश के पहले खेल विश्वविद्यालय में जुलाई माह से प्रवेश प्रक्रिया शुरू करने की तैयारी की जा रही है। खेल विश्वविद्यालय में प्रवेश लेने के इच्छुक अभ्यर्थियों को चयन प्रक्रिया के विभिन्न चरणों से गुजरना होगा, जिससे केवल योग्य और प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को ही अवसर मिल सके।

प्रवेश प्रक्रिया के तहत अभ्यर्थियों की शारीरिक दक्षता, खेल प्रदर्शन, लिखित परीक्षा और साक्षात्कार के माध्यम से मूल्यांकन किया जाएगा। इसके बाद तैयार की गई मेरिट सूची के आधार पर विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जाएगा। लिखित परीक्षा में खेलों से संबंधित सामान्य ज्ञान से जुड़े प्रश्न पूछे जाएंगे। फरवरी या मार्च में विश्वविद्यालय का शिलान्यास भी कर दिया जाएगा। गौलापार स्थित अंतरराष्ट्रीय खेल परिसर के क्रिकेट मैदान के पवेलियन में खेल विश्वविद्यालय का अस्थायी कार्यालय ढांचा तैयार कर लिया गया है। यहां कुलपति, रजिस्ट्रार और वित्त नियंत्रक के कार्यालय कार्यरत हो चुके हैं। उप निदेशक खेल कुमाऊं राशिका सिद्दीकी का बताया कि खेल विश्वविद्यालय की स्थापना उत्तराखंड की खेल प्रतिभाओं के लिए मील का पत्थर साबित होगी। इससे प्रदेश के युवाओं को उच्च स्तरीय खेल शिक्षा, प्रशिक्षण और आधुनिक सुविधाएं राज्य में ही उपलब्ध होंगी। यह विश्वविद्यालय खिलाड़ियों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करेगा और उत्तराखंड को खेलों की दिशा में भी पहचान दिलाएगा।

खेल विवि में प्रारंभिक चरण में तीन प्रमुख कोर्स

हल्द्वानी : खेल विश्वविद्यालय में प्रारंभिक चरण में बीपीएड, स्पोर्ट्स साइंस और स्पोर्ट्स मैनेजमेंट जैसे पाठ्यक्रम संचालित किए जाएंगे। इन कोर्सों के संचालन के लिए राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) से अनुमति के लिए आवेदन किया गया है। अनुमति मिलने के बाद इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश दिया जाएगा। प्रवेश प्रक्रिया में अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय और राज्य स्तर के खिलाड़ियों को मेरिट में विशेष छूट दिए जाने का भी प्रावधान रखा गया है। बीपीएड पाठ्यक्रम पूरा करने के बाद अभ्यर्थी विद्यालयों में खेल प्रशिक्षक के रूप में कार्य कर सकेंगे।

शूटिंग रेंज से लेकर खेल कोर्ट तक मिलेंगी सुविधाएं: विश्वविद्यालय परिसर में आधुनिक खेल सुविधाओं के अंतर्गत 50 मीटर शूटिंग रेंज, वॉलीबॉल, बास्केटबॉल और हैंडबॉल के कोर्ट तैयार किए जाएंगे। इसके साथ ही लेक्चर हॉल और कंप्यूटर लैब का निर्माण भी किया जा रहा है।

आज नई तकनीक से लैस होने का समय: कुलपति

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : उत्तराखंड मुख्य विश्वविद्यालय में नामांकित बीएड व एमएड विशेष शिक्षा के विद्यार्थियों की छह दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी ने किया। इस दौरान शिक्षा शास्त्र शाखा के निदेशक प्रो. डिगर सिंह फर्स्वाण ने कार्यशाला के माध्यम से अपना व्यक्तित्व विकास करने के साथ ही दिव्यांग बच्चों के लिए गंभीरता से कार्य करने को कहा।

सिद्धार्थ पोखरियाल ने सभी विद्यार्थियों को प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद उसे अपने कार्यक्षेत्र के साथ व्यवहारिक जीवन में भी प्रयोग में लाने के लिए कहा। कुलपति लोहनी ने कहा कि वर्तमान समय नई तकनीक से लैस होने का समय है। कार्यशाला में प्रदेश के साथ ही मध्य प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान के विभिन्न पर्वतीय क्षेत्रों से विद्यार्थी प्रतिभाग कर रहे हैं। इस दौरान बीएड विशेष शिक्षा के चतुर्थ सेमेस्टर में अध्ययनरत दिव्यांग विद्यार्थी रेखा मेहता को श्रीलंका में आयोजित अंतरराष्ट्रीय पैरा थ्रो बॉल प्रतियोगिता में पदक जीतने पर सम्मानित किया गया। इस मौके पर डॉ. कल्पना लखेड़ा, डॉ. देवकी सिरोला, डॉ. मनीषा पंत, डॉ. दिनेश कांडपाल, भावना धोनी, तरुण नेगी, डॉ. बबीता खाती रहे।

प्रश्नोत्तरी में विभा जोशी बनीं विजेता

हल्द्वानी : सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में एमबीपीजी कॉलेज में सोमवार को कॉलेज-स्तरीय प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित हुई। इसमें कॉलेज के विभिन्न संकायों से कुल 110 विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का आयोजन राजकीय बीएड विभाग के प्रो. टीसी पांडे ने किया।

प्रतियोगिता में बीएड चतुर्थ सेमेस्टर की विभा जोशी विजेता रही। बीए पंचम सेमेस्टर के राजेंद्र सिंह मेहता और बीएड प्रथम सेमेस्टर की खष्टी संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान पर रही, जबकि बीएड प्रथम सेमेस्टर की अंजली अधिकारी तृतीय स्थान पर रही। कार्यक्रम में एमबीपीजी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. एनएस बनकोटी ने विजेता प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया।

सिटी ब्रीफ

प्रीत विहार में तमंचे के साथ एक युवक दबोचा

रुद्रपुर : पुलिस टीम ने प्रीत विहार में तमंचा बेचने आये एक युवक को गिरफ्तार कर लिया है। तलाशी के दौरान उसके पास से 315 बोर का तमंचा बरामद हुआ है। सोमवार को सीओ सिटी प्रशांत कुमार ने बताया कि रविवार रात एसआई प्रियांशु जोशी पुलिस कर्मियों के साथ गश्त कर रहे थे। इस बीच जब पुलिस टीम रामपुर बार्डर पर पहुंची तो सूचना मिली कि एक व्यक्ति जिसके पास तमंचा है वह तमंचा बेचने के लिए प्रीत विहार मैदान में किसी का इंतजार कर रहा है। सूचना पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो पुलिस को देखकर एक युवक मैदान से भागने लगा। पुलिस कर्मियों ने उसका पीछा कर कुछ दूरी पर दबोच लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम रम्पुरा वार्ड 2 निवासी वंश सिंह बताया। तलाशी में उसके पास से 315 बोर का एक तमंचा बरामद हुआ। पुलिस पूछताछ में वंश ने बताया कि यह उसका तमंचा है।

कुलपति डॉ. चौहान ने की कार्यक्रम की सराहना, कहा-महिला क्लब समाज सेवा के क्षेत्र में कर रहा बेहतर कार्य

आदिवासी लोगों ने प्रस्तुत किए सांस्कृतिक कार्यक्रम

संवाददाता, पंतनगर

अमृत विचार: जीबी पंत कृषि विश्वविद्यालय में महिला क्लब की अध्यक्ष व विश्वविद्यालय की प्रथम महिला वीना चौहान के कुशल नेतृत्व में नव वर्ष के शुभ अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान विश्वविद्यालय फार्म में कार्यरत आदिवासी समाज के लोगों को सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने का मंच प्रदान किया गया। इस दौरान युवा आदिवासियों ने हर्षोल्लास के साथ कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

कलाकारों के साथ कुलपति डॉ .मनमोहन सिंह चौहान और महिला क्लब के सदस्य। ● अमृत विचार

सोमवार को कार्यक्रम के दौरान पर्वतीय क्षेत्र के स्थानीय कलाकारों एवं विश्वविद्यालय के गार्डन सेक्शन में कार्यरत महिला श्रमिकों ने भी लोकनृत्य प्रस्तुत किया। वहीं कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाले कलाकारों का विश्वविद्यालय के कुलपति एवं मुख्य अतिथि प्रोफेसर डॉ. मनमोहन सिंह चौहान ने कंबल वितरित किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कुलपति डॉ. चौहान ने महिला क्लब द्वारा समाज सेवा के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि महिला क्लब निरंतर समाज के कमजोर वर्गों के लिए उल्लेखनीय योगदान दे रहा है। उन्होंने विशेष रूप से किसान मेले में किसानों के लिए कम लागत में शुद्ध भोजन उपलब्ध कराने, गरीब मजदूर महिलाओं के लिए स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने, सर्दियों के मौसम में दूर-दराज के क्षेत्रों में जरूरतमंद लोगों को कंबल वितरित करने जैसे कार्यों की प्रशंसा की। साथ ही आदिवासी समाज के लोगों को इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम के लिए मंच प्रदान करने पर विशेष रूप से सराहना की। कार्यक्रम का संचालन महिला क्लब की सचिव विजय लक्ष्मी सिंह ने किया।

806 ग्राम चरस के साथ मुक्तेश्वर का युवक धरा

संवाददाता, रुद्रपुर

- आरोपी ट्रांजिट कैंप में किराए पर रहता था

अमृत विचार: आवास विकास चौकी टीम ने विगत रात्रि फुलसुंगी तिराहे में गश्त के दौरान एक युवक को 806 ग्राम चरस के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने युवक के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत प्राथमिक रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

सोमवार को एसएसपी मणिकांत मिश्रा ने बताया कि रविवार रात आवास विकास चौकी प्रभारी प्रकाश चंद्र, एसआई मनोज जलाल पुलिसकर्मियों के साथ गश्त पर थे। इस बीच पुलिस टीम को फुलसुंगी तिराहे के पास एक युवक हाथ में थैला लेकर आता हुआ दिखाई दिया। पुलिस कर्मियों ने उसे रूकने का इशारा किया तो वह भागने लगा। शक होने पर पुलिस कर्मियों ने उसकी पीछा किया और दबोच लिया।

पुलिस पूछताछ में उसने अपना नाम ग्राम नरतोला मुक्तेश्वर नैनीताल निवासी अनिल कुमार बताया। तलाशी में उसके पास से 806 ग्राम चरस बरामद हुई। एसएसपी ने बताया कि पूछताछ में अनिल कुमार ने बताया कि वह ट्रांजिट कैंप में किराए में रहता है और बजाज मोटर में काम करता है। कुछ दिन पहले वह अपने गांव गया था। रुपये कमाने के लालच में चरस लाकर रुद्रपुर और ट्रांजिट कैंप में बेचने की फिराक में था। पुलिस जांच कर रही है।

रुद्रपुर में खेड़ा ईदगाह भूमि पर कब्जे को लेकर हुआ प्रदर्शन

कब्जा की गयी भूमि पक्षकारों को देने की उठाई मांग, एडीएम को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: विगत दिनों प्रशासन और नगर निगम की ओर से खेड़ा में ईदगाह की जमीन को कब्जा किए जाने से ईदगाह बचाओ संघर्ष समिति के पदाधिकारियों और अन्य संगठनों में आक्रोश व्याप्त है। विरोध में पदाधिकारियों ने कलेक्ट्रेट परिसर में प्रदर्शन किया और अपर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा।

सोमवार को संघर्ष समिति के बैनर तले विभिन्न सामाजिक संगठनों, मजदूर संगठनों, ट्रेड यूनियनों के कार्यकर्ताओं व सामाजिक कार्यकर्ता कलेक्ट्रेट पहुंचे। सभी ने खेड़ा बस्ती रुद्रपुर में स्थित ईदगाह, मदरसा व स्कूल के बच्चों के खेल के मैदान, कब्रिस्तान, कर्बला आदि संस्थाओं की भूमि को पक्षकारों को पुनः हस्तांतरित और निशुल्क आवंटित किये जाने की मांग की।

कलेक्ट्रेट परिसर में प्रदर्शन करते ईदगाह बचाओ संघर्ष समिति के पदाधिकारी व अन्य। ● अमृत विचार

उन्होंने कहा कि खेड़ा बस्ती में स्थित मुस्लिम समाज के धार्मिक स्थल मस्जिद, ईदगाह, कब्रिस्तान की भूमि जो कि दशकों से मुस्लिम समुदाय के पास है। इसमें धार्मिक-सामाजिक कार्यक्रम किए जा रहे हैं। इसके अलावा स्कूल के बच्चों के खेल के मैदान के लिए इस्तेमाल हो रही थी। हाल ही में नगर निगम और प्रशासन ने इस भूमि को अतिक्रमण की श्रेणी में दिखाते हुए अपने कब्जे में ले लिया है। उन्होंने कहा कि भूमि को कब्जे में लेने से मुस्लिम समाज के लोगों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

इस अवसर पर शिवदेव सिंह, मुकुल, कैलाश, रविंदर कौर, सुनीता, अनीता अन्ना, ललित मटियाली, सुरेंद्र सिंह, गोविंद, उपेंद्र राय, दिनेश चंद्र, फिरोज खान, सौरभ, भरत जोशी, महावीर सिंह, अमर सिंह, गोपाल सिंह गौतम, पार्षद परवेज कुरैशी, पार्षद अशफाक, शाहिद रजा, साजिद खान, अजीज खान, उमर अली, हाजी मैहफूज खां, फईम, शानू, अमीर, शौकत अली, राशिद, मुख्तार अहमद, मो.अली आदि मौजूद रहे।

इलेवन स्टार्स और इनफाइनाइट जीती

शक्तिफार्म : राजकीय इंटर कॉलेज में आयोजित शक्तिफार्म प्रीमियर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट के लीग मुकाबले में इनफाइनाइट सोलर और इलेवन स्टार्स ने सिसौना गॉडफादर को हराया। इनफाइनाइट सोलर के विशाल और इलेवन स्टार्स के संदीप कुमार को प्लेयर आफ दी मैच की ट्राफी दी गई।

सोमवार को सिसौना गॉडफादर ने दो मैच खेले। पहले मैच में बल्लेबाजी करते हुए सिसौना गॉडफादर ने निर्धारित दस ओवरों में सात विकेट पर 90 रन बनाए। नरेश राय ने 19 रन बनाए। इनफाइनाइट सोलर के गौरव सरकार ने तीन विकेट चटकाए। जवाब में इनफाइनाइट सोलर ने विशाल के 33 रनों की मदद से पांच विकेट से जीत हासिल की। सिसौना के दीपचंद ने तीन विकेट लिए।दूसरे मैच में बल्लेबाजी करते हुए सिसौना ने सात विकेट खोकर 90 रन बनाए। इसमें दीपचंद ने 30 रनों का योगदान किया। इलेवन स्टार्स के समीर, रोहित और संदीप ने दो-दो विकेट झटके। जवाब में इलेवन स्टार्स ने राकेश दीक्षित के 30 और कवींद्र दीगारी के 27 रनों की बदौलत चार विकेट से जीत हासिल की।

केसरी विहार कॉलोनी में होगा जलभराव की समस्या का हल

- महापौर ने तत्काल नाला निर्माण के लिए सर्वे कर स्टीमेट तैयार करने के दिए निर्देश
- बाटा कॉलोनी और केसरी विहार कॉलोनी के प्रतिनिधिमंडल ने की मुलाकात

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: बाटा कॉलोनी और केसरी विहार कॉलोनी के एक प्रतिनिधिमंडल ने महापौर विकास शर्मा से मुलाकात की। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने क्षेत्र में जल निकासी की व्यवस्था नहीं होने और जलभराव से होने वाली कई समस्याएं के बारे में महापौर को बताया। वहीं महापौर ने समस्या को प्राथमिकता से लेते हुए नाला निर्माण के लिए तत्काल सर्वे कर स्टीमेट तैयार करने के निर्देश दिए।

महापौर विकास शर्मा के कैंप कार्यालय में जनसुनवाई के दौरान पार्षद प्रमोद शर्मा के नेतृत्व में दोनों कॉलोनियों का एक प्रतिनिधिमंडल पहुंचा। इस दौरान उन्होंने कहा कि वार्ड संख्या 16 के तहत आने वाली बाटा कॉलोनी और केसरी विहार

कॉलोनी के लोगों की समस्या सुनते महापौर विकास शर्मा। ● अमृत विचार

के निवासियों को पिछले कई वर्षों से जलभराव की समस्या करना पड़ रहा है। यहां जल निकासी की उचित व्यवस्था न होने के कारण हल्की बारिश में भी भारी जलभराव हो जाता है। इससे कालोनी के लोगों का जीवन नारकीय हो गया है। साथ ही बीमारियां फैलने का भी डर बना रहता है।

वहीं मामले को गंभीरता से लेते महापौर ने मौके से ही तहसीलदार दिनेश कुटौला को फोन पर स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रभावित क्षेत्र का सर्वे किया जाए। साथ ही अधिकारियों को नाला निर्माण के लिए जल्द से जल्द स्टीमेट तैयार कर फाइल प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। ताकि बजट स्वीकृत कर निर्माण कार्य शुरू कराया जा सके। बाटा कॉलोनी और केसरी विहार में जलभराव की समस्या गंभीर है और इसका स्थायी समाधान नाला निर्माण ही है। वहीं महापौर ने कहा कि नगर निगम क्षेत्र के प्रत्येक नागरिक को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना प्राथमिकता है।

थारू समुदाय को अधिकारों के प्रति किया जागरूक

नानकमत्ता : राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के अंतर्गत दर्पण समिति, अल्मोड़ा द्वारा सितारगंज के कल्याणपुर, पूरनगढ़ और खेराना समेत कई गांवों में थारू जनजाति के लिए जागरूकता शिविर आयोजित किए गए। मुख्य प्रशिक्षक विभु कृष्ण ने ग्रामीणों को उनके संवैधानिक अधिकारों और केंद्र सरकार की ' 'धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान'' की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भगवान बिरसा मुंडा की स्मृति में शुरू इस योजना के तहत 25 सरकारी विभाग देश के 63,000 जनजातीय गांवों का कायाकल्प करेंगे। योजना का लक्ष्य 5 करोड़ आदिवासियों का उत्थान करना है। ग्राम प्रधान पुरुषोत्तम, बलदेव सिंह और सुशीला देवी मौजूद रहे।

लाउडस्पीकर के ध्वनि प्रदूषण पर महापौर सख्त

संवाददाता, रुद्रपुर

- एसएसपी से की वार्ता, नियमों के विरुद्ध बज रहे लाउडस्पीकरों पर कार्रवाई का किया अनुरोध
- एसएसपी बोले-पहले संबंधित पक्षों को दी जाएगी चेतावनी

अमृत विचार: पिछले कई समय से शहर की बस्तियों में लाउडस्पीकर से हो रहे ध्वनि प्रदूषण और नियमों के उल्लंघन को लेकर शिकायतें महापौर विकास शर्मा को मिल रही थी। इसको लेकर महापौर ने सख्त तेवर अपनाएं हैं। महापौर ने एसएसपी मणिकांत मिश्रा से वार्ता कर धार्मिक स्थलों पर नियमों के विरुद्ध बज रहे लाउडस्पीकरों पर कार्रवाई का अनुरोध किया।

सोमवार को महापौर शर्मा ने बताया कि विभिन्न बस्तियों के लोगों ने शिकायत की थी कि विशेषकर मस्जिदों पर नियमों के विपरीत उच्च क्षमता के लाउडस्पीकर लगाए गए हैं। इनसे होने वाला शोर न केवल सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन का उल्लंघन कर रहा है, बल्कि बच्चों की शिक्षा, बुजुर्गों और मरीजों की शांति में भी गंभीर व्यवधान डाल रहा है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए महापौर ने एसएसपी मणिकांत मिश्रा से वार्ता की। उन्होंने कहा कि शहर में शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए ध्वनि प्रदूषण नियमों का सख्ती से पालन कराया जाए। महापौर के हस्तक्षेप के बाद

एसएसपी ने तत्काल अधीनस्थ अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में ऐसे धार्मिक स्थलों को चिन्हित करें जहां नियमों की अनदेखी हो रही है। महापौर शर्मा ने कहा कि उनका उद्देश्य किसी की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाना नहीं, बल्कि कानून का पालन कराना है।

उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के नियमों के अनुसार रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक लाउडस्पीकर का उपयोग पूर्णतः प्रतिबंधित है। दिन के समय भी ध्वनि की तीव्रता निर्धारित डेसिबल सीमा के भीतर होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि शहर में नियमों के विरुद्ध लगे लाउडस्पीकर हटाए जाएंगे। एसएसपी ने आश्वासन दिया है कि पहले संबंधित पक्षों को चेतावनी दी जाएगी। बावजूद सुधार नहीं हुआ तो लाउडस्पीकर उतारकर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। महापौर ने सभी धर्मगुरुओं और प्रबंधन समितियों से अपील करते हुए कहा कि सामाजिक उत्तरदायित्व निभाते हुए स्वेच्छा से मानकों का पालन करें। ताकि शहर में सौहार्दपूर्ण वातावरण बना रहे।

शिक्षकों की सेवा और सुरक्षा की उठाई मांग

संवाददाता, रुद्रपुर

- मूल निवासी संघ के पदाधिकारियों ने डीएम के माध्यम से राष्ट्रपति को भेजा ज्ञापन
- बोले-चयन प्रक्रिया के समय टीईटी नहीं था अस्तित्व में

अमृत विचार: मूल निवासी संघ के पदाधिकारियों ने टीईटी लागू होने से पहले नियुक्त प्राथमिक एवं जूनियर हाई स्कूल शिक्षकों की सेवा-सुरक्षा और संवैधानिक अधिकारों की रक्षा की मांग की है। पदाधिकारियों ने इस आशय का एक ज्ञापन जिलाधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति को प्रेषित किया है।

सोमवार को कलेक्ट्रेट पहुंचे संघ के पदाधिकारियों ने कहा कि उनका उद्देश्य न तो शिक्षा की गुणवत्ता का विरोध करना है और न ही माननीय सर्वोच्च न्यायालय के किसी निर्णय से असहमति जताना है, बल्कि सेवा में कार्यरत शिक्षकों के समक्ष उत्पन्न व्यावहारिक, मानसिक और संवैधानिक समस्याओं की ओर प्रशासन का ध्यान आकर्षित करना है। उन्होंने कहा कि राज्य के प्राथमिक और जूनियर हाईस्कूलों में हजारों शिक्षक टीईटी लागू होने से पूर्व तत्कालीन नियमों के अनुसार नियुक्त किए गए थे।

उस समय बीटीसी, बीएड, जेबीटी और जैसी योग्यताएं ही मान्य थी। चयन प्रक्रिया पूर्णतः नियम सम्मत थी। टीईटी उस समय कहीं अस्तित्व में नहीं था। सेवा के मध्य टीईटी को अनिवार्य किए जाने से शिक्षकों की सेवा-सुरक्षा पर प्रश्नचिह्न लग गया है, जिससे मानसिक तनाव, सामाजिक असुरक्षा और आजीविका को लेकर अनिश्चितता बढ़ गयी है। इसका असर शिक्षकों के मनोबल के साथ-साथ शिक्षा व्यवस्था की स्थिरता पर भी पड़ रहा है। इस अवसर पर मूल निवासी संघ के जिलाध्यक्ष संजय पाल, प्रांतीय उप महासचिव अमर सिंह, आरएन दोहरे, हरीश कुमार, सुधीर कुमार समेत कई लोग मौजूद रहे। उन्होंने सरकार से इस संबंध में उचित कदम उठाने को कहा है।

कार्यालय प्रभागीय वनाधिकारी अल्मोड़ा वन प्रभाग, अल्मोड़ा

पत्रांक : 4134/10-2 दिनांक : 03.01.2026

''लीसा गढान व दुलान वर्ष 2026 लीसा फसल कार्य हेतु अल्पकालीन निविदा सूचना''

इस कार्यालय के पत्रांक 3711/10-3 दिनांक 12.12.2025 द्वारा लीसा फसल वर्ष 2026 हेतु आरक्षित वनों में लीसा गढ़ान-दुलान की निविदा आमंत्रित की गयी थी जिसमें निविदा खोलने की तिथि 10.01.2026 हुयी है। दिनांक 10.01.2026 को द्वितीय शनिवार का राजकीय अवकाश होने के कारण निविदा खोलने की तिथि दिनांक 10.01.2026 के स्थान पर दिनांक 12.01.2026 निर्धारित की गयी है।

(दीपक सिंह)
प्रभागीय वनाधिकारी
अल्मोड़ा वन प्रभाग, अल्मोड़ा

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता
सिंचाई खण्ड, पी.एम.जी.एस.वाई. ज्योलीकोट (नैनीताल)
Email ID : eepmgsyjvolikot@rediffmail.com

पत्रांक : 07/निविदा/2025-26 दिनांक : 05.01.2025

अति अल्पकालीन निविदा सूचना संख्या-04/EE/2025-26

महामहिम राज्यपाल महोदय उत्तराखण्ड की ओर से अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्नलिखित कार्यों की मुहरबन्द निविदा दिनांक 17.01.2026 को अपरान्ह 1:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र जमा करते समय दो प्रतिशत धरोहर धनराशि जो एन.एस.सी./किसी राष्ट्रीयकृत बैंक द्वारा निर्गत टी.डी.आर./एफ.डी.आर. हो, को प्रतिभूति के रूप में अधिशासी अभियन्ता सिंचाई खण्ड पी.एम.जी.एस.वाई., ज्योलीकोट के पदनाम से बन्धक कर कार्यालय में जमा करना अनिवार्य होगा। निविदा प्रपत्र दिनांक 07.01.2026 से 16.01.2026 तक किसी भी कार्य दिवस में (राजकीय अवकाश को छोड़कर) 11:00 बजे पूर्वान्ह या 4:00 बजे सायं तक निर्धारित शुल्क देकर कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

डाक द्वारा निविदा प्रपत्र मगवाने पर डाक व्यय हेतु रू. 100.00 मात्र अलग से देय होगा। डाक से विलम्ब का उत्तरदायित्व विभाग का नहीं होगा। यह निविदायें दिनांक 17.01.2026 को अपरान्ह 2:00 बजे उपस्थित निविदादाताओं अथवा उनके द्वारा अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में गठित समिति द्वारा खोली जायेगी। बिना कारण बताये निविदा को निरस्त, स्वीकृत/अस्वीकृत करने का पूर्ण अधिकार अधोहस्ताक्षरी के पास सुरक्षित रहेगा।

क्र.सं.	मोटर मार्ग का नाम	धरोहर राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण कराने की अवधि	निविदा की वैधता	ठेकेदार की श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7
1.	फतेहपुर बेल बसानी मोटर मार्ग के कि.मी. 6 एवं 8 में 36 मी. स्पान स्टील गर्डर सेतु में हुई अतिवृष्टि एवं भूस्खलन से क्षति ग्रस्त भागों का पुनर्निर्माण कार्य।	50000.00	रू. 1500+ 18% GST	2 माह	30 दिन	'डी' श्रेणी एवं उच्चतर

नोट : 1.कार्य लो.नि.वि./पी.एम.जी.एस.वाई. के विशिष्टयों के अन्तर्गत कराया जायेगा। 2.अन्य शर्ते जी.पी.डब्लू.-9/जी.पी.डब्लू-8/समय-समय पर निर्गत शासनादेशों के अनुसार होगी। 3. शासनादेश सं. 6447/11(2)/11-20(सा.)/दिनांक 13.01.2013 के अनुसार अतिरिक्त परफारमेन्स सिक्योरिटी का निर्धारण किया जायेगा। 4.अनुबन्ध गठित के समय अवशेष 7 प्रतिशत कार्यपूर्ति प्रतिभूति जमा करना अनिवार्य होगा। देयकों से धरोहर धनराशि की कटौती नहीं की जायेगी। 5.निविदा के साथ लो.नि.वि. पंजीकरण, जी.एस.टी. प्रमाण पत्र, पेन कार्ड की छायाप्रति संलग्न करना अनिवार्य है। अन्यथा निविदा स्वीकार्य नहीं होगी। 6.निविदा के साथ100/- मूल्य का नॉन जूडिशियल स्टाम्प जिस पर रू. 1.00 का डाकघर रेवेन्यू का एक टिकट हस्ताक्षरयुक्त लगा हो।

(मनोज कुमार) अधिशासी अभियन्ता
सि.ख., पी.एम.जी.एस.वाई. ज्योलीकोट (नैनीताल)

2024- 25 में हुए मनरेगा के कार्यों का भुगतान शीघ्र हो

खटीमा: वर्ष 2024- 25 में मनरेगा के तहत किए कार्यों के अंश सामग्री का भुगतान नहीं होने से निवर्तमान क्षेत्र पंचायत सदस्य और ग्राम प्रधान खफा हैं। उन्होंने एक वर्ष से अधिक समय गुजरने के बाद भी सामग्री अंश का भुगतान नहीं होने पर गहरा आक्रोश व्यक्त किया है। निवर्तमान जनप्रतिनिधियों ने खंड विकास अधिकारी संजय कुमार गांधी को ज्ञापन सौंपकर भुगतान कराने की मांग की है।

बीडीओ गांधी को सौंपे ज्ञापन में निवर्तमान ग्राम प्रधान और बीसीसी ने कहा है कि सामग्री अंश का भुगतान नहीं होने पर उन्हें भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। ज्ञापन में यह भी कहा गया है कि मनरेगा कार्य के सामग्री अंश का उधम सिंह नगर सहित अन्य जनपदों के कई विकास खंडों में हो चुका है जबकि यहां आज भी भुगतान नहीं हुआ है। ज्ञापन देने वालों में महेन्द्र चन्द, ललिता राणा, कैलाश चन्द, सोनी गिहार, सपना देवी, प्रिया राणा, सुमन सिंह, रविंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

कार्यालय सहायक अभियन्ता प्रथम नलकूप खण्ड, हल्द्वानी

पत्रांक: 01/सहा0अभि0प्र0/कोटेशन/2025-26 दिनांक: 05-01-2026

कोटेशन नोटिस

महामहिम राज्यपाल, उत्तराखण्ड की ओर से अधोहस्ताक्षरी द्वारा ''जनपद नैनीताल में मुख्यालय हल्द्वानी के अन्तर्गत अधिशासी अभियन्ता, नलकूप खण्ड, हल्द्वानी के प्रयोगार्थ राजकीय कार्य हेतु एक डीजल चलित हल्के यात्री वाहन बोलेरो जीप की 11 माह हेतु आवश्यकता है। इस हेतु इच्छुक वाहन स्वामियों से दिनांक 21.01.2026 को अपरान्ह 4:00 बजे तक मुहरबन्द कोटेशन दरें प्रति माह की दर से अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में आमंत्रित की जाती है, जो कि दिनांक 22.01.2026 को अपरान्ह 1:00 बजे अधोहस्ताक्षरकर्ता/समिति द्वारा वाहन स्वामियों अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधियों के सम्मुख नलकूप उपखण्ड, प्रथम हल्द्वानी के कार्यालय में खोली जायेंगे। अवकाश की स्थिति में उक्त कार्यवाही अगले कार्य दिवस में होगी। कोटेशन के साथ अधिशासी अभियन्ता, नलकूप खण्ड, हल्द्वानी के पदनाम से बन्धक की हुई राष्ट्रीय बचत पत्र/राष्ट्रीयकृत बैंक की एफ.डी.आर./टी.डी.आर. रू. 10000.00 (दस हजार) की संलग्न करनी आवश्यक होगी जिन कोटेशनों में धरोहर धनराशि संलग्न नहीं होगी उनको निरस्त माना जायेगा। वांछित शर्ते एवं नियम किसी भी कार्य दिवस में अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में देखी जा सकती है।

सहायक अभियन्ता प्रथम
नलकूप खण्ड, हल्द्वानी

तराई में सोमवार को रहा सबसे कम 11.6 डिग्री सेल्सियस तापमान

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: तराई में शीतलहर और कोहरे के कारण तापमान में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोमवार को तराई का अधिकतम तापमान पिछले एक सप्ताह में सबसे कम 11.6 डिग्री सेल्सियस रहा। जबकि रविवार को न्यूनतम तापमान सबसे कम 3.3 डिग्री सेल्सियस रहा।

यहां बता दें कि तराई में पिछले एक सप्ताह से आसमान में बादल छाये हुए हैं। इससे दिनभर शीतलहर चलने के साथ ही लोगों को गलन भरी ठंड का अहसास हो रहा है। वहीं मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार तराई में अभी बारिश होने की संभावना नहीं है। मंगलवार तक कई स्थानों पर घना कोहरा और ठंड रहने की उम्मीद है।

जीबी पंत विवि के मौसम वैज्ञानिक व डायरेक्टर रिसर्च डॉ. एएस नैन के अनुसार फसल को ठंड से नुकसान हो सकता है। इसलिए तापमान को नियंत्रित करने के लिए किसानों को हल्की सिंचाई करनी चाहिए। खासकर आलू की फसल में बीमारी व कीड़े लग सकते हैं।

पिछले एक सप्ताह में तराई का तापमान

तिथि	अधिकतम(डिग्री)	न्यूनतम (डिग्री)			
05 जनवरी	11.6	8.8	02 जनवरी	13.0	9.4
04 जनवरी	15.8	3.3	01 जनवरी	18.1	4.5
03 जनवरी	13.5	11.0	31 दिसंबर	15.0	10.6
			30 दिसंबर	14.5	10.9

ब्रीफ न्यूज

किच्छा के अनघ और श्याम पीएम मोदी के समक्ष रखेंगे विचार

किच्छा : विकसित भारत "यंग लीडर्स डायलॉग 2026" की राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में किच्छा के दो छात्रों ने उत्तराखंड का नाम रोशन किया है। अनघ सक्सेना ने ' 'मेक इन इंडिया' ' विषय पर प्रथम और श्याम अरोड़ा ने ' 'स्मार्ट कृषि' ' विषय पर द्वितीय स्थान प्राप्त किया है। अब ये दोनों छात्र दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समक्ष राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगे। अनघ सक्सेना (जीजीआईसी प्रधानाचार्य अंजू सक्सेना के पुत्र) और श्याम अरोड़ा (प्रवक्ता राज अरोड़ा के पुत्र) ने क्विज, निबंध लेखन, पीपीटी प्रस्तुति और साक्षात्कार जैसे कठिन चरणों को पार कर यह मुकाम पाया है। आगामी 7 जनवरी को महामहिम राज्यपाल दोनों मेधावियों को सम्मानित कर दिल्ली रवाना करेंगे, जहाँ 8 जनवरी से आयोजित तीन दिवसीय कार्यक्रम में वे पीएम मोदी के समक्ष अपनी प्रतिभा साझा करेंगे। इस उपलब्धि पर क्षेत्रवासियों और विद्यालय परिवार ने हर्ष व्यक्त किया है।

अंकिता भंडारी को न्याय दिलाने को प्रदर्शन आज

खटीमा : अंकिता भंडारी को न्याय दिलाने हेतु कांग्रेस समर्थित सहयोगी संगठन मंगलवार को प्रात : 11 बजे से पीलीभीत रोड स्थित शारदा टॉकीज के पास से जुलूस के रूप में मुख्य मार्ग पर प्रदर्शन करते हुए तहसील परिसर तक पहुंचेंगे और सीबीआई जांच की मांग को लेकर उप जिलाधिकारी के माध्यम से राज्यपाल को ज्ञापन भेजेंगे। विधायक भुवन कापड़ी के आह्वान पर प्रदर्शन में महिलाओं की बड़ी संख्या में भागीदारी का अनुमान लगाया जा रहा है।

मोबाइल की किस्त न चुकाने पर घर से जबरन उठाया टीवी

किच्छा : नगर की उत्तरांचल कॉलोनी निवासी एक महिला ने फाइनेंस कर्मी पर घर में घुसकर जबरन टीवी ले जाने और उसे बेचने का गंभीर आरोप लगाया है। पीड़िता राखी राठौर के अनुसार, उन्होंने मई में किस्तों पर एक मोबाइल लिया था, जो बाद में चोरी हो गया। किस्त जमा न होने पर संजू नामक फाइनेंस कर्मी अपने साथियों के साथ घर पहुंचा और डरा-धमका कर टीवी उठा ले गया। आरोप है कि कर्मचारी ने अब टीवी किसी और को बेच दिया है और किस्त के नाम पर 10 हजार रुपये की अवैध मांग कर रहा है। विरोध करने पर आरोपी पीड़िता को जान से मारने की धमकी दे रहा है। पुलिस ने पीड़िता की लिखित शिकायत पर मामले की जांच शुरू कर दी है।

लैपटॉप चोरी की घटना का खुलासा, दो शातिर चोर गिरफ्तार

गदरपुर : पुलिस ने क्षेत्र में हुई लैपटॉप चोरी की घटना का पर्दाफाश करते हुए दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से चोरी के 04 लैपटॉप और रुद्रपुर से चुराई गई एक बिना नंबर की मोटरसाइकिल बरामद हुई है ।बीते 11 दिसंबर को बराखेड़ा निवासी अंकुर चावला के कार्यालय से लैपटॉप चोरी हुए थे। कोतवाल संजय पाठक के नेतृत्व में पुलिस टीम ने सोमवार को मुखबिर की सूचना पर दिनेशपुर अंडरपास के पास घेराबंदी कर राजू विश्वास और इंद्रजीत मंडल (निवासी दिनेशपुर) को दबोच लिया। पूछताछ में आरोपियों ने अपना जुर्म कबूल किया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपियों का आपराधिक इतिहास खंगालना शुरू कर दिया है।

सांस्कृतिक उत्थान समिति के उत्तरायणी कौतिक का आगाज

विधिवत मंत्रोच्चारण के साथ हुआ भूमि पूजन, नौ को निकलेगी सांस्कृतिक रंगयात्रा

संवाददाता, खटीमा

खटीमा में उत्तरायणी कौतिक की तैयारी के तहत मेला स्थल पर भूमि पूजन करते समिति पदाधिकारी। ● अमृत विचार

अमृत विचार: कुमाऊं सांस्कृतिक उत्थान समिति के तत्वावधान में मकर संक्रांति पर लगने वाले सात दिवसीय उत्तरायणी कौतिक प्रक्रिया का श्रीगणेश आज भूमि पूजन के साथ शुरू हुआ। उत्तरायणी कौतिक की शुरुआत नौ को सांस्कृतिक रंगयात्रा से शुरू होकर 15 जनवरी को समाप्त होगा।

तराई बीज विकास निगम के मैदान पर समिति अध्यक्ष ठाकुर सिंह खाती की उपस्थिति में पंडित खिलेश पांडे ने सचिव भुवन चन्द्र भट्ट सपत्नी, मेला प्रभारी केडी भट्ट, कोषाध्यक्ष बीएस मेहता, जगदीश पांडे, जीडी पाठक के साथ विधिवत मंत्रोच्चारण के साथ भूमि पूजन किया। महिला कीर्तन मंडली भजन कीर्तन कर समां बांधा। उत्तरायणी कौतिक के सांस्कृतिक आयोजनों की शुरुआत नौ जनवरी को न्याय देवता गोल्ज्यू देवता की अगुआई में सांस्कृतिक रंगयात्रा नगर के मुख्य मार्गों पर निकलने के साथ होगा। नौ से 14 जनवरी तक छात्र छात्राओं को प्रतियोगिताएं आयोजित होंगे। वहीं 14 जनवरी मकर संक्रांति के दिन भव्य खिचड़ी भंडारे का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान मेला स्थल पर मेलार्थियों को अधिक सुविधाएं बेहतर बाजार, खान-पान के खोखे खोमचे, भव्य आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की अनुपम छटा बिखेरने संबंधित कार्यक्रमों एवं कलाकारों को आमंत्रित किया गया। इस अवसर पर जेएस बसेड़ा, किशन सिंह किन्ना, राजू मिताड़ी, जीएस पाठक, संजीव वर्मा, किशोर भट्ट, संजीव कांडपाल, जगदीश पांडे, प्रेम प्रकाश, गोकुल ओली, शंकर लोहनी, नरेंद्र आर्य, शांति पांडे, सावित्री चन्द, नवीन कापड़ी, कुंदन बोरा, कमला मेलकानी, भागीरथी कापड़ी, दया भट्ट, कृष्णा नेगी, प्रेमा मेहर, प्रेमा भट्ट, कल्पना चंद, भागीरथी चन्द आदि मौजूद रहे।

35 हजार लूट मामले में आरोपी गिरफ्तार

रुद्रपुर: एक वर्ष पूर्व सब्जी मंडी में एक सब्जी वाले से 35 हजार की नकदी लूट मामले में पुलिस ने पांच हजार के इनामी अभियुक्त को दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया है। जबकि घटना में शामिल तीन आरोपियों को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी थी।

जानकारी के अनुसार 30 जनवरी 2024 को आवास विकास निवासी राजकुमार सब्जी लेने मंडी गया था। वापस लौटते समय हाइवे पर अचानक साइकिल सवार ने उन्हें टक्कर मार दी और उनके जेब में रखे 35 हजार रुपये लूट लिए। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने मामले में प्राथमिक रिपोर्ट दर्ज जांच शुरू कर दी थी। साथ ही तीन आरोपियों अफजाल, अमान और आकिब को गिरफ्तार कर लिया था। जबकि उनका चौथा साथी लाइन नंबर तीन बनभूलपुरा हल्द्वानी निवासी आफताब फरार हो गया था। एसएसपी मणिकांत मिश्रा ने उस पर पांच हजार का इनाम घोषित कर दिया। एसपी क्राइम निहारिका तोमर ने बताया कि बीते दिनों पता चला कि आरोपित दिल्ली में है। इस पर बाजार चौकी प्रभारी जितेंद्र खत्री की अगुवाई में पुलिस टीम उसकी तलाश में दिल्ली पहुंची।

सितारगंज में कांग्रेस का पुतला फूंकतीं भाजपा महिला मोर्चा के कार्यकर्ता।

हत्याकांड पर सियासत कर रही कांग्रेस पार्टी

संवाददाता सितारगंज

अमृत विचार : भाजपा महिला मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस पर अंकिता भंडारी हत्याकांड पर राजनीति करने का आरोप लगाया है। कहा कि कांग्रेस बिना किसी तथ्य के भाजपा के खिलाफ बयानबाजी कर रही है।

सोमवार को भाजपा महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं ने नगर के मुख्य चौराहे पर कांग्रेस का पुतला दहन किया। महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष नीता सक्सेना ने कहा कि भाजपा सरकार ने एसआईटी से अंकिता भंडारी हत्याकांड की जांच कराई। आरोपी आजीवन कारावास की सजा काट रहे हैं। भाजपा जिलाध्यक्ष कमल जिन्दल ने कहा कि कांग्रेस इस मामले पर ओछी राजनीति कर रही है। इस मौके पर महिला मोर्चा की जिला मंत्री सुलोचना रावत, जानकी कोली, मीना अरोड़ा, देवकी देवी, गुरुजीत कौर, बीना साहू, श्रुति विश्वास, मुन्नी पांडे, नवीन भट्ट निराला, रवि रस्तोगी, अमित रस्तोगी, भोला जोशी, सत्येंद्र दिवाकर, सतीश उपाध्याय, ललित सक्सेना शिवम रस्तोगी आदि मौजूद रहे।

सीसी मार्ग का शुभारंभ करते विधायक अरविंद पांडेय व जिपंस भावना कोरंगा।

चरनपुर में सीसी मार्ग का निर्माण शुरू

दिनेशपुर: ग्राम चरनपुर के ग्रामीणों की 10 वर्षों पुरानी मांग अब पूरी होने जा रही है। जिला पंचायत द्वारा 10 लाख रुपये की लागत से स्वीकृत 160 मीटर लंबे सीसी मार्ग का सोमवार को विधायक अरविंद पांडेय और जिला पंचायत सदस्य भावना कोरंगा ने संयुक्त रूप से शिलान्यास किया।

यह मार्ग स्वर्गीय रतन सिंह डोगरा के घर से हरीश रजवार के घर तक बनाया जाएगा। विधायक पांडेय ने कहा कि जिपंस भावना कोरंगा ने अपने चुनावी वादे को प्राथमिकता के साथ पूरा किया है। ग्रामीणों ने खुशी जताते हुए अतिथियों का फूल-मालाओं से जोरदार स्वागत किया। इस अवसर पर पूर्व सूबेदार मेजर हिम्मत सिंह कुंवर, नरेंद्र सिंह कोरंगा, हिमांशु सरकार सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

दर्जनों ग्रामीणों ने ली भाजपा की सदस्यता, स्वागत किया

● भाजपा किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष राजेश बजाज व सांसद प्रतिनिधि प्रीत ग्रोवर के नेतृत्व में दर्जनों ग्रामीण हुए भाजपा में शामिल

संवाददाता, दिनेशपुर

भाजपा की सदस्यता लेते ग्रामीण। ● अमृत विचार

अमृत विचार: विधानसभा रुद्रपुर के ग्राम मोहनपुर नंबर-एक के हॉस्पिटल कॉलोनी के दर्जनों ग्रामीणों ने भाजपा किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष राजेश बजाज व सांसद प्रतिनिधि प्रीत ग्रोवर के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की देश भक्त व विचारधारा को मानते हुए सदस्यता ग्रहण की। इस दौरान भाजपा में शामिल नए सदस्यों को जनप्रतिनिधियों ने माला पहनाकर स्वागत किया।

सोमवार को ग्राम मोहनपुर नंबर-एक में आयोजित शपथ समारोह को संबोधित करते हुए भाजपा किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष राजेश बजाज ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी व रुद्रपुर विधायक शिव अरोरा द्वारा क्षेत्र में किए विकास कार्यों से प्रभावित होकर दर्जनों ग्रामीणों ने भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की है। सांसद प्रतिनिधि प्रीत ग्रोवर ने कहा कि गदरपुर खंड विकास के पिछड़े ग्रामीण क्षेत्रों में प्राथमिकता से विकास कार्य किया जा रहा है। कार्यक्रम का संचालन अनूप सागर ने किया। इस मौके पर भाजपा की सदस्यता अभियान में प्रधान शिशु देव, सुमित चंदावल, अशोक कुमार, रवि सागर, राज कुमार, अंकुर कुमार, शिव कुमार, मन्नू सागर, कमल सिंह, बंटी सागर, छत्रपाल सिंह, अनुज सागर, जितेंद्र कुमार आदि मौजूद रहे।

पुलिस ने नशेड़ी के लूट की साजिश को किया नाकाम

संवाददाता सितारगंज

अमृत विचार: पुलिस ने एक नशेड़ी को दबोच कर उसकी लूट करने की साजिश को नाकाम कर दिया। वहीं, मामले में पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट में प्राथमिकी दर्ज की है।

एसआई ललित चौधरी ने बताया कि रविवार रात को वह अपनी टीम के साथ शांति व्यवस्था बनाए रखने के बाबत गश्त कर रहा था। जब वह केशव नगर वार्ड से होते हुए श्मशान घाट के पास स्थित पुलिया के पास पहुंचा ही था कि एक संदिग्ध व्यक्ति वहां से भागता हुआ नजर आया। बताया कि शक होने पर उसे पुलिया से 100 मीटर दूर स्थित जंगल में घेर कर पकड़ लिया।

पूछताछ में उसने बताया कि उसका नाम आकाश गुप्ता है। वह बाईपास कॉलोनी, वार्ड नंबर 11 सितारगंज में रहता है। तलाशी लेने पर पुलिस को उसके पास से एक चाकू बरामद हुआ।

● तलाशी लेने पर आरोपी के पास से एक चाकू बरामद हुआ

उसने बताया कि वह नशे का आदी है। नशा खरीदने के लिए उसे रुपये की जरूरत थी। इसीलिए उसने जंगल में पशुओं को चराने के लिए आने वाले किसी भी व्यक्ति को लूटने की योजना बनाई थी। उसकी योजना थी कि वह चाकू दिखाकर व्यक्ति से मोबाइल, पैसा आदि लूट लेगा। वहीं, मौके पर पहुंची पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर उसकी लूट करने की साजिश को नाकाम कर दिया। सीओ बीएस धौनी ने बताया कि आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट में प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस मामले की विवेचना कर रही है।

सीएम ने देहरादून में एसएसबी जवानों को किया सम्मानित

संवाददाता, सितारगंज

एसएसबी जवानों को सम्मानित करते मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी। ● अमृत विचार

अमृत विचार : सीएम धामी ने उत्कृष्ट कार्य के लिए 57 वीं वाहिनी एसएसबी के अधिकारियों और जवानों को सम्मानित किया। इस दौरान सीएम ने अधिकारियों और जवानों के साहस, सेवा और समर्पण की प्रशंसा की।

रविवार को देहरादून में अर्पित फाउंडेशन की ओर से आयोजित कार्यक्रम में सीएम ने 57 वीं वाहिनी एसएसबी के कमांडेंट मनोहर लाल, उप कमांडेंट अनिल कुमार यादव सहित बल के अन्य अधिकारियों और जवानों को राष्ट्र सेवा, सीमांत और आंतरिक सुरक्षा बनाए रखने के लिए किए गए उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। वहीं, सीएम धामी ने कहा कि एसएसबी देश की सुरक्षा व्यवस्था की एक सशक्त रीढ़ है। सीमाओं की सुरक्षा, आपदा प्रबंधन एवं जनसेवा में एसएसबी का योगदान अतुलनीय है। भविष्य में भी राज्य एवं राष्ट्र को इस बल से इसी प्रकार का समर्पण, सहयोग एवं निष्ठा मिलता रहेगा। उन्होंने कहा कि एसएसबी उनके आवास क्षेत्र खटीमा में तैनात है। जिस कारण उनका इस बल से विशेष लगाव और आत्मीय संबंध रहा है।

कुत्तों के आतंक से निजात की गुहार

खटीमा: नगर क्षेत्र में बढ़ते आवारा कुत्तों के आतंक और आए दिन लोगों को काटने के मामले सामने आने पर पंजाबी कॉलोनी और नगर वासियों ने नगर पालिका अध्यक्ष रमेश चंद्र जोशी और अधिशाषी अभियंता प्रियंका आर्या को ज्ञापन सौंपकर इस पर अंकुश लगाने की मांग की।

कुछ दिन पूर्व पंजाबी कॉलोनी में आवारा कुत्तों ने एक ही परिवार के तीन बच्चों को काट लिया। जिनका उपचार चल रहा है। स्थानीय निवासियों ने पालिकाध्यक्ष जोशी को ज्ञापन सौंपकर आवारा कुत्तों से निजात दिलाने की मांग की। ईओ आर्या ने कहा कि शीघ्र ही नगर पालिका द्वारा आवारा कुत्तों के बधियाकरण का अभियान चलाया जाएगा। इस संबंध में जल्द ही पत्राचार कर कार्यवाही की जाएगी।

बरहैनी के पास पेड़ से तेज रफ्तार कार टकराई

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार: नैनीताल स्टेट हाईवे पर रविवार रात बरहैनी पुलिस चौकी के समीप एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर सेमल के पेड़ से जा टकराई। हादसा उस समय हुआ जब बाजपुर से कालाढूंगी की ओर जा रही कार चालक ने सामने से आ रहे वाहन को बचाने का प्रयास किया। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, लेकिन सौभाग्य से कार सवार सभी लोग सुरक्षित बच गए।

सूचना पर पहुंची बरहैनी पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहन को कब्जे में लेकर यातायात सुचारू करवाया। पुलिस ने हाईवे पर वाहन चालकों से गति नियंत्रित रखने और सावधानी बरतने की अपील की है ताकि ऐसे हादसों से बचा जा सके। पुलिस जांच कर रही है।

● बाल-बाल बचे सवार, कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त

बाजपुर में 19 भैंसों की खाल बरामद

बाजपुर: पुलिस ने पशु तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए मुड़िया तिराहे के पास एक पिकअप वाहन से 19 भैंसों की खाल बरामद की है। पुलिस की भनक लगते ही तस्कर वाहन छोड़कर फरार हो गए। उपनिरीक्षक प्रह्लाद सिंह ने मुखबिर की सूचना पर दबिश देकर मस्जिद के पास गली से नीले रंग की पिकअप बरामद की। वाहन की तलाशी लेने पर उसमें नमक के कट्टों के बीच काली बालदार खालें मिलीं। पशु चिकित्सक डॉ. कोमल सिंह ने मौके पर पहुंचकर सैंपल लिए और खालों के भैंस की होने की पुष्टि की। पुलिस ने अज्ञात तस्करों के खिलाफ बीएनएस की धारा 325 के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। सड़ने की आशंका को देखते हुए खालों को नष्ट किया जाएगा।

हाईकोर्ट | मामले में अगली सुनवाई के लिए 9 जनवरी की तिथि नियत की

सिरौलीकलां समेत पांच गांवों में याचिकाकर्ता से मांगी आपत्ति

विधि संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार : हाईकोर्ट ने ऊधम सिंह नगर जिले के सिरौलीकलां सहित करीब पांच अन्य ग्रामों में अवैध खनन करने को लेकर दायर जनहित याचिका पर सुनवाई की। मामले की सुनवाई के बाद मुख्य न्यायधीश जी नरेंद्र व न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की खंडपीठ ने मामले में अगली सुनवाई के लिए 9 जनवरी की तिथि नियत की है। मामले की सुनवाई के बाद कोर्ट ने याचिकाकर्ता से कहा है कि जिला खनन अधिकारी ने जो रिपोर्ट कोर्ट में पेश की उसपर आपको कुछ कहना है तो अपना शपथपत्र कोर्ट में पेश करें। वहीं, याचिकाकर्ता का कहना है कि खनन अधिकारी ने जो रिपोर्ट कोर्ट में पेश की वह रिपोर्ट खनन मानकों के अनुरूप नहीं है। अगर यह राजस्व भूमि है तो भी उपसर खनन करने की अनुमति ली जानी चाहिए। इसपर कोर्ट ने याचिकाकर्ता से अपनी आपत्ति पेश करने को कहा है।

मामले के अनुसार ऊधम सिंह नगर के सिरौलीकलां निवासी मोहम्मद इमरान रजा व अन्य ने जनहित याचिका दायर कर कहा कि सिरौली कलां सहित उनके आसपास के पांच अन्य ग्रामों में अवैध खनन किया जा रहा है। इसकी वजह से उनकी भूमि का कटान हो रहा है और पर्यावरण को भी नुकसान हो रहा है। यही नहीं अवैध खनन से भूमि मे पंद्रह से तीस फुट गहरे गड्ढे हो गए हैं। पिछले साल गड्ढों मे पानी भरने कि वजह से दो मासूमों को जान गंवानी पड़ी। जब ग्रामीण इसका विरोध करते हैं तो उन्हें डराया धमकाया जाता है। अभी भी अवैध खनन हो रहा है। उसकी वर्तमान फोटोग्राफ भी जनहित याचिका मे लगाए गई हैं। जनहित याचिका मे उन्होंने कोर्ट से प्रार्थना कि है कि अवैध खनन पर रोक लगाई जाए।

अनाज के सड़ने पर 18 फरवरी तक जवाब दें

नैनीताल : हाईकोर्ट ने ऊधम सिंह नगर जिले में वर्ष 2021 में हुए 99 क्विंटल के अधिक का अनाज बिना वितरण व रखरखाव के चलते सड़ने पर डीएम के आदेश पर दोषियों से रिकवरी के आदेश को कमिश्नर द्वारा माफ किए जाने को लेकर दायर जनहित याचिका पर सुनवाई की। मामले की सुनवाई के दौरान आज राज्य सरकार की तरफ से इसमें रिपोर्ट दायर कर कहा कि कोर्ट के आदेश पर राज्य सरकार ने मामले की जांच करने के लिए एक तीन सदस्यीय कमेटी गठित कर दी गई है। इस पर कोर्ट ने राज्य सरकार से कहा है कि गठित कमेटी की जांच रिपोर्ट 18 फरवरी से पहले कोर्ट में पेश करें। मामले के अनुसार हरिद्वार निवासी अभिजीत ने उच्च न्यायालय में जनहित याचिका दायर कर कहा है कि वर्ष 2021 में सस्ता गल्ला के तहत बांटा जाने वाला 99 क्विंटल अधिक का अनाज रख रखाव के अभाव में सड़ गलकर खराब हो गया। जिसकी जांच के बाद जिलाधिकारी ऊधम सिंह नगर ने दोषियों के रिकवरी करने के आदेश दिए थे। जिसे खाद्य आपूर्ति कमिश्नर द्वारा माफ कर दिया गया। याचिका में कोर्ट से सस्ता गल्ला राशन में हुए घोटाले की जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही करने की प्रार्थना की गई है।

फर्जी प्रमाण पत्र बनाने का आरोप

सितारगंज : बाहरी प्रदेश में रहने वाले व्यक्ति पर तहसील कर्मियों से मिलीभगत से फर्जी प्रमाण पत्र बनाने का आरोप लगाया है। मामले में पुलिस ने आरोपी व्यक्ति के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज किया है।

गांव लोका निवासी पुष्पेंद्र सिंह कंबोज ने बताया कि गांव दड़हा निवासी सुनील यादव मूल रूप से उत्तर प्रदेश का रहने वाला नहीं है। आरोप लगाया कि उसने तहसील कर्मियों की मिलीभगत से फर्जी भूमिहीन प्रमाण पत्र, स्थायी निवास प्रमाण पत्र, राशन कार्ड, परिवार रजिस्टर की नकल, आधार कार्ड आदि दस्तावेज बनाए हैं। उसने उत्तराखंड भू अधिनियम के खिलाफ जाकर उत्तराखंड में कई एकड़ कृषि भूमि खरीदी है। बताया कि तहसीलदार सितारगंज से उक्त व्यक्ति के कूटरचित कागजातों के संबंध में सूचना मांगी गई थी।

बहुउद्देशीय शिविर में समस्याएं सुनते अधिकारी।

शिविर में गूंजी बिजली-पानी की समस्या

नानकमत्ता: गुरु नानक इंटर कॉलेज के प्रांगण में सोमवार को आयोजित बहुउद्देशीय शिविर में क्षेत्र की जनता ने बिजली, पानी, सड़क और बीपीएल राशन कार्ड जैसी मूलभूत समस्याएं प्रमुखता से उठाईं। शिविर में कुल 75 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 32 का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया।

जिला विकास अधिकारी सुनील मोहन बड़वाल ने ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए विकास कार्यों के प्रति प्रतिबद्धता जताई। शिविर में राजस्व, स्वास्थ्य, विद्युत, जल संस्थान और बाल विकास सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। इस अवसर पर तहसीलदार हिमांशु जोशी, सीडीओ सी.आर. आर्या, पूर्व विधायक प्रेम सिंह राणा और नगर पंचायत अध्यक्ष प्रेम सिंह टुरना आदि उपस्थित थे।

अमृत विचार

हल्द्वानी , मंगलवार,6 जनवरी 2026

प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में काशीपुर में निकला नगर कीर्तन

महिलाओं ने नगर कीर्तन में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया, फूलों से सजी पालकी आकर्षण का मुख्य केन्द्र रही, सबसे आगे युवा निशान साहिब लेकर चल रहे थे

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: गुरु गोविन्द सिंह महाराज के प्रकाश पर्व पर सोमवार को एक विशाल नगर कीर्तन निकाला गया। महिलाओं ने नगर कीर्तन में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। फूलों से सजी पालकी आकर्षण का मुख्य केन्द्र रही।

भारी संख्या में क्षेत्रीय जनमानस, राजनीतिक जनप्रतिनिधियों और नेताओं ने गुरु ग्रंथ साहिब की पावन पालकी के दर्शन किए। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत सिख समाज के लोग मोहल्ला पक्काकोट स्थित गुरुद्वारा श्री ननकाना साहिब (बड़ा गुरुद्वारा) में एकत्रित हुए। यहां से गुरुद्वारा श्री ननकाना साहिब प्रमुख बाबा सुरेन्द्र सिंह दिल्ली वालों की अगुवाई में विशाल एवं भव्य नगर कीर्तन निकाला गया।

इस अवसर पर विधायक त्रिलोक सिंह चीमा भी नगर कीर्तन में शामिल हुए। भव्यता पूर्वक निकाले गये नगर कीर्तन में सबसे आगे युवा निशान साहिब को लेकर चल रहे थे। उनके पीछे संगत गुरवाणी का उद्घोष करती चल रही थी। काली मंदिर रोड से गंगे बाबा मंदिर चौक, किला तिराहा, मुख्य बाजार, एमपी चौक, चीमा चौराहा से होते रामनगर रोड पर सरकारी अस्पताल के पास होते हुए उदयराज फील्ड व नागनाथ मंदिर तिराहा होकर नगर कीर्तन पुनः गुरुद्वारा श्री ननकाना साहिब पहुंचा जहां पर नगर कीर्तन का समापन किया गया।

काशीपुर में निकले नगर कीर्तन की अगुवाई करते पंज प्यारे। ● अमृत विचार

नगर कीर्तन में हैरतंगेज करतब दिखाती गतका पार्टी। ● अमृत विचार

सिटी ब्रीफ

दहेज की मांग पूरी न होने पर पत्नी को दिया तीन तलाक

काशीपुर : दहेज की खातिर एक महिला को प्रताड़ित कर तीन तलाक देने का मामला सामने आया है। मोहल्ला खालसा निवासी गुलफसा का निकाह सितंबर 2018 में मुरादाबाद निवासी मोहम्मद इकराम के साथ हुआ था। आरोप है कि शादी के बाद से ही पति, सास-ससुर और देवर दो लाख रुपये और बाइक की मांग को लेकर उसे प्रताड़ित कर रहे थे। पीड़िता के अनुसार, न्यायालय के माध्यम से एक बार समझौता होने के बाद भी ससुरालियों का व्यवहार नहीं बदला। 22 सितंबर 2025 को आरोपियों ने दहेज के लिए उसके साथ मारपीट की और पति ने तीन तलाक देकर बच्चों सहित घर से निकाल दिया। पुलिस ने पति इकराम समेत अन्य ससुरालियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कर्ज चुकाने के बाद भी महिला पर लगाया चेक बाउंस का झूठा केस

काशीपुर : मोहल्ला ओम विहार निवासी एक स्कूल संचालिका ने सूदखोर पर धोखाधड़ी का आरोप लगाया है। पीड़िता नीरजा सिंह के अनुसार, उन्होंने वर्ष 2020 में स्कूल निर्माण हेतु ओमदत्त शर्मा से 5 प्रतिशत ब्याज पर एक लाख रुपये उधार लिए थे, जिसके एवज में एक ब्लैंक चेक सुरक्षा के तौर पर दिया था। आरोप है कि मूलधन और ब्याज चुकाने के बाद जब महिला ने अपना चेक वापस मांगा, तो आरोपी 5 लाख रुपये की अतिरिक्त मांग करने लगा। बाद में आरोपी ने चेक में 5,60,000 की भारी भरकम राशि भरकर उसे बिजनौर के बैंक में बाउंस करा दिया।

रागी जत्थों ने गुरु महिमा का बखान कर किया संगत को निहाल

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: सिखों के दसवें गुरु गुरु गोविंद सिंह के पावन प्रकाश पर्व पर सोमवार को गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा दशमेश नगर आवास विकास कॉलोनी में श्रद्धा, भक्ति एवं उल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में विशेष रूप से दरबार साहिब, अमृतसर से आए रागी जत्थों एवं प्रसिद्ध कथावाचकों ने शिरकत की। इस दौरान रागी जत्थों ने गुरु की महिमा का बखान किया।

सोमवार को कार्यक्रम के दौरान हरबोल सिंह जरूमी जालंधर वाले, ज्ञानी विचित्तर सिंह हैड ग्रंथी गुरुद्वारा नानक व्याऊ साहिब, भूपिंदर सिंह फिरोजपुरी, ज्ञानी विक्रमजीत सिंह अनमोल इंटरनेशनल ढाडी जत्था, गुरविंदर सिंह रुद्रपुर, हरजिंदर सिंह प्रचारक उत्तराखंड सिख मिशन, रेशम सिंह कथावाचक, परमजीत सिंह हजूरी कीर्तनी जत्था, हरविंदर सिंह हजूरी हेड ग्रंथी, गुरदेव सिंह, कुलदीप सिंह रुद्रपुर और उत्तम नगर सहित अन्य कीर्तन एवं ढाडी जत्थों ने गुरु जस, कथा और कीर्तन के माध्यम से संगत को निहाल किया।

साथ ही गुरु महाराज के जीवन, त्याग और बलिदान पर प्रकाश डालते हुए वक्ताओं ने उनके आदर्शों पर चलने का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान गुरु का अटूट लंगर निरंतर चलता रहा, जिसे संगत ने श्रद्धापूर्वक ग्रहण किया। इस दौरान गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा के प्रधान सोमपाल सिंह, सचिव बलविंदर सिंह, उप सचिव राजन सिंह बजाज, कोषाध्यक्ष श्रद्धा सिंह सहित कमेटी के अन्य सदस्यों एवं संगत मौजूद रही।

पूर्व विधायक ठुकराल को सम्मानित करते गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के पदाधिकारी।

गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा दशमेश नगर में सजा दरबार।

गुरु गोविंद सिंह जयंती पर गुरुद्वारा बिंदुखेड़ा में भव्य आयोजन

रुद्रपुर : सिखों के दसवें गुरु गुरु गोविंद सिंह के पावन प्रकाश पर्व के अवसर पर बिंदुखेड़ा स्थित गुरुद्वारा साहिब में भव्य धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। क्षेत्र की संगत ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस दौरान गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल को सरोपा भेंट कर सम्मानित किया। इस दौरान पूर्व विधायक ठुकराल ने कहा कि गुरु गोविंद सिंह जी का जीवन त्याग, साहस और मानवता की सेवा का प्रेरक उदाहरण है। कार्यक्रम के अंत में गुरु का अटूट लंगर वितरित किया गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

काशीपुर में पार्क का शिलान्यास करते मेयर व अन्य। ● अमृत विचार

देवभूमि रजत जयंती पार्क का किया शिलान्यास

काशीपुर : महापौर दीपक बाली ने सोमवार को मुख्य नगर आयुक्त रविंद्र कुमार बिष्ट के साथ रामनगर रोड पर स्थित एलडी भट्ट राजकीय चिकित्सालय के बाहर देवभूमि रजत जयंती पार्क का शिलान्यास किया। यह पार्क एक करोड़ 14 लाख रुपये की लागत से बनकर तैयार होगा जिससे काशीपुर की सुंदरता बढ़ेगी। साथ ही राजकीय चिकित्सालय में आने वाले रोगियों और उनके तीमारदारों को भी हरा भरा साफ और सुंदर पार्क होने से प्रदूषण से मुक्ति मिलेगी। इस अवसर पर महापौर दीपक बाली ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के लगातार मिल रहे आशीर्वाद के चलते काशीपुर आए दिन विकास के मार्ग पर अग्रसर है। शिलान्यास अवसर पर पीसीयू चेयरमैन राम मल्होत्रा, ईश्वर चंद्र गुप्ता, सहायक नगर आयुक्त विनोद लाल शाह, पार्षद शाह आलम, बीना नेगी, दीपा पाठक, सीमा सागर, हनीफ गुड्डू, सतीश कुमार, वैशाली गुप्ता, अनीता कांबोज, प्रकाश नेगी, मुकेश चावला, मयंक मेहता, शरीफ अहमद, अब्दुल कादिर आदि मौजूद रहे।

बाजपुर में भी गूंजा '...जो बोले सो निहाल'

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार: गुरु गोविंद सिंह महाराज के प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में सोमवार को भव्य नगर कीर्तन निकाला गया। बैंतखेड़ी गुरुद्वारा साहिब से अरदास के साथ शुरू हुआ यह नगर कीर्तन पुष्प वर्षा और ''बोले सो निहाल'' के जयघोष के बीच विभिन्न मार्गों से होता हुआ बाजपुर गुरुद्वारा साहिब पहुंचा।

नगर कीर्तन की अगुवाई पंज प्यारों और श्री गुरु ग्रंथ साहिब की पालकी ने की। सबसे आगे हाथी पर नगाड़ा साहिब और ऊंटों की मनोरम झांकियां आकर्षण का केंद्र रहीं। मार्ग में सैकड़ों स्थानों पर संगत ने पुष्प वर्षा कर और ''सिरोपाओ'' भेंट कर भव्य स्वागत किया। इस दौरान सिख फुलवाड़ी के बच्चों ने गुरु महाराज के इतिहास से जुड़े नारों से क्षेत्र को गुंजायमान कर दिया।

विक्रमपुर में नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य, सर्व प्रदेश गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष हरमिंदर सिंह ढिल्लों और पूर्व विधायक संजीव आर्य ने स्वागत किया। मुख्य मार्ग पर सांसद अजय भट्ट के नेतृत्व में भाजपा नेताओं और रामराज रोड पर पालिकाध्यक्ष गुरजीत सिंह गित्ते ने नगर कीर्तन का स्वागत सत्कार किया। इस मौके पर गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष कुलविंदर सिंह किंदा, सचिव अवतार सिंह सैनी, पूर्व अध्यक्ष बीबी मनमीत कौर, ग्राम प्रधान हरमीत सिंह बड़ैच, जगतार सिंह बाजवा, मंगा सिंह, सुरजन सिंह, रंजीत सिंह, यूके इंटरनेशनल के प्रबंधक पंकज चानना, अशोक गोयल आदि मौजूद रहे। वहीं रामराज रोड वासियों द्वारा मंडी गेट पर भव्य स्वागत किया गया तथा खीर का लंगर लगाया गया।

पंज प्यारों व बाबा अवतार सिंह सुरसिंघ वालों का स्वागत करते नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य एवं जनप्रतिनिधि।

मेयर बाली ने ईई को पत्र लिखकर दिए निर्देश

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: इंदौर में प्रदूषित पानी के कारण हुई जनहानि को गंभीरता से लेते हुए महापौर दीपक बाली ने उत्तराखंड जल संस्थान के अधिशासी अभियंता को पत्र लिखकर कड़े निर्देश जारी किए हैं। महापौर ने कहा कि इंदौर जैसी दुर्भाग्यपूर्ण घटना काशीपुर में न हो, इसके लिए शहर की पेयजल व्यवस्था का तत्काल परीक्षण जरूरी है।

पत्र में उन्होंने अधिशासी अभियंता से कहा कि पूरे नगर क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति की नियमित जांच की जाए और उसकी रिपोर्ट नगर निगम को सौंपी जाए। नालों और सीवर लाइनों के पास से गुजरने वाली पाइपलाइनों का विशेष निरीक्षण हो ताकि लीकेज या गंदे पानी के मिश्रण की संभावना न रहे। जहां भी तकनीकी या मानवीय त्रुटि के कारण लाइनें क्षतिग्रस्त हैं, उन्हें तुरंत ठीक किया जाए। नगर निगम द्वारा हस्तांतरित 4 करोड़ की राशि से किए गए कार्यों की वर्तमान स्थिति और स्थानों का विवरण मांगा गया है।

महापौर ने स्पष्ट किया कि जनता के स्वास्थ्य के साथ कोई समझौता नहीं किया जाएगा और भविष्य में किसी भी अप्रिय स्थिति से बचने के लिए जल संस्थान को प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई करनी होगी।

ई-टूल्स के माध्यम से कार्यालयी कार्यों को अधिक सुगम बनाएं

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम) काशीपुर में सोमवार को राजभाषा हिंदी के प्रभावी कार्यान्वयन को लेकर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में दिल्ली विश्वविद्यालय के विशेषज्ञ डॉ. ओमप्रकाश आचार्य ने संवैधानिक प्रावधानों और डिजिटल युग में ''हिंदी ई-टूल्स'' के व्यावहारिक उपयोग पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि ई-टूल्स के माध्यम से कार्यालयी कार्यों को अधिक सुगम और परिणामोन्मुखी बनाया जा सकता है।

संस्थान के निदेशक प्रो. नीरज द्विवेदी और मुख्य प्रशासनिक अधिकारी कर्नल अजय कुमार उपाध्याय (सेवानिवृत्त) ने हिंदी को प्रशासनिक दक्षता और पारदर्शिता का माध्यम बताया। कार्यक्रम का शुभारंभ सहायक प्रबंधक (राजभाषा) काजल रजक ने दीप प्रज्वलन कर किया, जबकि स्वागत भाषण हिंदी अधिकारी डॉ. मोहम्मद आसिफ खान ने दिया। अंत में मुख्य प्रशासनिक अधिकारी ने वक्ता को स्मृति चिन्ह भेंट कर आभार व्यक्त किया।

काशीपुर आईआईएम में दीप प्रज्ज्वलित करते मुख्य अतिथि। ● अमृत विचार

बलकार बने भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: क्षेत्र के प्रगतिशील किसान सरदार बलकार सिंह को भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा का प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। नई जिम्मेदारी संभालते हुए सरदार बलकार सिंह ने अपनी प्राथमिकताओं को विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार और उत्तराखंड की पुष्कर सिंह धामी सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को अंतिम छोर पर बैठे किसानों तक पहुंचाना उनका मुख्य लक्ष्य है। प्रयास रहेगा कि किसानों को सरकार की नीतियों का शत प्रतिशत लाभ मिले और उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान हो सके। पार्टी नेतृत्व का आभार जताते हुए सरदार बलकार सिंह ने कहा कि वे किसानों के हितों की रक्षा के लिए हमेशा तत्पर रहेंगे। उल्लेखनीय है कि सरदार बलकार सिंह प्रगतिशील किसान हैं और भाजपा किसान मोर्चा में काशीपुर जिलाध्यक्ष पद का बखूबी निर्वहन कर चुके हैं। उनकी नियुक्ति पर नगर निगम महापौर दीपक बाली, विधायक त्रिलोक सिंह चीमा, पूर्व विधायक हरभजन सिंह चीमा, भाजपा प्रदेश प्रवक्ता गुरविंदर सिंह चंडोक, भाजपा जिलाध्यक्ष मनोज पाल समेत भाजपा से जुड़े ग्राम प्रधानों, पार्षदों ने बधाई दी है।

ससुरालियों पर मारपीट का आरोप

काशीपुर: ग्राम शिवलालपुर अमरझंडा निवासी रजनी देवी ने अपने पति और ससुरालियों पर दहेज उत्पीड़न और प्रताड़ना का आरोप लगाया है। रजनी का विवाह 15 वर्ष पूर्व जाफराबाद (बिजनौर) निवासी अजय पाल के साथ हुआ था। आरोप है कि शादी के बाद से ही ससुराल पक्ष उसे दहेज के लिए शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहा था।

पीड़िता का कहना है कि उसे झूठे आरोपों में फंसाकर घर से निकाल दिया गया, जिसके बाद वह मायके में रह रही है। अब पति ने ननद और अन्य रिश्तेदारों के बहकावे में आकर उसे तलाक का नोटिस भेजा है, जिससे वह मानसिक रूप से परेशान है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर पति अजय पाल समेत अन्य के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

काशीपुर में फुटबॉल खेलते खिलाड़ी। ● अमृत विचार

नाइजीरियन की टीम ने जीता मैच

काशीपुर : कुंडेश्वरी फुटबॉल क्लब की ओर आयोजित शहीद स्मृति राज्य स्तरीय फुटबाल टूर्नामेंट के तीसरे दिन दिल्ली और रामनगर टीम के बीच मैच खेला गया। सोमवार को किसान इंटर कॉलेज खेल मैदान में करीब तीन बजे टूर्नामेंट का शुभारंभ मुख्य अतिथि कुंडेश्वरी पुलिस चौकी इंचार्ज चंदन सिंह बिष्ट ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। इस दौरान स्पोर्टिंग क्लब रामनगर और नाइजीरियन छात्र दिल्ली की टीम के मध्य खेला गया। इसमें नाइजीरियन खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर 3-1 से जीत दर्ज की। इस मैच के ऑफिशियल सेंटर रेफरी भूपेंद्र सिंह, सहायक कपिल कुमार और अनुराग कांडपाल रहे। इस मौके पर समिति अध्यक्ष राकेश मोहन लखेड़ा, उपाध्यक्ष महक सिंह, गजेंद्र सिंह, हिमांशु नौगाईं, यश चौधरी, अनुराग कुमार, भूपेंद्र सिंह, वीरेंद्र बिष्ट, मनोज रावत, भगत प्रधान आदि मौजूद रहे।

करोड़ों की विकास योजनाओं से किच्छा को मिलेगी नई गति

संवाददाता, किच्छा

अमृत विचार: विधायक तिलक राज बेहड़ ने लोक निर्माण और सिंचाई विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर क्षेत्र की मूलभूत संरचनाओं और विकास कार्यों को समयबद्ध पूरा करने के निर्देश दिए। आवास विकास स्थित कार्यालय में आयोजित बैठक में विधायक ने बताया कि उनके प्रयासों से रुद्रपुर नगर निगम के वार्ड नंबर एक में जल निकासी हेतु पुल निर्माण के लिए 1.74 करोड़ रुपये की स्वीकृति मिल गई है।

उन्होंने बताया कि नाबार्ड मद से राइट पाहा नहर (4 करोड़), देवरिया नहर (4.17 करोड़) और गोला नदी की बाढ़ सुरक्षा योजना (4.57 करोड़) के एस्टीमेट शासन को भेजे जा चुके हैं। इसके अलावा, किच्छा स्थित एम्स सैटेलाइट सेंटर परिसर के बाहर जल निकासी हेतु 8.90 करोड़ की लागत से नाला निर्माण का प्रस्ताव भी प्रेषित किया गया है। विधायक ने अधिकारियों को नहरों की सफाई और सिंचाई हेतु पर्याप्त पानी सुनिश्चित करने के कड़े निर्देश दिए।

बैठक के बाद 'जन संवाद' कार्यक्रम में विधायक ने दर्जनों लोगों की समस्याएं सुनीं। वार्ड संख्या 18 के निवासियों ने नाली सफाई और क्षतिग्रस्त विद्युत पोलों को बदलने की मांग रखी, जिस पर विधायक ने संबंधित विभागों को तत्काल कार्रवाई हेतु निर्देशित किया। इस मौके पर दर्शन कोली, नगर अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, प्रदेश महासचिव सुनीता कश्यप, ओमप्रकाश दुआ, गुरदास कालरा, गुलशन सिंधी, गौरव बेहड़, कुलदीप सिंह आदि मौजूद रहे।

किच्छा में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करते विधायक तिलक राज बेहड़। ● अमृत विचार

नुमाइश हटवाने की लगाई गुहार

संवाददाता, जसपुर

अमृत विचार: मोहल्ला नई बस्ती में लगी नुमाइश को हटवाने के लिए वार्ड वासियों ने एसडीएम एवं तहसीलदार से गुहार लगाई है।

नुमाइश को लेकर नागरिकों में भारी रोष व्याप्त है। सोमवार को वार्ड नं 20 मोहल्ला नई बस्ती के स्थानीय निवासी सभासद मो यामीन एवं इशहाक हुसैन के नेतृत्व में तहसीलदार कार्यालय पहुंचे। यहां उन्होंने तहसीलदार दलीप सिंह को ज्ञापन देते हुए कहा कि मोहल्ले में नुमाइश लग रही है। नुमाइश के कारण क्षेत्र में चोरी को घटनाएं बढ़ती हैं। जिससे स्थानीय निवासियों में भारी रोष है। लोगों ने तहसीलदार से नुमाइश हटवाने एवं परमिशन रद्द करने की मांग की। यहां शहजाद, वसीम अहमद, साजिद, समद, मकबूल अहमद, शरीफ अहमद आदि मौजूद रहे।

जसपुर में ज्ञापन देते स्थानीय निवासी। ● अमृत विचार

ब्रीफ न्यूज

चम्पावत में कांग्रेस ने फूंका भाजपा का पुतला

चम्पावत : अंकिता भंडारी हत्याकांड में लीपापोती का आरोप लगाते हुए कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने चम्पावत मोटर स्टेशन में भाजपा का पुतला फुंका। सोमवार को पार्टी अध्यक्ष चिराग फर्त्याल के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने मोटर स्टेशन रोड पर प्रदर्शन कर भाजपा सरकार के विरूद्ध नारेबाजी की। समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष ललित भट्ट ने भी विरोध प्रदर्शन को समर्थन दिया। वक्ताओं ने कहा कि मामले की सीबीआई जांच कर असली दोषियों को पकड़ा जाए। इस मौके पर पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष नानू बोहरा, विपिन जोशी, सोनू फर्त्याल, नीरज वर्मा, दिग्विजय कार्की, राजेंद्र कुमार, जीवन बिष्ट, दीपक रैंसवाल आदि मौजूद रहे।

प्रदेश मंत्री बनने पर विमला रावत का स्वागत

रानीखेत : विमला रावत को महिला मोर्चा की प्रदेश मंत्री बनाने पर भाजपाइयों ने केंद्रीय नेतृत्व का आभार करते हुए विमला रावत का स्वागत किया। विमला रावत ने कहा कि प्रदेश नेतृत्व द्वारा जो जिम्मेदारी उन्हें दी गई है, वह उसको निष्ठा पूर्वक निर्वहन करेंगी। स्वागत करने वालों में भाजपा जिला अध्यक्ष घनश्याम भट्ट, महामंत्री भूपेंद्र कांडपाल,मंडल ताड़ीखेत अध्यक्ष मुकेश पांडे, दर्शन सिंह बिष्ट, प्रदीप बिष्ट, विनोद भार्गव, गिरीश भगत रहे।

'अंकिता को न्याय दो' के नारों से गूंजा अल्मोड़ा

विधायक मनोज तिवारी के नेतृत्व में कांग्रेसियों ने निकाला जुलूस, सरकार पर दोषियों को बचाने का आरोप

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: अंकिता हत्याकांड मामले को लेकर कांग्रेस का गुस्सा लगातार बढ़ते जा रहा है। सोमवार को अल्मोड़ा में विधायक मनोज तिवारी के नेतृत्व में सैकड़ों की संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जुलूस निकाल सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। इस दौरान सांस्कृतिक नगरी अंकिता को न्याय दो के नारों से गूंज उठा।

नगर के मालरोड स्थित चौघानपाटा में सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता एकत्र हुए। जहां से कार्यकर्ताओं ने मालरोड होते मुख्य बाजार तक जुलून निकाला। इसके बाद गांधी पार्क में हुई जनसभा में विधायक तिवारी ने कहा कि अंकिता भंडारी की हत्या केवल एक परिवार की बेटी की हत्या नहीं, बल्कि पूरे समाज की आत्मा पर हमला है। सरकार इस मामले में सच्चाई को दबाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि जब तक सीबीआई जांच नहीं होती, तब तक पीड़ित परिवार को न्याय नहीं मिल सकता। पूर्व विस अध्यक्ष गोविंद सिंह कुंजवाल ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार दोषियों को बचाने का काम कर रही है। जिस तरह से सबूत मिटाए गए और जांच को कमजोर किया गया, उससे सरकार की मंशा साफ नजर आती है। कांग्रेस पार्टी सड़क से सदन तक इस लड़ाई को लड़ेगी और सीबीआई जांच कराकर ही दम लेगी।

जिलाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह भोज ने कहा कि आज अल्मोड़ा की सड़कों पर उमड़ा जनसैलाब यह साबित करता है कि जनता अब झूठे आश्वासनों से बहलने वाली नहीं है। अंकिता को न्याय दिलाना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। जिला कांग्रेस कमेटी इस आंदोलन को और तेज करेगी और जब तक न्याय नहीं मिलेगा, संघर्ष जारी रहेगा।

अल्मोड़ा में सोमवार को अंकिता हत्याकांड के विरोध में जुलूस निकालते कांग्रेस कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

अंकिता हत्याकांड के मिटाए गए सबूत

कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व पूर्व विधायक करन माहरा ने कहा कि सरकार को पता था कि अंकिता हत्याकांड में उनकी ही पार्टी के वीआईपी शामिल हैं। उन्हें बचाने के लिए सरकार ने रिजॉर्ट में बुलडोजर चलाया। ताकि सबूतों को नष्ट किया जा सके। कहा कि अंकिता की परिजन और कांग्रेस शुरू से ही वीआईपी का नाम सार्वजनिक करने की मांग कर रही थी। अब जब सोशल मीडिया में तमाम रिकार्डिंग चल रही हैं तो सरकार को वीआईपी जांच कराने में पीछे नहीं हटना चाहिए।

ये लोग रहे मौजूद

विधायक मनोज तिवारी, पूर्व कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा, पूर्व विस अध्यक्ष गोविंद सिंह कुंजवाल, जिलाध्यक्ष भूपेंद्र भोज, पूर्व पालिकाध्यक्ष प्रकाश चन्द्र जोशी, नगर अध्यक्ष तारा चंद्र जोशी, पीतांबर पांडेय, राधा बिष्ट, गीता मेहरा, निजाम कुरैशी, संजय कर्मयाल, बाल विक्रम सिंह, गौरव सतवाल, शोभा जोशी, जानकी पांडेय, चंचल दुर्गापाल, ज्योत्सना पंत, दीपा जोशी, वैभव पांडे, दीपक कुमार, अनूप भारती, सुशील साह, अजीत कार्की, प्रदीप कुमार, ममता जोशी, भावना जोशी, लक्ष्मी देवी, अख्तर हुसैन, वीके पांडेय, पूरन रौतेला, शुभांशु रौतेला, लोकेश सुप्याल, मोहन देवली, राजेन्द्र बिष्ट, पंकज वर्मा, जया साह, संजय वाणी, पवन मेहरा, नितिन रावत, पारस गोस्वामी, शशांक तिवारी, फईम अहमद, संजू सिंह, वकुल साह, अमित बिष्ट, आनंद बिष्ट, हर्षित दुर्गापाल, दीपा साह, शरद साह, देव सिंह भोजक, गोविंद मेहरा, बसंती गैड़ा, भावना वर्मा, शोभा भंडारी, पार्वती भंडारी, जया जोशी, आशा शर्मा, लीला जोशी, आनंदी पांडे, विजया साह, राधा टम्टा, परितोष जोशी, ललित सतवाल मौजूद रहे।

चम्पावत पुलिस ने 17.7 करोड़ के मादक पदार्थ किए बरामद

संवाददाता, टनकपुर/चम्पावत

अमृत विचार: चम्पावत के पुलिस अधीक्षक अजय गणपति के नेतृत्व में जनपद चम्पावत पुलिस टीम द्वारा नशा तस्करों व असमाजिक तत्वों के खिलाफ प्रभावी कार्यवाही की गई।

वर्ष 2025 में जनपद चम्पावत पुलिस टीम द्वारा विशेष अभियान चलाते हुए अवैध मादक पदार्थों की तस्करी व अवैध मादक पदार्थों की बिक्री करने में संलिप्त 140 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर भारी मात्रा में मादक पदार्थ बरामद कर नशा तस्करों व अभियुक्तगणों के विरूद्ध 90 अभियोग पंजीकृत किये गए। 1 जनवरी 2025 से 31 दिसम्बर 2025 तक जनपद में अवैध मादक पदार्थों की बरामदगी का विवरण के अंतर्गत चरस 26.682 किलोग्राम, स्मैक व हेरोइन 2.263 किलोग्राम, एमडीएमए 5.789 किलोग्राम, अफीम 986 ग्राम और

नशीले इंजेक्शन 83 अदद बरामद किए गए। चम्पावत पुलिस द्वारा वर्ष 2025 में लगभग सत्रह करोड़ सत्तर लाख रुपये कीमत के अवैध मादक पदार्थों की बरामदगी की गयी है। इसके अलावा वर्ष 2025 में जनपद चम्पावत में एनडीपीएस एक्ट के अन्तर्गत पंजीकृत अभियोगों में गिरफ्तार अभियुक्तों के विरुद्ध गैंगस्टर एक्ट में 2 मुकदमे पंजीकृत कर 6 अभियुक्तों के विरुद्ध कार्यवाही की गई। साथ ही पीआईटी एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत 3 अभियुक्त, 27 एनडीपीएस एक्ट में 2 अभियोगों में 3 अभियुक्तों और 29 एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत 11 अभियोगों में 30 अभियुक्तों के विरुद्ध कार्यवाही की गई।

एसपी अजय गणपति ने जनपद चम्पावत के सभी कोतवाली, थाना व चौकी प्रभारी व पुलिस कर्मियों को अपनी ड्यूटी के प्रति सजग रहने के विशेष दिशा निर्देश दिए गए हैं।

पुलिस अधीक्षक अजय गणपति।

पुलिस और एसओजी टीम के साथ पकड़ा गया चरस तस्कर। ● अमृत विचार

बनबसा में 2 किलो चरस के साथ तस्कर गिरफ्तार

संवाददाता, बनबसा

अमृत विचार: पुलिस और एसओजी टीम ने संयुक्त अभियान में बड़ी सफलता हासिल करते हुए 2.046 किलोग्राम अवैध चरस के साथ एक नशा तस्कर को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

यह कार्रवाई रविवार को क्षेत्राधिकारी टनकपुर वंदना वर्मा के निर्देशन में की गई। प्रभारी एसओजी उप निरीक्षक कमलेश भट्ट एवं थाना बनबसा के एसआई निर्मल सिंह लटवाल के नेतृत्व में एसओजी और बनबसा पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा संदिग्धों पर नजर रखते हुए धनुष पुल से चांदनी-दोधारा नेपाल जाने वाले जंगल मार्ग पर चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान आरोपी हसमत अली उर्फ मझले, पुत्र स्व. बाबू, निवासी इस्लामनगर वार्ड नंबर 03, थाना खटीमा, जिला ऊधमसिंह नगर, उम्र 47 वर्ष को गिरफ्तार किया गया।

तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से 2.046 किलोग्राम अवैध चरस, 300 रुपये नगद, एक ओप्पो मोबाइल फोन और ड्राइविंग लाइसेंस बरामद किया गया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह चरस नेपाल के महेन्द्रनगर निवासी राजेन्द्र से लेकर आया था और इसे खटीमा निवासी अपने पार्टनर को देने जा रहा था। आरोपी ने स्वीकार किया कि वह अपने साथी के साथ मिलकर छोटी-छोटी मात्रा में चरस बेचने का काम करता था। आरोपी पर पूर्व में भी खटीमा कोतवाली में मुकदमे दर्ज हैं।

सल्ट में 51 किलो गांजे के साथ तीन तस्कर धरे

अल्मोड़ा : सल्ट पुलिस ने नैल तिराहा के पास तीन तस्करों को गांजे के साथ दबोच लिया। आरोपियों के कब्जे से वाहन में रखा 51.950 किलो गांजा बरामद किया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की है। वहीं, एसएसपी ने पुलिस टीम को पांच हजार रुपये नगद इनाम देने की घोषणा की। पुलिस के अनुसार सल्ट पुलिस और एसओजी की संयुक्त टीम ने क्षेत्र में चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान नैल तिराहा के पास चेकिंग के दौरान कार संख्या एचआर 38 एबी 9680 को रोका। पुलिस ने वाहन की तलाशी ली तो वाहन में 51.950 किलो गांजा बरामद हुई। मौके पर पुलिस ने आरोपी विशाल सिंह पुत्र चंद्रभान सिंह, अनस पुत्र स्व. अतीक हुसैन और हासिम पुत्र स्व. खलील अहमद, तीनों निवासी निवासी रामनगर जिला नैनीताल के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार किया।

स्कूटी खाई में गिरने से युवक की हुई मौत

पिथौरागढ़ : पिथौरागढ़ की तेजम तहसील में रविवार देर शाम एक स्कूटी 150 मीटर गहरी खाई में गिर गई। हादसे में स्कूटी सवार किशोर कुमार (25) पुत्र प्रेम राम की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका साथी पूरन सिंह (29) पुत्र कुंवर सिंह गंभीर रूप से घायल हो गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, दोनों युवक बाजार का काम निपटाकर बांसबगड़ से गूटी की ओर जा रहे थे। बांसबगड़ से लगभग एक किलोमीटर आगे स्कूटी अचानक अनियंत्रित हो गई और गहरी खाई में जा गिरी। सूचना मिलने पर नाचनी थाना प्रभारी मंगल सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद शव को खाई से निकालकर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तेजम भेजा। सोमवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। घायल पूरन सिंह को जिला अस्पताल पिथौरागढ़ में भर्ती कराया गया है। पुलिस दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

झूठे, भ्रामक और बेबुनियाद आरोप लगा रही कांग्रेस

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: भाजपा लमगड़ा मंडल ने सोमवार को कांग्रेस का पुतला फूंका। इस दौरान कांग्रेस पर अंकिता हत्याकांड मामले में भ्रामकता और झूठ फैलाने का आरोप लगाया।

कार्यकर्ताओं ने कहा कि कांग्रेस पार्टी पूरे प्रदेश में अंकिता भंडारी प्रकरण को लेकर झूठे, भ्रामक व बेबुनियाद आरोप लगाकर जनता को गुमराह करने का कार्य कर रही हैं। उन्होंने कहा कि यह मामला अत्यंत संवेदनशील रहा है, लेकिन इसकी जांच पूरी हो चुकी है और न्यायालय द्वारा दोषियों को सजा भी सुनाई जा चुकी है। इसके बावजूद कांग्रेस द्वारा राजनीतिक स्वार्थ के लिए इस प्रकरण को बार-बार उठाना दुर्भाग्यपूर्ण है। ब्लॉक प्रमुख त्रिलोक रावत ने कहा कि कांग्रेस राजनीतिक लाभ के लिए पुराने और निपट चुके मामलों को तूल दे रही है, जबकि भाजपा सरकार ने इस मामले में निष्पक्ष कार्रवाई करते हुए न्याय की प्रक्रिया को पूरा किया है। पुतला फूंकने वालों में ज्येष्ठ प्रमुख हरीश बिष्ट, मंडल अध्यक्ष दिनेश पांडे, बालम सिंह कपकोटी, दीवान सिंह बोरा, जगदीश रावत, शंकर बोर, भारत फर्त्याल, देवकी बिष्ट, रमेश कुमार, उमेश रावत, भीम ढैला, हेमंत बगड़वाल रहे।

सोमवार को कांग्रेस का पुतला फूंकते लमगड़ा के भाजपा कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

भाजपा कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस का पुतला फूंका

बनबसा : अंकिता हत्याकांड में घटिया राजनीति करने का आरोप लगाते हुए भाजपा कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस का पुतला फूंका। सोमवार को मंडल अध्यक्ष कमलेश भट्ट की अगवाई में भाजपा कार्यकर्ताओं ने मुख्य बाजार तिराहे पर नारेबाजी करते हुए कांग्रेस के पुतले का दहन किया। पुतला फूंकने वालों में नगर पंचायत अध्यक्ष रेखा देवी, प्रदेश सोशल मीडिया सह संयोजक सुनीता मुरारी, जिला पंचायत सदस्य सरोज चंद, हेमा जोशी, हरीश पान्डेय, मोनू ठाकुर, शंकर लाल वर्मा, दीपक सक्सेना, रुचि धस्माना, गीता देवी, प्रमोद गुप्ता, राजकुमार कश्यप, सुनीता, माधवी धामी, रुकमणी उनियाल, बिमला बिष्ट आदि शामिल रहे।

अंकिता मामले में भाजपा ने कांग्रेस का पुतला फूंका

संवाददाता, रानीखेत

अमृत विचार: अंकिता भंडारी हत्याकांड को लेकर रानीखेत में भाजपा और कांग्रेस के बीच राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप तेज हो गया है। भाजपा केंद्रीय नेतृत्व के आह्वान पर भाजपा महिला मोर्चा के नेतृत्व में गांधी चौक पर कांग्रेस का पुतला दहन किया गया।

भाजपा नेताओं ने कांग्रेस पर मामले में राजनीति करने और जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया। महिला मोर्चा की प्रदेश मंत्री विमला रावत ने कहा कि अंकिता भंडारी हत्याकांड में भाजपा सरकार ने बिना दबाव के त्वरित कार्रवाई की। एसआईटी का गठन कर ठोस साक्ष्य जुटाए गए, जिसके आधार पर न्यायालय ने दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। उन्होंने कहा कि यह सरकार की न्याय के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। भाजपा नेताओं ने कहा कि कांग्रेस सोशल मीडिया और मीडिया के माध्यम से माहौल खराब करने का प्रयास कर रही है। यदि कांग्रेस के पास कोई साक्ष्य हैं तो न्यायालय में प्रस्तुत करना चाहिए।

पुतला दहन में भाजपा जिलाध्यक्ष घनश्याम भट्ट, महामंत्री भूपेंद्र कांडपाल, मुकेश पाण्डे, दर्शन सिंह बिष्ट, प्रदीप बिष्ट, विनोद भार्गव, गिरीश भगत आदि रहे। इधर महिला कांग्रेस की जिला अध्यक्ष गीता पवार ने भाजपा द्वारा कांग्रेस का पुतला फूंकने को हास्यास्पद बताते हुए कहा कि सत्ता दल द्वारा विपक्ष का पुतला दहन करना भाजपा की नैतिक हार को दर्शाता है।

गुलदार को पकड़ने के लिए पिंजरा लगाया

- नगर के तमाम मोहल्लों में गुलदार की बनी है हदशत
- वन विभाग ने तल्ला जोशीखोला में लगाया पिंजरा

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: नगर समेत जिले के ग्रामीण इलाकों में लंबे समय से गुलदार का आतंक बना हुआ है। नगर के तल्ला जोशीखोला में वन विभाग ने गुलदार को पकड़ने के लिए पिंजरा लगाया है। साथ ही टीम नियमित गश्त कर रही है।

दरअसल, इन दिनों नगर के तल्ला जोशीखोला वार्ड में आए दिन गुलदार दिखाई देने से लोगों में भय का माहौल बना हुआ है। रिहायशी इलाकों में एकाएक गुलदार दिखाई देने से जहां एक ओर लोग रात के समय कोई बाहर नहीं निकल रहा है।

वहीं, स्कूल जाने वाले बच्चों में भी गुलदार का भय बना हुआ है। इधर, अब गुलदार को पकड़ने के लिए वन विभाग ने तल्ला जोशीखोला में गुलदार को पकड़ने के लिए पिंजरा लगा दिया है।

साथ ही गश्त कर लोगों को एहतियात बरतने के लिए कहा जा रहा है। हालांकि, गुलदार की चहलकदमी नहीं दिखाई दी। गुलदार का सुराग नहीं लगने लोगों में डर का माहौल है।

अल्मोड़ा के तल्ला जोशीखोला में पिंजरा लगाते वन कर्मी।

गुलदार को पकड़ने लिए प्रभावित क्षेत्र में पिंजरा लगाया गया है। वहीं, विभागीय कर्मचारी लगातार क्षेत्र में गश्त कर रहे है। अब तक गुलदार की चहलकदमी नहीं दिखी है। –मोहन राम, वन क्षेत्राधिकारी अल्मोड़ा।

घरों में दुबकने को मजबूर हैं लोग

नगर के तल्ला जोशीखोला, सिमकनी, खत्याड़ी, रानीधारा, दुगालखोला समेत कई इलाकों में गुलदार का खौफ बना हुआ है। स्थिति यह है, कि मोहल्ले वासी पांच-छह बजे ही घरों के भीतर चले जा रहे है। रात के समय कोई भी लोग बाहर नहीं निकल रहा है। वहीं, स्कूल जाने वाले बच्चों में भी गुलदार का भय बना हुआ है।

सर्किट हाउस ने क्रिकेट का उद्घाटन मैच जीता

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: हवालबाग के ग्राम पंचायत माल में स्व. शेरदा अनपढ़ मेमोरियल क्रिकेट प्रतियोगिता शुरू हो गई है। सोमवार को सर्किट हाउस और खत्याड़ी इलेवन के मध्य उद्घाटन मैच खेला गया। जिसमें सर्किट हाउस ने जीत दर्ज की।

प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि दर्जा राज्य मंत्री गंगा बिष्ट ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। इसके बाद खत्याड़ी इलेवन और सर्किट हाउस की टीम के बीच मुकाबला खेला गया। शानदार मुकाबले में सर्किट हाउस की टीम ने जीत दर्ज कर उद्घाटन मुकाबला अपने नाम किया। इस मौके पर राहुल अधिकारी, मोहित बिष्ट, हर्षित, अंकित, सुंदर बिष्ट, महेंद्र सिंह, शिवराज अधिकारी, डॉ. गिरीश अधिकारी, पूरन सिंह, कमल बिष्ट, मोहन अधिकारी, रतन सिंह, मोहन सिंह, किशन सिंह, गोपाल सिंह, गिरधर सिंह, राजेंद्र सिंह, दलीप सिंह, दीवान सिंह, गंगा आर्या, सुरेंद्र समेत कई खेल प्रेमी मौजूद रहे। इधर, ग्राम पंचायत में हंस फाउडेशन की ओर से स्वास्थ्य शिविर भी आयोजित किया गया। जिसमें ग्रामीणों का स्वास्थ्य जांच कर दवाएं बांटी गईं।

कार्यक्रम जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों ने रखीं कुल 93 शिकायतें, डीएम ने दिए समाधान करने के निर्देश

जनता मिलन कार्यक्रम में जिलाधिकारी ने सुनीं समस्याएं

संवाददाता, चम्पावत

अमृत विचार: सोमवार को चम्पावत जिला सभागार में जिलाधिकारी मनीष कुमार की अध्यक्षता में आयोजित जनता मिलन कार्यक्रम में जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों ने अपनी समस्याए रखीं। कार्यक्रम के दौरान कुल 93 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें आर्थिक सहायता, आवास, पेयजल, सोलर लाइट, आपदा से क्षतिग्रस्त योजनाएं, फसल सुरक्षा एवं तारबाड़, रोजगार, सड़क मार्ग, विद्युत, सामाजिक सुरक्षा पेंशन सहित अन्य जनहित से जुड़े विषय शामिल रहे।

जनता मिलन के दौरान लालमणी भट्ट ने मार्ग निर्माण की समस्या,,ढकना बडोला निवासी सिया की दिव्यांग पेंशन ना मिलने की शिकायत, ग्राम प्रधान सिमल्टा कांड़ा गिरीश चन्द्र पालीवाल द्वारा सुरक्षा दीवार निर्माण की मांग, 60 प्रतिशत दिव्यांग रोशन राम,निवासी कोयाटी द्वारा चतुर्थ श्रेणी में नियुक्ति की मांग, दीपक पाण्डेय, निवासी चौड़ारायपुरा की भूमि सीमांकन संबंधी शिकायत, सुनीता राणा, निवासी छतार की पेयजल समस्या, प्रकाश चन्द, निवासी ललुवापानी द्वारा राशन कार्ड एवं सहायता संबंधी, मंजू बोहरा, ग्राम सैदोला बोरा द्वारा शौचालय की दीवार संबंधी शिकायत के अलावा नारायण सिंह (खटोली) द्वारा मकान क्षति, मनोज जोशी (गंगनौला) द्वारा आर्थिक सहायता, विमला देवी (डूंगरासेठी) द्वारा जंगली जानवरों से फसल सुरक्षा के लिए तारबाड़, निशा भट्ट (प्रधान, अमोली) द्वारा पेयजल, हर सिंह (खूनाबोहरा) द्वारा जल समस्या तथा प्रकाश चन्द्र (बुडम) द्वारा आर्थिक सहायता से संबंधित समस्याएं रखी गईं।

डीएम मनीष कुमार ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले फरियादियों की समस्याओं का संवेदनशीलता, गंभीरता एवं समयबद्धता के साथ निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनता मिलन का उद्देश्य केवल शिकायतें सुनना नहीं, बल्कि उनका स्थायी एवं प्रभावी समाधान करना है।

इस दौरान सीडीओ डॉ. जीएस खाती, एडीएम कृष्णनाथ गोस्वामी, एसडीएम अनुराग आर्या, सीएमओ डॉ. देवेश चौहान, वरिष्ठ कोषाधिकारी सीमा बंगवाल, जिला विकास अधिकारी दिनेश डिगारी आदि मौजूद रहे।

चम्पावत में जनता मिलन कार्यक्रम में लोगों की समस्याएं सुनते डीएम मनीष कुमार।

उत्तरायणी मेले की तैयारियां जोरों पर, सजने लगी बागेश्वर नगरी

संवाददाता, बागेश्वर

अमृत विचार: प्रसिद्ध उत्तरायणी मेले की तैयारियां जोरों पर हैं। 13 जनवरी के लिए लगने वाले उत्तरायणी मेले के लिए बागेश्वर नगरी सजने लगी है। मेला स्थल पर राजनैतिक पंडाल के साथ ही विभिन्न व्यवसायियों को मांग करने पर दुकानों का आवंटन किया जा रहा है। इसके अलावा स्नान घाटों का अस्थायी निर्माण किया जा रहा है। पैदल पुल का निर्माण प्रगति पर है। उपजिलाधिकारी व नपा अध्यक्ष ने मेला क्षेत्र का भ्रमण करके तैयारियों का जायजा लिया।

नगर पालिका द्वारा नगर में विभिन्न स्थानों में सफाई अभियान चलाया जा रहा है तथा रंगाई पुताई की जा रही है। पुलों व नगर की रेलिंग को सजाया जा रहा है। नगर में अस्थायी शौचालयों का निर्माण किया जा रहा है। उत्तरायणी मेले के लिए नगर पालिका द्वारा नुमाइश मैदान में दुकानों का निर्माण किया जा रहा है। झूले व अन्य मनोरंजन के साधन आने लगे हैं। वहीं धारचूला, मुनस्यारी समेत गाजियाबाद, दिल्ली आदि स्थानों से व्यापारी बागेश्वर पहुंचने लगे हैं। इधर लेकर नगर के मेला क्षेत्र में नपा अध्यक्ष व मेलाध्यक्ष सुरेश खेतवाल, उपजिलाधिकारी प्रियंका रानी समेत मेला समिति के सदस्यों द्वारा मेला संबंधी निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया जा रहा है। सांस्कृतिक कार्यक्रमों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

मेले की तैयारियों का निरीक्षण करते पालिका अध्यक्ष व एसडीएम। ● अमृत विचार

अमृत विचार

मंगलवार, 6 जनवरी 2026

क्रोध में व्यक्ति अपने मन की बात नहीं कहता, वह केवल दूसरों का दिल दुखाना चाहता है।
–मुंशी प्रेमचंद, हिंदी साहित्यकार

जायज चिंता

भारतीय वायुसेना प्रमुख द्वारा लड़ाकू विमानों की कमी को लेकर दोबारा जताई गई चिंता, एक ठोस रणनीतिक यथार्थ का प्रतिबिंब है। आज भारतीय वायुसेना के पास मात्र 29 लड़ाकू स्क्वाड्रन में 600 विमान बचे हैं, जबकि अधिकृत आवश्यकता कम से कम 42 स्क्वाड्रनों की है। यह अंतर भारत के पाकिस्तान और चीन के साथ संभावित दो-मोर्चों के संघर्ष की आशंका के मद्देनजर राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा गंभीर रणनीतिक प्रश्न है। यह स्थिति और जटिल होगी, क्योंकि आने वाले वर्षों में तमाम पुराने विमानों की विदाई तय है। मिग-21 अपनी सेवा अवधि पूरी कर चुका है और जगुआर के चार स्क्वाड्रन 2027 के बाद चरणबद्ध रूप से रिटायर होने लगेंगे, ऊपर से इनकी दुर्घटनाएं भी आए दिन बढ़ रही हैं। इससे स्क्वाड्रन संख्या और घटेगी। पांचवीं पीढ़ी के स्वदेशी स्टील्थ फाइटर के लिए एएमसीए कार्यक्रम शुरू हो चुका है, लेकिन पहला विमान 2035 से पहले मिलने की उम्मीद नहीं है। यानी अगले एक दशक तक एक स्पष्ट 'क्षमता अंतराल' बना रहेगा। इस गैप को भरने के लिए वायुसेना के सामने तीन व्यावहारिक रास्ते हैं—स्वदेशी उत्पादन को तेज़ करना, सीमित अवधि के लिए विदेशी खरीद और बल संरचना में स्मार्ट टेक्नोलॉजी का समावेश।

1996 में 41 स्क्वाड्रन से आज 29 तक की गिरावट इस बात की याद दिलाती है कि सुस्त और जटिल खरीद प्रक्रियाएं कितनी महंगी पड़ सकती हैं। जरूरी है लड़ाकू विमानों की जल्द खरीद और स्वदेशी का फाइटर जेट्स का शीघ्र समावेश। विदेशी विकल्पों के तौर पर रूस के स्टेल्थ फाइटर सुखोई-57 फेलोन, जिसमें किंजल जैसी हाइपरसोनिक मिसाइल के इंटीग्रेशन की बात कही जाती है, एक संभावित 'रेस्क्यू पैकेज' कहा जा रहा है, तो अमेरिका का एफ-35 भी होड़ में है, हालांकि उससे जुड़ी लागत और रणनीतिक शर्तें कुछ ठीक नहीं हैं। इन सौदों की बात ही क्या, जब 114 रॉफेल जेट्स की प्रस्तावित खरीद लंबे समय से अटकी हुई हो। स्वदेशी मोर्चे पर तेजस एमके-1ए विमान संख्या की तात्कालिक कमी को आंशिक रूप से भर सकता है, पर इसका उत्पादन अत्यंत धीमा है, हालांकि एयरबोर्न सर्विलांस, प्लेटफॉर्म, डीआरडीओ के नेत्रा सिस्टम और ड्रोन वारफेयर— स्वार्म, लोटरिंग और सर्विलांस ड्रोन इत्यादि में निवेश बढ़ रहा है। उत्तरी सीमाओं, द्वीप क्षेत्रों और रणनीतिक ठिकानों को डबल कवर देने के लिए एकीकृत एयर डिफेंस नेटवर्क पर काम जारी है, लेकिन अभी काफी दूरी तय करनी बाकी है। वायुरक्षा प्रणाली एस-400, आकाश और आकाशतीर जैसे नेटवर्क देश की वायु-सीमा को मजबूत बनाते हैं, लेकिन वे फाइटर जेट्स का विकल्प तो कतई नहीं बन सकते हैं। एयर डिफेंस बचाव कर सकता है, पर युद्ध जीत नहीं सकता।

सवाल यह है कि वायुसेना प्रमुख की चिंता कब तक दूर होगी? जवाब है, आधुनिक, तेज़, स्टील्थ-सक्षम और मल्टी-रोल फाइटर जेट्स का ऐसा संतुलित बेड़ा जो रक्षा के साथ आक्रामक बढ़त भी दे, उसकी मौजूदगी तभी संभव होगी जब राष्ट्रीय सुरक्षा को प्राथमिकता दे कर तात्कालिक खरीद, मध्यम अवधि की स्वदेशी क्षमता और दीर्घकालिक दृष्टि, सब पर समान गंभीरता से अविलंब बढ़ा जाए।

प्रसंगवश

घरेलू हिंसा रोकने में पुरुष भी बनें समाधान का हिस्सा

राजस्थान की राजधानी जयपुर में हाल ही में सामने आया घरेलू हिंसा का एक मामला केवल एक आत्महत्या की खबर नहीं है, बल्कि यह उस सामाजिक सड़ांध का प्रतीक है, जो आज भी हमारे घरों के भीतर पल रही है। 32 वर्षीय विवाहिता ने अपने चार महीने के मासूम बेटे के सामने गेहूं की टंकी में रखा सल्फास खाकर जान दे दी। लगातार मारपीट, दहेज की मांग और मानसिक प्रताड़ना ने उसे इस हद तक तोड़ दिया कि जीवन से उसका विश्वास उठ गया। ऐसी घटनाएं अब अपवाद नहीं रहीं।

पिछले महीने जयपुर के कालवाड़ थाना क्षेत्र में घरेलू हिंसा से परेशान एक महिला ने देर रात 150 फीट गहरे कुएं में छलांग लगा दी। गनीमत रही कि समय रहते पुलिस ने रेस्क्यू कर उसकी जान बचा ली। इसी तरह कोटा के महावीर नगर इलाके में घरेलू विवाद ने जब खौफनाक रूप लिया, तो पति ने पत्नी को जूस पिलाने के बहाने घर से बाहर बुलाया और सुनसान सड़क पर ले जाकर चाकू से हमला कर उसका कान काट डाला। वहीं जोधपुर में दिवाली से पहले बहू को उसके पति और ससुर ने बीच सड़क पर बेरहमी से पीटा। अजमेर में देर रात शराब के नशे में धुत एक पति ने अपनी पत्नी को इस कदर पीटा कि उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

देवेंद्र सिंह
वरिष्ठ पत्रकार

घरेलू हिंसा के मामलों में भावनात्मक और मानसिक प्रताड़ना, यौन हिंसा के सबसे ज्यादा है। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे-5 में 18 से 49 वर्ष की विवाहित महिलाओं को शामिल किया गया था। घरेलू हिंसा के मामलों में कर्नाटक 48.4 प्रतिशत के साथ शीर्ष पर है। इसके बाद बिहार 42.5 प्रतिशत के साथ दूसरे और मणिपुर 41.6 प्रतिशत के साथ तीसरे स्थान पर है। तेलंगाना में 40.4 प्रतिशत तथा तमिलनाडु में 39.7 प्रतिशत महिलाएं घरेलू हिंसा का शिकार पाई गईं। सबसे कम घरेलू हिंसा केंद्र शासित प्रदेश लक्षद्वीप में दर्ज की गई, जहां यह आंकड़ा केवल 1.3 प्रतिशत है। इसके अलावा गोवा में 9.7 प्रतिशत, हिमाचल प्रदेश में 10.7 प्रतिशत और नागालैंड में 11.0 प्रतिशत महिलाएं घरेलू हिंसा से प्रभावित हैं।

इन आंकड़ों के पीछे की सच्चाई और भी डरावनी है, क्योंकि अधिकतर महिलाएं कभी शिकायत दर्ज ही नहीं करातीं। सामाजिक बदनामी का डर, आर्थिक निर्भरता, बच्चों का भविष्य और घर टूट जाएगा, जैसी सोच उन्हें चुप रहने पर मजबूर कर देती है। पितृसत्तात्मक समाज, जहां पुरुष को अधिकार और महिला को सहनशीलता का पाठ पढ़ाया जाता है, घरेलू हिंसा की सबसे बड़ी जड़ है। शिक्षा की कमी, बेरोजगारी, आर्थिक असमानता, नशे की लत, दहेज प्रथा और कानून की सीमित जानकारी इस आग में घी का काम करती है।

घरेलू हिंसा की रोकथाम के लिए केवल महिलाओं को मजबूत बनाना पर्याप्त नहीं है। जरूरी है कि पुरुषों को भी समाधान का हिस्सा बनाया जाए। बचपन से ही लड़कों को समानता, संवेदनशीलता और सम्मान के संस्कार सिखाने होंगे। नशे पर नियंत्रण, महिलाओं की शिक्षा और आर्थिक आत्मनिर्भरता, रोजगार के अवसर, त्वरित न्याय और परिवार में संवाद का माहौल इस समस्या को काफी हद तक कम कर सकता है। बेल बजाओ जैसे अभियानों ने यह साबित किया है कि सामाजिक जागरूकता से सोच बदली जा सकती है। जरूरत है ऐसे निरंतर, ईमानदार और जमीनी अभियानों की, जो हर घर तक यह संदेश पहुंचाएं कि हिंसा अपराध है, चाहे वह चारदीवारी के भीतर ही क्यों न हो। यदि हम सच में महिलाओं के खिलाफ हिंसा से मुक्त भारत बनाना चाहते हैं, तो अब चुप्पी तोड़नी होगी। हर खामोशी किसी न किसी महिला की चीख बनकर हमें शर्मिंदा करती रहेगी।

टैरिफ डिविडेंड का भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रभाव

रजत मेहरोत्रा
वित्तीय एवं आर्थिक विशेषज्ञ

विश्व व्यापार में बढ़ती प्रतिस्पर्धा और राजनीतिक तनावों के बीच अमेरिका ने एक नई आर्थिक सोच को जन्म दिया है, जिसे टैरिफ डिविडेंड (Tariff Dividend) कहा जा रहा है। इसका मूल विचार यह है कि जब कोई देश विदेशी वस्तुओं पर आयात शुल्क (टैरिफ) लगाकर भारी राजस्व प्राप्त करता है, तो उस राजस्व का एक हिस्सा अपने नागरिकों को सीधे 'डिविडेंड' या बोनस के रूप में लौटाया जाए। इससे एक ओर घरेलू उद्योग को सुरक्षा मिलती है, वहीं दूसरी ओर नागरिकों की क्रयशक्ति भी बनी रहती है। अमेरिका में इस नीति के ज़रिए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की है कि यदि आयात शुल्कों से सरकार को अतिरिक्त राजस्व मिलता है, तो उसका एक हिस्सा हर नागरिक को लगभग $2,000 (करीब 1.7 लाख) तक नकद सहायता के रूप में दिया जा सकता है।

टैरिफ डिविडेंड का सबसे बड़ा उद्देश्य है अमेरिकी अर्थव्यवस्था को दोहरे लाभ की स्थिति में लाना। पहला, विदेशी वस्तुओं पर ऊंचे शुल्क लगाकर सरकार को अरबों डॉलर का अतिरिक्त राजस्व प्राप्त करना और दूसरा, इसी राजस्व से घरेलू खपत बढ़ाने के लिए नागरिकों को नकद प्रोत्साहन देना। वर्तमान में अमेरिका का वार्षिक कस्टम राजस्व लगभग $80 से $90 अरब डॉलर के बीच है, जो ट्रंप युग के टैरिफ बढ़ोतरी के बाद लगभग दोगुना हुआ है। उदाहरण के लिए, चीन से आने वाले स्टील, एल्युमिनियम, इलेक्ट्रॉनिक सामान, सोलर मॉड्यूल, बैटरियों और वाहनों पर अमेरिका ने औसतन 25% तक आयात शुल्क लगाया है, जिससे अमेरिकी खज़ाने को पिछले पांच वर्षों में $350 अरब डॉलर से अधिक की अतिरिक्त आमदनी हुई है। यही धनराशि अब 'टैरिफ डिविडेंड' के रूप में आम जनता तक पहुंचाने की बात की जा रही है।

अमेरिका के लिए यह योजना कई दृष्टियों से लाभकारी हो सकती है। सबसे पहले, यह नीति घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देती है। जब विदेशी माल महंगा हो जाता है, तो अमेरिकी कंपनियां अपनी फैक्ट्रियों में उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रेरित होती हैं। इससे रोजगार के अवसरों में वृद्धि होती है। 2024 के आंकड़ों के अनुसार, 'री-शोरिंग' नीतियों के कारण अमेरिका में लगभग 3.5 मिलियन नई नौकरियां पैदा हुई हैं। दूसरा लाभ यह है कि टैरिफ डिविडेंड से नागरिकों की खरीदने की क्षमता बढ़ती है। नकद सहायता मिलने पर उपभोक्ता खर्च बढ़ाते हैं, जिससे स्थानीय व्यापार, सेवा क्षेत्र और रिटेल उद्योग को बल मिलता है। तीसरा लाभ राजनीतिक है। सरकार यह दिखा सकती है कि 'विदेशी सामान पर लगाया गया शुल्क' अब देश के लोगों को सीधे लाभ पहुंचा रहा है, जिससे मतदाता समर्थन भी बढ़ सकता है।

इस नीति की कुछ सीमाएं और खतरे भी हैं। आयात महंगा होने से अमेरिका में वस्तुओं की कीमतें बढ़ जाती हैं, जिससे महंगाई पर दबाव बनता है। उदाहरण के लिए, स्टील और एल्युमिनियम पर टैरिफ बढ़ने के बाद अमेरिका में निर्माण सामग्रियों की लागत 12% तक बढ़ गई है। इलेक्ट्रॉनिक सामान और ऑटोमोबाइल सेक्टर में भी औसतन 8–10% मूल्य वृद्धि देखी गई है। इसका असर आम उपभोक्ताओं की जेब पर पड़ता है और यदि महंगाई बढ़ती है तो 'टैरिफ डिविडेंड' से मिला नकद लाभ जल्दी खत्म हो जाता है। साथ ही, विदेशी देशों के साथ व्यापार तनाव बढ़ने से वैश्विक सप्लाई चेन पर असर पड़ता है, जैसा कि 2018–2020 के 'अमेरिका-चीन ट्रेड वॉर' में देखा गया था।

अब सवाल यह उठता है कि इस टैरिफ डिविडेंड से भारत को क्या असर और अवसर मिल सकते हैं? भारत के लिए यह स्थिति मिश्रित है। यह एक ओर अवसर है, तो दूसरी ओर चुनौती भी। अवसर इसलिए क्योंकि अमेरिका अब 'फ्रेंड-शोरिंग' (Friend-shoring) यानी भरोसेमंद देशों से सामान मंगाने की नीति पर काम कर रहा है। चीन से दूर जाने की इस प्रक्रिया में भारत एक मुख्य भागीदार बन सकता है। पहले से ही अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बन चुका है। 2024 में दोनों देशों का द्विपक्षीय व्यापार $200 अरब डॉलर के स्तर को पार कर चुका है, जिसमें भारत ने अमेरिका को लगभग $118 अरब डॉलर का माल निर्यात किया। यदि अमेरिका चीन से आयात घटाकर भारत से बढ़ाता है, तो भारत के लिए इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मा, इंजीनियरिंग, रसायन, वस्त्र और ऑटो पार्ट्स क्षेत्रों में बड़ी वृद्धि के अवसर खुलेंगे।

दूसरी ओर, टैरिफ डिविडेंड की नीति चुनौतियां भी पैदा करती हैं। यदि अमेरिका अपने घरेलू उद्योगों को बचाने के लिए भारतीय सामानों पर भी ऊंचे टैरिफ लगाना जारी रखता है, तो हमारे निर्यातकों को झटका लग सकता है। अमेरिका भारतीय जेम्स-ज्वेलरी, फार्मास्यूटिकल और टेक्सटाइल सेक्टर पर पहले ही 7% से 12% तक शुल्क लगाता है। यदि यह बढ़ा, तो भारत की प्रतिस्पर्धा क्षमता प्रभावित हो सकती है। साथ ही, वियतनाम, मेक्सिको और मलेशिया जैसे देशों की तुलना में भारत को अपनी लॉजिस्टिक लागत (जो वर्तमान में जीडीपी का लगभग 13% है) कम करनी होगी, ताकि उसके उत्पाद अमेरिका में प्रतिस्पर्धी बने रहें।

भारत को इस परिदृश्य में एक संतुलित रणनीति अपनानी होगी। सबसे पहले, निर्यात के नए बाज़ारों जैसे यूरोप, खाड़ी देशों और अफ्रीका में विविधता लानी होगी ताकि किसी एक देश पर निर्भरता कम हो। दूसरा, 'मेक इन इंडिया' और 'पीएलआई योजना' जैसे कार्यक्रमों को और मज़बूत बनाना होगा, ताकि भारत वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में उभरे। तीसरा, गुणवत्ता और उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए तकनीकी सुधार और कुशल श्रम-बल पर ध्यान देना होगा। कहा जा सकता है कि टैरिफ डिविडेंड अमेरिकी राजनीति और अर्थव्यवस्था का एक अभिनव प्रयोग है। यह अल्पकाल में अमेरिकी नागरिकों को राहत दे सकता है और घरेलू उद्योग को सुरक्षा प्रदान कर सकता है, परंतु इसके दीर्घकालिक प्रभाव मिश्रित हैं।

टैरिफ डिविडेंड का मूल विचार यह है कि जब कोई देश, विदेशी वस्तुओं पर आयात शुल्क (टैरिफ) लगाकर भारी राजस्व प्राप्त करता है, तो उस राजस्व का एक हिस्सा अपने नागरिकों को सीधे 'डिविडेंड' या बोनस के रूप में लौटाया जाए।

आमने सामने

ये लोग खुलेआम कहते हैं कि उनकी चार पत्नियां और 19 बच्चे हैं। मेरा सुझाव है कि हमें कम से कम तीन से चार बच्चे पैदा करने चाहिए। वे बड़ी संख्या में बच्चे पैदा करके हिंदुस्तान को पाकिस्तान बनाना चाहते हैं, तो हम सिर्फ एक बच्चे से क्यों संतुष्ट हों?
–नवनीत राणा
भाजपा नेता

बच्चे तो पैदा कर लोगे, लेकिन उनका भविष्य क्या होगा? भारत युवाओं का देश है, यहां बड़ी तादाद में 40 साल से कम उम्र के लोग हैं, लेकिन सरकार उन्हें नौकरियां नहीं दे रही। मोदी कहते हैं कि हम नौकरियां नहीं दे सकते, तुम गोरक्षक बनो।
–असदुद्दीन ओवैसी
एआईएमआईएम प्रमुख

बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की हत्या पर चुप्पी

डॉ. विकास शुक्ला
चिकित्सक

पड़ोसी देश बांग्लादेश हिंसा की आग में जल रहा है। कट्टरपंथी ताकतों के आगे मोहम्मद यूनुस की सरकार ने घुटने टेक दिए हैं। उन्मादी भीड़ ने पहले बेगुनाह दीपू चंद्र दास को ईशनिंदा के झूठे आरोप में पीट-पीटकर मार डाला। फिर पेट्रोल डालकर शव को आग के हवाले किया। इसके बाद अमृत मंडल और बजेंद्र बिस्वास को मौत के घाट उतारा गया। दवा कारोबारी खोकन चंद्र दास को चाकुओं से गोदने के बाद पेट्रोल डालकर जलाया गया। इन घटनाओं पर अंतर्राष्ट्रीय चुप्पी समझ से परे है। अल्पसंख्यक हितों पर भारत को मानवता का पाठ पढ़ाने वाला अमेरिका भी खामोश है, तो यूरोपीय देश भी मौन साधे हुए हैं। ऐसा क्यों? समझ में नहीं आ रहा है।

संयुक्त राष्ट्र संघ को अल्पसंख्यक हिंदुओं की कब्रगाह बन रहे बांग्लादेश में हस्तक्षेप करना चाहिए, लेकिन थोथी बयानबाजी के अलावा वहां से भी कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। अगले माह बांग्लादेश में चुनाव होने हैं। उम्मीद लगाई जा रही है कि बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी को वहां सत्ता की कमान मिल सकती है। यदि ऐसा होता है, तो हिंदू अल्पसंख्यकों की सुरक्षा कुछ हद तक हो सकती है। कहीं कट्टरपंथी जमात और उसके सहयोगी संगठन सत्ता में आए तो अल्पसंख्यकों का हाल वही होगा जो अभी हो रहा है। बांग्लादेश सरकार के मुख्य सलाहकार उन पर कार्रवाई करने के बजाय सत्ता का सुख भोग रहे हैं।

शेख हसीना के शासन में अल्पसंख्यक हिंदू सुरक्षित रहे हैं। जब भी उनके विरुद्ध उन्माद भड़का, सरकार ने कठोर कार्रवाई की और उन्मादियों को गिरफ्तार कराया। पिछले साल छात्र आंदोलन में शेख हसीना को सत्ता से हाथ धोना पड़ा और वह भाग कर भारत आ गईं। इसके बाद से अल्पसंख्यक हिंदुओं का जीना मुहाल हो गया है। बांग्लादेश जब 1971 में स्वतंत्र हुआ, तक वहां अल्पसंख्यक हिंदुओं की आबादी 20 फीसद थी, लेकिन उत्पीड़न व अन्य कारणों से हुए पलायन के कारण अब यह जनसंख्या सिर्फ आठ फीसद रह गई है। यही वजह कि न तो वे प्रतिरोध कर पा रहे हैं और न ही अपनी आवाज को ठीक से उठा पा रहे हैं।

शेख हसीना की पार्टी आवामी लीग के समर्थक माने जाने वाले हिंदुओं को उम्मीद जगी थी कि मोहम्मद यूनुस के राज में उनका हित सुरक्षित रहेगा, लेकिन कट्टरपंथियों को मिले बढ़ावे से उनकी उम्मीदें न सिर्फ धूल धूसरित हो गईं, बल्कि अब जान बचानी भी उनके लिए मुश्किल हो गई है। वे डर-डर के जी रहे हैं। उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के बजाय मोहम्मद यूनुस अब भारत को लोकतंत्र और मानवाधिकार का पाठ पढ़ा रहे हैं। बिना जनादेश वाले यूनुस केवल कट्टरपंथी ताकतों के हाथों की कठपुतली बनकर रह गए हैं और भारत में अल्पसंख्यकों के विरुद्ध हुई कथित घटनाओं का हवाला दे रहे हैं।

उन्हें यह समझना होगा कि भारत में अल्पसंख्यक लोकतंत्र का अहम अंग हैं। जबकि बांग्लादेश में अल्पसंख्यक केवल दोयम दर्जे के नागरिक बन कर रह गए हैं, जहां उन्हें कट्टरपंथियों के हाथों मारा जा रहा है। दीपू दास व अन्य लोगों की मॉब लिंचिंग बांग्लादेश के हालात को बयां कर रही है। भारत सरकार को चाहिए कि वह इस संबंध में जरूरी कदम उठाए, ताकि वहां मॉब लिंचिंग रुक सके। यह मुद्दा संयुक्त राष्ट्र संघ में भी उठाया जाना चाहिए। इसके लिए संघ की आपात बैठक बुलाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को प्रयास करना चाहिए, ताकि बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस को पूरी दुनिया के सामने बेनकाब किया जा सके।

मोहम्मद यूनुस ने कट्टरपंथियों के विरुद्ध अभी तक कोई ऐसा कदम नहीं उठाया है, जो कि हिंसा रोकने के लिए कारगर हो, जबकि उन्होंने आवामी लीग को चुनाव से रोकने के लिए उस पर प्रतिबंध जरूर लगा दिया। बांग्लादेश में जो हालत बन रहे हैं वे अच्छे नहीं हैं। अमेरिका, चीन, रूस, ब्रिटेन, इटली, जर्मनी जैसे देशों पर इस बात का दबाव डाला जाना चाहिए कि वे भी बांग्लादेश पर कूटनीतिक दबाव डालें, ताकि वहां मॉब लिंचिंग रुके। अन्यथा बचे-खुचे अल्पसंख्यक हिंदुओं को वहां से पलायन करना होगा।

बांग्लादेश में जो कुछ हो रहा है, उसके लिए पाकिस्तान तो जिम्मेदार है ही, चीन भी कुछ हदतक जिम्मेदार है। आज बांग्लादेश चीन और पाकिस्तान की गोद में खेल रहा है। पाकिस्तान तो हिंदुओं का दुश्मन पहले से ही रहा है। चीन को यह बात समझनी होगी कि वहां बढ़ता कट्टरपंथ उसके लिए भी किसी खतरे से कम नहीं है। बीएनपी की सरकार बनने पर क्या वहां हालात सुधरेंगे? विदेशी मामलों के जानकार यह मानते हैं कि ऐसा संभव नहीं है। बीएनपी का इतिहास भारत विरोधी रहा है। वह जब भी सत्ता में रही, वहां कट्टरपंथियों और आतंकियों ने अपनी जड़ें मजबूत कीं। तब भी हिंदुओं के विरुद्ध वहां हिंसक घटनाएं हुईं। ऐसे में चुनाव बाद हालात बदल जाएंगे यह सोचना उचित नहीं होगा।

शेख हसीना के शासन में अल्पसंख्यक सुरक्षित रहे हैं। शेख हसीना को सत्ता से बेदखल कर दिया गया। इसके बाद से अल्पसंख्यकों का जीना मुहाल हो गया है।

सोशल फोरम

जिंदगी के लिए अनोखी जंग

डॉक्टर बोले- ब्लड कैंसर है। बचना मुश्किल है। जब मौत सामने थी और दवा ने जवाब दे दिया, तब उस आदमी ने जंगल और बर्फीली नदी से जिंदगी की नई कहानी लिखी।

52 वर्षीय एक व्यक्ति की कहानी इस सोच को नई ऊर्जा देती है। उन्हें ल्यूकेमिया (ब्लड कैंसर) और लिंफोमा (लसीका ग्रंथि का कैंसर) हुआ। डॉक्टरों ने तुरंत कीमोथेरेपी और रेडिएशन की सलाह दी, लेकिन उन्होंने conventional treatment को ठुकराकर नेचुरल कैंसर हीलिंग का मार्ग अपनाया।

अजीत सिंह
ब्लॉगर

इस व्यक्ति ने खुद को एक 'प्राकृतिक ट्रायल' में झोंक दिया। उन्होंने 4C के बर्फीले पानी में 187 मील तैरने का संकल्प लिया। यह किसी भी औसत व्यक्ति के लिए असंभव लगता है, लेकिन उनके लिए यह प्रकृति से जुड़ने का एक जरिया था। नेचुरल कैंसर हीलिंग के तहत ठंडे पानी में तैरना न सिर्फ शरीर को झटका देता है, बल्कि इम्यून सिस्टम को भी जागृत करता है।

187 मील (करीब 300 किलोमीटर) तैराकी 4C के बर्फीले पानी में की। हर हफ्ते एक रात जंगल में बिताई। कैंसर से लड़ने के बजाय जीवन से प्यार करने का नजरिया अपनाया। हर हफ्ते एक रात वह जंगल में अकेले बिताते थे। कोई गैजेट नहीं, कोई इंसानी संपर्क नहीं। सिर्फ पेड़, चांदनी और उनके विचार। यह प्रकृति से गहन संपर्क नेचुरल कैंसर हीलिंग का एक अनिवार्य हिस्सा है, जहां शरीर को नकारात्मकता से मुक्ति मिलती है।

पहली तैराकी के बाद जब ब्लड टेस्ट हुआ तो ल्यूकेमिया गायब हो चुका था। उनके कैंसर विशेषज्ञ डॉक्टर ने यहां तक कहा, 'अगर मैंने खुद उनका टेस्ट नहीं किया होता, तो यकीन नहीं करता कि उन्हें कभी कैंसर था!'

इस तरह के प्राकृतिक तरीकों को आज विज्ञान भी समर्थन देता है। जापान में हुए एक शोध में पाया गया कि जंगल में 72 घंटे बिताने पर नेचुरल किलर सेल्स (NK Cells) की संख्या 50 से 200 गुना तक बढ़ जाती है। ये वही कोशिकाएं हैं जो कैंसर से लड़ती हैं। नेचुरल कैंसर हीलिंग में प्रयोग होने वाले शारीरिक और मानसिक व्यायाम, जैसे तैराकी और मेडिटेशन, इम्यून सिस्टम को पुनर्जीवित करने में सहायक हैं।

कोल्ड वाटर में डुबकी लगाने से एंटी-इंफ्लेमेटरी हार्मोन्स सक्रिय होते हैं, जिससे शरीर खुद को मरम्मत करता है। सच है कि दवाएं आखिरी विकल्प होनी चाहिए, पहली नहीं। हर दवा के साइड इफेक्ट होते हैं, लेकिन प्रकृति के सिर्फ फायदे होते हैं। **–फेसबुक वाल से**

सामयिकी

आर्थिक महाशक्ति भारत व आम लोगों का जीवन स्तर

आज भारत 4.187 ट्रिलियन डॉलर के साथ विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और उसने जापान को पीछे कर दिया है। भारत सबसे तेज गति वाली अर्थव्यवस्था है और वह दिन दूर नहीं है, जब भारत में कामगार आबादी एक अरब होगी। फिलहाल भारत की कुल आबादी 1.47 अरब को पार कर चुकी है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक और कई विख्यात रेटिंग एजेंसियां 2025-26 (31 मार्च, 2026 तक) वित्त वर्ष में भारत की आर्थिक विकास दर औसतन 7 फीसदी आंक रही हैं। देश के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन इससे भी अधिक विकास दर को लेकर आशान्वित हैं।

जर्मनी 4.7 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के साथ तीसरे स्थान पर है। भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के कगार पर है। ऐसी अनुकूल स्थिति के बावजूद प्रधानमंत्री मोदी ने शीर्ष नौकरशाहों को यह सलाह क्यों दी है कि 'विनियमन प्रकोष्ठ' स्थापित किए जाएं। प्रधानमंत्री देश की बढ़ती आर्थिक ताकत के रास्ते में किसी भी नियम, कानून और प्रक्रिया को रोड़ा बनने के पक्षधर नहीं हैं। साफ है कि प्रधानमंत्री सुधारों को गति देना चाहते हैं।

आकाश सपेलकर
अधिवक्ता, सुप्रीम कोर्ट

नीति आयोग ने 2017 की अपनी रपट में स्वीकार किया था कि भारत में एक दुकान स्थापित करने में औसतन 118 दिन लगते थे। असम में यह अवधि 248 दिन तक फैल जाती थी। बेशक आज स्थितियां तुलनात्मक रूप से बेहतर हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने फालतू के सैकड़ों कानूनों को खत्म किया है, लेकिन प्रक्रियाएं आज भी व्यापार, उद्योग के पहिये को अवरुद्ध कर रही हैं, लिहाजा प्रधानमंत्री को 'विनियमन प्रकोष्ठ' स्थापित करने की बात कहनी पड़ी है।

यदि भारत 2047 तक 'विकसित राष्ट्र' बनना चाहता है, तो ऐसी स्थितियां बनानी पड़ेंगी, जिनमें कायदे-कानून और फालतू की प्रक्रियाएं 'शासन' न करती हों, बल्कि नियमन को सहज-सुगम बनाती हों। अब भारत ऐसा देश है, जिसमें 2025 में 1.95 लाख करोड़ रुपये के आईपीओ आए और डीमैट खातों की संख्या 21 करोड़ के पार चली गई। अभी तक 1350 स्टार्टअप में 25,320 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया गया है।

आज भारत 159 प्रकार के गोला-बारूद, गोलियां, रॉकेट आदि का उत्पादन देश में ही कर रहा है। रक्षा-क्षेत्र करीब 91 फीसदी आत्मनिर्भर हो चुका है। 'मेक इन इंडिया' उत्पादों में ब्रह्मोस और पिनाका मिसाइलों की मांग बढ़ रही है। 2029 तक भारत ने 50,000 करोड़ रुपये के रक्षा-निर्यात का लक्ष्य तय किया है। आधा तो हम हासिल कर चुके हैं। बहरहाल संसद में बजट पेश करते हुए राजकोषीय घाटे का जो लक्ष्य तय किया गया था, वह नियंत्रण में है। मुद्रास्फीति 0.7 फीसदी तक गिर गई है। चालू खाते का घाटा दोगुना हो सकता है, लेकिन यह जीडीपी के 1.2 फीसदी तक ही रहेगा, जो एक सहज स्थिति है।

यह हमारी आर्थिक और बाजारी ताकत है कि गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, अमेजन जैसी विख्यात बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने भारत में 67.5 अरब डॉलर का निवेश करने की घोषणाएं की हैं। आज भारत महाशक्ति के जिस अवतार में है, उसमें बहुआयामी गरीबी, बेरोजगारी, किसानी, श्रम, पानी आदि को लेकर जो संकटग्रस्त स्थितियां हैं, वे बहुत बड़ा सवालिया निशान भी हैं। कमोबेश 2026 में उन पर प्राथमिकता के स्तर पर विचार किया जाना चाहिए। भारत को आर्थिक क्षेत्र में अभी लंबा सफर तय करना है। पर इन सभी सांख्यिकी ऊंचाइयों का प्रभाव समान्य लोगो के जीवन पर पड़ना चाहिए, जिससे कि उनके जीवन का भी सांख्यिकी विकास हो।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं मकान नं.197/1, समता आश्रम गली, रामपुर रोड, हल्द्वानी, जिला नैनीताल, उत्तराखंड-263139 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक - अमित शर्मा*** 05946292618 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UTTHIN/2021/79698, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नैनीताल होगा)।

बोधकथा

सुनने का महत्व

एक वर्ष तक वनवास का जीवन जीने के बाद युवराज का मन अपने राज्य लौटने को व्याकुल हो उठा। उसे लगता था कि अब वह बहुत कुछ सीख चुका है, परंतु गुरु की आज्ञा के आगे उसका आग्रह ठहर नहीं सका। विवश होकर वह फिर से उसी घने जंगल की ओर चल पड़ा, जहां मौन ही सबसे बड़ा गुरु था। दिन बीतते गए। वृक्षों की सरसराहट, पक्षियों की चहचहाहट और बहती हवा की आवाजें उसे पहले जैसी ही प्रतीत होती रहीं। कोई नवीन अनुभव नहीं, कोई नई अनुभूति नहीं। युवराज के मन में बेचैनी घर करने लगी। क्या यही वह शिक्षा थी, जिसके लिए उसे फिर वन में भेजा गया था?

एक दिन उसने ठान लिया कि अब वह केवल कानों से नहीं, मन से सुनेगा। उसने अपने भीतर के शोर को शांत किया और हर ध्वनि को पूरे ध्यान से ग्रहण करने लगा। तभी एक सुबह, जब जंगल अभी नींद से जाग ही रहा था, उसे कुछ अज्ञात-सी, अत्यंत सूक्ष्म आवाजें सुनाई देने लगीं। ये आवाजें कानों से अधिक आत्मा में उतरती चली गईं। समय के साथ उसकी संवेदनशीलता बढ़ती गई। अब उसे कलियों के खिलने की मूक ध्वनि सुनाई देने लगी। धरती पर उतरती सूर्य-किरणें उसे किसी कोमल राग की तरह प्रतीत होने लगीं। तितलियों की उड़ान में गीत था और घास की पत्तियां सुबह की ओस को ऐसे पीती थीं, मानो प्रकृति स्वयं संवाद कर रही हो। कुछ दिनों बाद युवराज गुरु के चरणों में उपस्थित हुआ। उसने विनम्रता से कहा, "गुरुदेव, जब तक मैं सतही रूप से सुनता रहा, मुझे कुछ नया नहीं मिला, लेकिन जिस दिन मैंने ध्यान से सुनना सीखा, उस दिन मुझे वह सब सुनाई देने लगा जो शब्दों में नहीं था।"

गुरु मुस्कुराए और बोले, "यही शिक्षा है, जो शासक अनकही पीड़ा को सुन ले, बिना बोले भावनाएं समझ ले, वही सच्चा राजा होता है। अनसुनी आवाजों को सुनने की क्षमता ही जनविश्वास की नींव है।" इससे हमको शिक्षा मिलती है कि सच्चा नेतृत्व आदेश देने से नहीं, संवेदनशील सुनने से जन्म लेता है, जो अनकहे को सुन ले, वही लोगों के दिलों पर राज करता है।

– पंकज शर्मा

शुभ मंगल और कल्याण का प्रतीक
स्वास्तिक

भारतीय संस्कृति में प्रतीकों का बड़ा महत्व है। यह प्रतीक अपने भीतर अनेक रहस्यों को समेटे रहते हैं, लेकिन इनका रहस्य वही जान सकता है, जो संस्कृति के इन प्रतीकों को गहराई से जानता एवं समझता हो। शेष लोगों के लिए प्रतीक केवल प्रतीक जैसे ही होते हैं। भारतीय संस्कृति में 'स्वास्तिक' भी एक महत्वपूर्ण प्रतीक है। इसे सूर्य का प्रतीक माना जाता है। वैसे भारतीय संस्कृति में स्वास्तिक के अनगिनत आयाम हैं और इसे तरह-तरह से अभिव्यक्त किया गया है। स्वास्तिक का सामान्य अर्थ आर्शीवाद देने वाला, मंगल या पुण्य कार्य करने वाला है। यह शुभ या मांगलिक कार्यो एवं पुण्यकृतियों की स्थापना के रूप में प्रकट किया जाता है।

पं. मनोज कुमार द्विवेदी
ज्योतिषाचार्य, कानपुर

स्वास्तिक का प्रतीक 'ॐ'

स्वास्तिक का अर्थ, ऐसे अस्तित्व से है, जो शुभ भावना से सराबोर हो, कल्याणकारी हो, मंगलमय हो, जहां अशुभता, अमंगल एवं अनिष्ट का लेश मात्र भय न हो। स्वास्तिक का अर्थ है ऐसी सत्ता, जहां केवल कल्याण एवं मंगल की भावना ही निहित हो, जहां औरों के लिए शुभ भावना सन्निहित हो। इसलिए स्वास्तिक को कल्याण की सत्ता और उसके प्रतीक के रूप में निरूपित किया जाता है। विघ्नहर्ता श्रीगणेश जी की प्रतिमा की भी स्वास्तिक चिह्न से संगति है। श्रीगणेश जी के सूड़, हाथ, पैर, सिर आदि अंग इस तरह से चित्रित होते हैं कि यह स्वास्तिक की चार भुजाओं के रूप में प्रतीत होते हैं। 'ॐ' को भी स्वास्तिक का प्रतीक माना जाता है। 'ॐ' ही सृष्टि के सृजन का मूल है, इसमें शक्ति, सामर्थ्य एवं प्राण सन्निहित हैं। ईश्वर के नामों में सर्वोपरि मान्यता इसी अक्षर की है। अत: स्वास्तिक ऐसा प्रतीक है, जो सर्वोपरि भी है और शुभ एवं मंगलदायक भी है।

मंगलाचरण के लिए महत्वपूर्ण है स्वास्तिक

स्वास्तिक को शास्त्रों में शुभ एवं कल्याणकारी बताया गया है। प्राचीन काल में हमारे यहां कोई भी श्रेष्ठ कार्य करने से पूर्व मंगलाचरण लिखने की परंपरा थी। यह मंगलाचरण सभी के लिए लिखना संभव नहीं था, परंतु सभी इस मंगलाचरण का महत्व जानते थे एवं उसका लाभ भी लेना चाहते थे। इसलिए ऋषियों ने स्वास्तिक चिह्न की परिकल्पना की, जिससे सभी के कार्य मंगलप्रद ढंग से संपन्न हो सकें। धार्मिक और मांगलिक कार्यों में वेदी पर चावल आदि से स्वास्तिक को उकेरना मंगलमय माना जाता है।

सकारात्मक ऊर्जा में वृद्धि

स्वास्तिक जहां भी बनाया जाता है, वहां की नकारात्मक ऊर्जा को नष्ट करता है। ब्रह्मांड में सकारात्मक ऊर्जा की धारा को अपनी ओर आकर्षित करने की इसमें अद्भुत क्षमता है। इसी को आधार मानकर स्वास्तिक को अलग-अलग वस्तुओं से बनाया जाता है, जिनके अलग-अलग अर्थ होते हैं। जैसे सिंदूर या अष्टगंध से निर्मित स्वास्तिक शुभ और सात्विक माना जाता है। स्वास्तिक जहां भी होता है, नकारात्मक ऊर्जा को नष्ट करता है और सकारात्मक उर्जा में वृद्धि करता है। इस तरह स्वास्तिक एक श्रेष्ठ एवं मंगलप्रद प्रतीक है, जो सदा कल्याणकारी होता है।

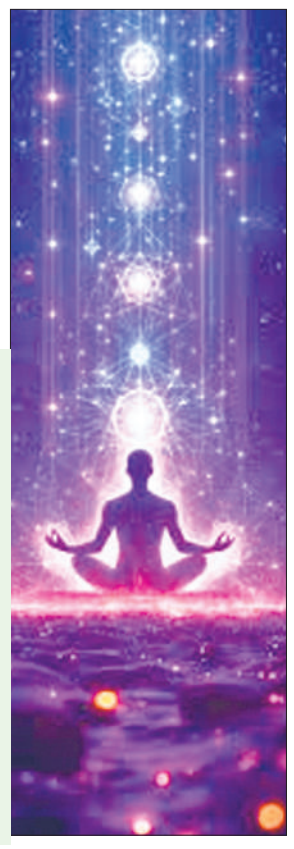

प्राचीन काल से दुनिया की कई संस्कृतियों में प्रमाण

स्वास्तिक को एक प्राचीन वैश्विक प्रतीक भी माना जाता है। हजारों वर्षों से दुनिया की कई संस्कृतियों में इसके प्रमाण मिलते रहे हैं। भारतीय संस्कृति में हिंदू, बौद्ध और जैन धर्म में स्वास्तिक को सौभाग्य और मंगल का प्रतीक माना गया है। हिंदू धर्म में यह सूर्य, भगवान विष्णु, 'ॐ' और ब्रह्मांड का प्रतीक है। बौद्ध धर्म में बुद्ध के पदचिह्न और जैन धर्म में यह 24 तीर्थंकरों में से एक का प्रतिनिधित्व करता है। भारतीय उपमहाद्वीप में सिंधु घाटी सभ्यता से पहले इसके साक्ष्य मिलते हैं। 3,000 ईसा पूर्व की मोहरों में स्वास्तिक चिह्न पाया गया है। इस प्रकार स्वास्तिक एक सार्वभौमिक प्रतीक है, जो विभिन्न संस्कृतियों में शुभता और कल्याण के लिए उपयोग किया जाता रहा है, जबकि भारत में इसका विशेष आध्यात्मिक महत्व है।

महत्वपूर्ण व्रत

सकट चौथ

दिनांक - 6 जनवरी

पूजा का मुहूर्त- रात 8.54 बजे

धर्मशास्त्रों में उल्लेखित सकट चौथ का व्रत सूर्योदय से चंद्रोदय तक रखा जाता है। कई भक्त निर्जला उपवास करते हैं, जबकि कुछ फलाहार या सात्विक भोजन ग्रहण करते हैं। इसके लिए सुबह स्नान कर स्वच्छ वस्त्र पहनें और व्रत का संकल्प लें। दिन भर भगवान गणेश का स्मरण करें। शाम को विधिवत पूजन के बाद चंद्र दर्शन करें और दूध, जल से अर्घ्य दें। इसके बाद व्रत का पारण करें। निर्जला व्रत कठिन लगे तो फल, दूध या अन्य हल्का सात्विक भोजन ले सकते हैं, लेकिन नमक से परहेज करना चाहिए।

अधिकमास का साल

डॉ. प्रदीप द्विवेदी 'रमण'
आध्यात्मिक लेखक

हिंदी पंचांग के अनुसार 2026 अधिकमास वाला साल है। अधिकमास में आठ साल बाद दो ज्येष्ठ माह होंगे, जबकि पिछली बार अधिमास में दो सावन पड़ थे। इस तरह यह साल 13 माह का रहेगा। इसमें पिछले साल की तुलना में ज्यादातर त्योहारों में बदलाव दिखेगा।

इस साल शुरुआत के छह महीने में त्योहार पिछले साल की तुलना में 10 दिन पहले पड़ेंगे और अगले छह महीने में त्योहार 16 से 19 दिन की देरी से पड़ेंगे। इसलिए इस बार होली 10 दिन पहले चार मार्च को पड़ेगी अर्थात चार मार्च और दीपावली पिछले साल से 17 दिन देरी से यानी आठ नवंबर को मनाई जाएगी। अधिकमास को पुरुषोत्तम मास भी कहते हैं। ज्योतिषीय गणना के अनुसार अधिकमास एक अतिरिक्त चंद्र माह होता है, जो हर तीन साल में सौर कैलेंडर में जोड़ा जाता है। जिस तरह अंग्रेजी कैलेंडर में लीप ईयर होता है, उसी तरह पंचांग में अधिकमास होता है। सौर वर्ष 365 दिन और चंद्र वर्ष 364 दिनों का होता है। ज्योतिष के आधार पर तीन वर्ष में चंद्र और सूर्य वर्ष के बीच आए इन्हीं 11 दिनों के अंतर को खत्म करने के लिए तीन साल में एक बार एक अधिकमास आता है।

ऋषि कश्यप

हमारे ऋषि

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार महर्षि कश्यप को संपूर्ण सृष्टि का मूल सृजक माना गया है। कश्यप केवल एक महापुरुष ही नहीं, बल्कि एक व्यापक गोत्र का नाम भी हैं। परंपरा कहती है कि जिस व्यक्ति का गोत्र ज्ञात न हो, उसका गोत्र कश्यप माना जाता है, क्योंकि समस्त जीव-जगत की उत्पत्ति कश्यप ऋषि से ही हुई मानी गई है।

कश्यप ऋषि से जुड़ी एक प्रसिद्ध कथा परशुराम से संबंधित है। कहा जाता है कि भगवान परशुराम ने पृथ्वी को क्षत्रियों से मुक्त कर संपूर्ण धरती अपने गुरु कश्यप मुनि को दान में दे दी। दान स्वीकार करने के बाद कश्यप मुनि ने परशुराम से कहा- "अब तुम मेरी दी हुई भूमि पर निवास मत करो।" गुरु की आज्ञा का पालन करते हुए परशुराम ने यह संकल्प लिया कि वे रात्रि में पृथ्वी पर नहीं रहेंगे। प्रतिदिन संध्या होते ही वे अपनी तीव्र गमन शक्ति से महेंद्र पर्वत पर चले जाते थे और प्रातः पुनः लौट आते थे।

महर्षि कश्यप का तेज पिघले हुए स्वर्ण के समान वर्णित है। उनकी जटाएं अग्नि-ज्वालाओं की भांति प्रज्वलित रहती थीं। वे ऋषियों में श्रेष्ठ, नीति और धर्म के परम अनुयायी थे। उनका आश्रम मेरु पर्वत के शिखर पर स्थित था, जहां वे ब्रह्म-तत्व के ध्यान में लीन रहते थे। सुरों और असुरों दोनों के मूल पुरुष के रूप में कश्यप मुनि का उल्लेख अनेक पुराणों में मिलता है। श्री नरसिंह पुराण के अनुसार, कश्यप ऋषि की पत्नियों से उत्पन्न मानस पुत्रों से ही सृष्टि का विस्तार हुआ। इसी कारण वे 'सृष्टि के सृजनकर्ता' कहलाए।

पुराणों में उनकी कुल सत्रह पत्नियों का उल्लेख है, जिनमें से तेरह दक्ष प्रजापति की पुत्रियां थीं। इन पत्नियों ने अपने-अपने स्वभाव और गुणों के अनुरूप विभिन्न संतानों को जन्म दिया।

ऋषि की पत्नी अदिति से बारह आदित्यों का जन्म हुआ, जिनमें भगवान विष्णु का वामन अवतार भी सम्मिलित है। यही अवतार मानव रूप में विष्णु का प्रथम अवतार माना जाता है, जिसे दक्षिण भारत में उपेन्द्र कहा गया। अदिति से हिरण्यकश्यप, हिरण्याक्ष और सिंहिका का भी जन्म हुआ। हिरण्यकश्यप का वध भगवान नरसिंह ने और हिरण्याक्ष का वध वराह अवतार ने किया। दनु से दानवों की उत्पत्ति हुई, अरिष्टा से गंधर्व, सुरभि से गौवंश और विनता से गरुड़ तथा अरुण का जन्म हुआ। गरुड़ विष्णु के वाहन बने और अरुण सूर्यदेव के सारथी। क्रोधवशा से हिंसक जीवों तथा कद्रू से नागवंश की उत्पत्ति मानी गई। इन्हीं नागों के कारण कश्मीर को पुराणों में 'नागों की भूमि' कहा गया है।

सकट व्रत : लोक संस्कृति की पावन परंपरा

भारतीय सनातन संस्कृति में व्रत-पर्वों का अद्वितीय महत्व है। इन्हीं पावन व्रतों में से एक है 'तिलकुटी व्रत' या 'सकट चौथ', जो भगवान गणेश जी को समर्पित है। यह व्रत माघ मास के कृष्ण पक्ष चतुर्थी तिथि को विशेष विधि-विधान से मनाया जाता है। माताएं अपनी संतान की दीर्घायु, सुख-समृद्धि और सर्वांगीण कल्याण के लिए यह व्रत रखती हैं। विघ्नहर्ता गणेश की आराधना से सभी संकटों का निवारण होता है और जीवन में शुभता का संचार होता है। तिलकुटी व्रत को सकट चौथ, संकष्टी चतुर्थी, तिल चतुर्थी और माघी चतुर्थी जैसे विभिन्न नामों से जाना जाता है। संकष्टी शब्द का अर्थ संकटों को हरने वाला होता है।

भगवान गणेश को संकट हरने वाले देवता के रूप में पूजा जाता है, इसलिए इस व्रत को संकष्टी चतुर्थी कहा जाता है। 'तिलकुटी' नाम इसलिए पड़ा, क्योंकि इस दिन तिल और गुड़ से बने पदार्थ, विशेषकर तिलकुट्टा या तिल के लड्डू, भगवान गणेश को भोग स्वरूप अर्पित किए जाते हैं। भगवान गणेश को मोदक और लड्डू अत्यंत प्रिय हैं और तिल के लड्डू इस व्रत का मुख्य प्रसाद होते हैं। भगवान गणेश की वंदना से व्रत का शुभारंभ होता है

पौराणिक कथा के अनुसार एक बार देवता अनेक विपत्तियों में घिरे हुए थे। वे सहायता मांगने भगवान शिव के पास गए। उस समय कार्तिकेय और गणेश जी भी वहां उपस्थित थे। भगवान शिव ने पूछा कि कौन देवताओं के कष्टों का निवारण कर सकता है।दोनों पुत्रों ने स्वयं को सक्षम बताया। भगवान शिव ने परीक्षा लेते हुए कहा कि जो सबसे पहले पृथ्वी की परिक्रमा करके आएगा वही देवताओं की सहायता करेगा। कार्तिकेय तुरंत अपने मोर पर बैठकर निकल पड़े, लेकिन गणेशजी सोच में पड़ गए कि उनके वाहन चूहे पर पूरी पृथ्वी की परिक्रमा में बहुत समय लगेगा। तब बुद्धिमान गणेशजी ने अपने माता-पिता भगवान शिव और माता पार्वती की परिक्रमा की और कहा कि माता-पिता में संपूर्ण ब्रह्मांड समाया है। इससे प्रसन्न होकर भगवान शिव ने गणेशजी को विजयी घोषित किया और आशीर्वाद दिया कि चतुर्थी के दिन जो भक्तिपूर्वक गणेश की पूजा करेगा और रात्रि में चंद्रमा को अर्घ्य देगा, उसके तीनों ताप- दैहिक, दैविक और भौतिक दूर हो जाएंगे।

जयदेव राठी भराण
स्वतंत्र लेखक

एक साहूकार और साहूकारनी थे, जो धर्म-पुण्य में विश्वास नहीं रखते थे। इस कारण उन्हें संतान सुख प्राप्त नहीं हुआ। एक दिन पड़ोसन सकट चौथ की कहानी सुन रही थी। जब साहूकारनी ने पूछा कि यह क्या है, तो पड़ोसन ने बताया कि इस व्रत से अन्न, धन, सुहाग और संतान की प्राप्ति होती है। साहूकारनी ने मन्नत मांगी कि यदि उसे गर्भ ठहर जाए, तो वह सवा सेर तिलकुट करेगी। उसकी मनोकामना पूर्ण हुई। फिर उसने पुत्र प्राप्ति के लिए ढाई सेर तिलकुट का संकल्प लिया और उसे पुत्र की प्राप्ति हुई, लेकिन समृद्धि आने पर साहूकारनी व्रत और संकल्प भूल गई। परिणामस्वरूप चौथ माता नाराज हो गईं और उनके पुत्र को संकट में डाल दिया। जब साहूकारनी को अपनी भूल का एहसास हुआ, तो उसने ढाई मन का तिलकुट बनाकर विधिपूर्वक सकट चौथ का व्रत किया। गणेश जी और चौथ माता प्रसन्न हुए और उनके पुत्र को सकुशल घर लौटा दिया। माघ मास में तिल का विशेष महत्व है। तिल से स्नान, होम, दान, भोजन और तिल युक्त जल पान - ये षट्तिल कर्म पापों का नाश करने वाले हैं। माघ मास में तिल दान, तिल तेल से भोजन और तिल से हवन करने वाला परम गति को प्राप्त करता है। तिल के औषधीय गुण अद्भुत हैं - यह शरीर में उष्णता उत्पन्न करता है, कैल्शियम, आयरन, मैग्नीशियम का उत्कृष्ट स्रोत है, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है, हड्डियों और दांतों को मजबूत बनाता है तथा त्वचा और बालों के लिए लाभकारी है। गुड़ भी ऊर्जा का तत्काल स्रोत है और रक्त शुद्धिकरण में सहायक है। तिल-गुड़ का संयोजन शीतकाल में पूर्ण आहार का कार्य करता है। यह हमारे पूर्वजों की वैज्ञानिक सोच का प्रमाण है।

माताएं अपनी संतान की दीर्घायु, सुख-समृद्धि और निरोगी जीवन के लिए यह व्रत रखती हैं। यह व्रत परिवार में एकता और प्रेम का प्रतीक है। ऐसी मान्यता है कि तिलकुट को पुत्र द्वारा खोलने और भाई-बंधुओं में बांटने से आपसी प्रेम-भावना की वृद्धि होती है। कुछ क्षेत्रों में तिलकुट का बकरा बनाया जाता है जिसकी गर्दन घर का छोटा बच्चा काटता है। बिहार और झारखंड में इसे तिलकुट चौथ, उत्तर प्रदेश में सकट चौथ, राजस्थान में संकष्टी चतुर्थी और महाराष्ट्र में तिल गुड़ घ्या आणि गोड गोड बोला (तिल-गुड़ लो और मीठा बोलो) कहा जाता है।

लोक गीतों में तिलकुटी का विशेष वर्णन मिलता है। बिहार की लोक परंपरा में गाया जाता है: 'माघ मासे के चउथी, करिहैं तिलकुट के पूजा, गणेशा के मनइबै, बिटवा के रक्खइबै' (माघ मास की चौथ पर, करेंगे तिलकुट की पूजा, गणेश को मनाएंगे, बेटे की रक्षा करेंगे)। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में जब परिवार बिखरते जा रहे हैं, तब तिलकुटी जैसे पर्व परिवार को एक सूत्र में बांधते हैं। यह व्रत हमें अनेक शिक्षाएं देता है।

पौराणिक कथा

तपस्या के साए में जन्मी सवारी

शेर के मां दुर्गा का वाहन बनने की कथा भारतीय पौराणिक परंपरा में तप, त्याग और करुणा की अद्भुत मिसाल है। इस कथा का आरंभ उस समय होता है, जब माता पार्वती भगवान शिव को पति रूप में प्राप्त करने के लिए वर्षों तक घोर तपस्या में लीन रहती हैं। हिमालय की कठोर जलवायु, एकांत और निरंतर साधना उनके संकल्प को और दृढ़ बना देती है। अंततः उनकी भक्ति से प्रसन्न होकर भोलेनाथ उन्हें अपनी अर्धांगिनी स्वीकार करते हैं। कठोर तपस्या के कारण माता पार्वती का शरीर और रंग रूप बदल जाता है। एक दिन सहज संवाद में भगवान शिव उन्हें "काली" कह देते हैं। यह शब्द माता के मन को गहराई से आहत करता है। आत्मसम्मान और आत्मबोध से प्रेरित होकर वे पुनः वन की ओर प्रस्थान करती हैं और पहले से भी अधिक कठोर तप करने लगती हैं, ताकि वे अपने पूर्ववत गौर स्वरूप को पुनः प्राप्त कर सकें।

उसी वन में एक शेर भटकते-भटकते वहां आ पहुंचता है। देवी को देखकर उसके भीतर उन्हें भोजन बनाने की इच्छा जागती है, पर जैसे ही वह समीप जाता है, माता की तपस्या से उत्पन्न दिव्य तेज उसे रोक देता है। भय और श्रद्धा के मिश्रित भाव से वह हर बार पीछे हट जाता है। दिन बीतते जाते हैं, वर्ष गुजर जाते हैं, पर शेर प्रतीक्षा नहीं छोड़ता। भूखा-प्यासा, वह एक कोने में बैठकर माता के तप पूर्ण होने की बाट जोहता रहता है। अनजाने में वह भी उसी तप का सहभागी बन जाता है।

माता पार्वती की घोर तपस्या से प्रसन्न होकर अंततः भगवान शिव प्रकट होते हैं और उन्हें वर मांगने को कहते हैं। माता विनम्रता से अपने गौर वर्ण की कामना प्रकट करती हैं। भगवान शिव उनका वरदान पूर्ण करते हैं। स्नान के समय माता के शरीर से कौशिकी देवी का प्राकट्य होता है और तप से उत्पन्न काला रंग विलीन हो जाता है। तभी से माता पार्वती "मां गौरी" के नाम से विख्यात होती हैं। स्नान के उपरांत जब माता वन से बाहर आती हैं, तो उनकी दृष्टि उस शेर पर पड़ती है, जो अब भी भूखा, थका हुआ और शांत भाव से एक ओर बैठा था। उसका धैर्य और प्रतीक्षा माता के हृदय को द्रवित कर देती है। वे भगवान शिव से कहती हैं- "नाथ, जितना तप मैंने किया, उतना ही इस शेर ने भी मेरे साथ सहन किया है। इसने मेरे तप की मर्यादा रखी है।"

माता की करुणा से प्रसन्न होकर भगवान शिव शेर को उनका वाहन बना देते हैं। तभी से माता शेर पर आरूढ़ होकर मां दुर्गा, मां शेरावाली के रूप में पूजित हुईं, जहां शेर शक्ति और साहस का प्रतीक है और माता उस शक्ति की नियंत्रक करुणामयी अधिष्ठात्री।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	85,439.62	26,250.30
गिरावट	322.39	78.25
प्रतिशत में	0.38	0.30

सोना 1,40,400 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,44,000 प्रति किलो

अमृत विचार

हल्द्वानी, मंगलवार ,6 जनवरी 2026

www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2535, राज श्री 1800, फ़ॉर्चून कि. 2265, रविन्द्रा 2410, फॉर्चुन 13 किग्रा 1995, जय जवान 1990, सचिन 2020, सूरज 1990, अवसर 1860, उजाला 1930, गृहणी 13 किग्रा 1870, क्लासिक (किग्रा) 2160, मोर 2185, चक्र टिन 2300, ब्लू 2100, आशीर्वाद मस्टर्ड 2295, स्वास्तिक 2490

किराना : हल्दी निजामाबाद 17000, जीरा 24500, लाल मिर्च 14000-18000, धनिया 9400-12000, अजवायान 13500-20000, मेथी 6000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 31000, (प्रतिकि.) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 840, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल (प्रति कु.) : डबल चाबी सेला 9600, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 4850, शर्बती स्टीम 5200, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 8200, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1किग्रा,5किग्रा) 10100, हरी पति नेचुरल 9100, जेनिथ 8400, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350,लाडली 4000

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12000-13400, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7350-9200, मलका छाँटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 7800-8500, मसूर दाल छोटी 10000-11600, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 11800, उड़द धोवा 9800-10400,चना काला 7150, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7100, मलका विदेशी 7200, रूपकिशोर बेसन 7700, चना अकोला 6600, डबरा 6700-8400, सच्चा हीरा 8500, मोटा हीरा 9800, अरहर गोला मोटा 7700, अरहर पटका मोटा 8000, अरहर कोरा मोटा 8500, अरहर पटका छोटा 10000-10600, अरहर कोरी छोटी 11000

चीनी : पीलीभीत 4260, बहेड़ी 4200

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती- 3000, मसूरी- 900, बासमती- 5200, परमल- 1300

दाल दलहन : काला चना- 2400, साबुत चना दाल- 1900, मूंग साबुत- 4400, राजमा- 8000-11400, दाल उड़द- 5000, साबुत मसूर दाल- 3000, मसूर दाल- 2100, उड़द साबुत- 4200, काबुली चना- 8200, अरहर दाल- 10200, लोबिया/करमानी- 1700

यूरिया आयात दोगुना, 71.7 लाख टन पहुंचा

एफएआई ने कहा- देश के किसानों की मांग की पूर्ति के लिए विदेश पर बढ़ी भारत की निर्भरता

- अप्रैल-नवंबर 2024-25 में आयात गत वर्ष की तुलना में 120.3 प्रतिशत बढ़ा
- नवंबर माह में यूरिया का आयात 68.4 प्रतिशत बढ़कर 13.1 करोड़ टन हुआ

नई दिल्ली, एजेंसी

घरेलू उत्पादन में गिरावट से चालू वित्त वर्ष 2025-26 के पहले आठ महीने में भारत का यूरिया आयात दोगुने से अधिक होकर 71.7 लाख टन हो गया है जो किसानों की मांग को पूरा करने के लिए विदेशी आपूर्ति पर देश की बढ़ती निर्भरता को दर्शाता है। फर्टिलाइजर एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एफएआई) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल-नवंबर 2024-25 के दौरान यूरिया का आयात पिछले वर्ष की इसी अवधि के 32.6 लाख टन की तुलना में 120.3% बढ़कर 71.7 लाख टन हो गया।

आंकड़ों के अनुसार, घरेलू यूरिया उत्पादन अप्रैल 2025 से नवंबर 2025 के बीच 3.7% घटकर 1.97 करोड़ टन रहा। कुल यूरिया बिक्री 2.3% बढ़कर 2.54 करोड़ टन तक पहुंच गई। एफएआई के चेयरमैन एस. शंकर सुब्रमण्यम ने कहा कि हमने समन्वित योजना के माध्यम से बिक्री में वृद्धि हासिल की है लेकिन आयात पर महत्वपूर्ण निर्भरता (विशेष रूप से यूरिया और डीएपी के लिए) रणनीतिक आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन के महत्व को दर्शाती है। यूरिया का आयात नवंबर माह में 68.4% बढ़कर 13.1 करोड़ टन हो गया, जबकि नवंबर 2024 में यह 7.8 लाख टन था। यूरिया की बिक्री पिछले वर्ष की तुलना में नवंबर माह में 4.8% बढ़कर 37.5 लाख टन हो गई। अन्य महत्वपूर्ण मृदा पोषक तत्व, डाई-अमोनियम फॉस्फेट (डीएपी) की आयात पर निर्भरता भी बढ़ रही है। डीएपी का आयात अब कुल आपूर्ति का 67% है जो गत वर्ष 56% था। 2025-26 के अप्रैल-नवंबर के दौरान इसकी बिक्री 71.2 लाख टन पर स्थिर रही। घरेलू डीएपी उत्पादन में 5.2% की गिरावट आई और यह 26.8 लाख टन रह गया।

स्वदेशी उर्वरकों की बिक्री में 15% की वृद्धि

एफएआई के महानिदेशक डॉ. सुरेश कुमार चौधरी ने कहा कि इन आंकड़ों में दो प्रमुख बातें सामने आई हैं। पहला, नाइट्रोजन और फॉस्फेट पोषक तत्वों के लिए आयात-आधारित आपूर्ति प्रबंधन की ओर संरचनात्मक बदलाव है। दूसरा, एसएसपी जैसे स्वदेशी फॉस्फेट उर्वरकों का मजबूत प्रदर्शन है जिनकी बिक्री में 15% की वृद्धि हुई है। चौधरी ने कहा कि यह एक संतुलित दृष्टिकोण का संकेत है। हम नियोजित आयात के माध्यम से महत्वपूर्ण पोषक तत्वों को सुरक्षित कर रहे हैं। साथ ही घरेलू स्तर पर फॉस्फेट उत्पादन को भी मजबूत कर रहे हैं।

यूरिया पर सब्सिडी देगी केंद्र सरकार

भविष्य में एफएआई, सतत कृषि को समर्थन देने के लिए डेटा-आधारित योजना और पोषक तत्वों के उपयोग में विविधता लाने पर ध्यान केंद्रित करेगा। केंद्र सरकार द्वारा यूरिया पर सब्सिडी दी जाती है। एक नवंबर 2012 से इसकी कीमत 242 रुपये प्रति 45 किलोग्राम बोरा (नीम कोटिंग शुल्क व करों को छोड़कर) पर यथावत है। नई यूरिया नीति के तहत नियंत्रित वस्तु के रूप में वर्गीकृत यूरिया को फॉस्फेटिक उर्वरक की तुलना में काफी अधिक सब्सिडी मिलती है।

रिजर्व बैंक ने खरीदी 50,000 करोड़ की सरकारी प्रतिभूतियां

मुंबई, एजेंसी

- आरबीआई ने बैंकों के पास नकदी की उपलब्धता बढ़ाने के तहत की खरीदारी
- चार समान किस्तों में दो लाख करोड़ की सरकारी खरीद के तहत ये दूसरी किस्त

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने सोमवार को खुले बाजार से 50,000 करोड़ रुपये की सरकारी प्रतिभूतियां खरीदीं। केंद्रीय बैंक ने वाणिज्यिक बैंकों के पास नकदी की उपलब्धता बढ़ाने के उपायों के तहत यह खरीद की है। यह चार समान किस्तों में दो लाख करोड़ रुपये की सरकारी प्रतिभूतियों की खरीद के तहत दूसरी किस्त है।

रिजर्व बैंक की ओर से बताया गया कि उसने सात तरह की प्रतिभूतियों की खरीद की है, जिनकी मियाद साल 2029 से 2054 तक अलग-अलग समय में पूरी हो रही है। इसमें तीन साल, छह साल, आठ साल, नौ साल, 10 साल, 14 साल और 28 साल की प्रतिभूतियां शामिल हैं। इन प्रतिभूतियों पर 7.09 से 8.30% ब्याज दर हैं। पहली किस्त में 50 हजार करोड़ रुपये की सरकारी प्रतिभूतियां 29 जनवरी को खरीदी गयी थीं। अगली दो किस्तों के तहत 12 जनवरी और 22 जनवरी को खरीद की जाएगी। दिसंबर में इससे पहले भी दो किस्तों में केंद्रीय बैंक ने एक लाख करोड़ रुपये की सरकारी प्रतिभूतियों की खरीद की थी।

49 क्रिप्टो करेंसी एक्सचेंज एफआईयू में हुए पंजीकृत

नई दिल्ली, एजेंसी

- धन शोधन व आतंकी वित्तपोषण रोकने को किया गया पंजीकरण

वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान कुल 49 क्रिप्टो करेंसी एक्सचेंज वित्तीय खुफिया इकाई (एफआईयू) के पास पंजीकृत हुए। रिपोर्ट के अनुसार इनमें से ज्यादातर भारत में स्थित हैं। यह पंजीकरण इस क्षेत्र से धन शोधन और आतंकवादी वित्तपोषण से जुड़े जोखिमों को कम करने के लिए देश की कानूनी व्यवस्था के तहत किया गया है। इन एक्सचेंजों द्वारा संघीय एजेंसी को दी गई संदिग्ध लेनदेन रिपोर्ट (एसटीआर) के विश्लेषण में पाया गया कि क्रिप्टो फंड का दुरुपयोग हवाला, जुआ, घोटाले, धोखाधड़ी और अवैध वयस्क सामग्री वाली वेबसाइट चलाने जैसी गंभीर आपराधिक गतिविधियों के लिए किया जा रहा था।

कानूनी भाषा में क्रिप्टो करेंसी को आभासी डिजिटल परिसंपत्ति (वीडीए) कहा जाता है और इनमें व्यापार करने वाले एक्सचेंजों को वीडीए सेवा प्रदाता (वीडीए एसपी) कहा जाता है। इन एक्सचेंजों को 2023 में भारत के धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) से जुड़ी रिपोर्टिंग प्रणाली के तहत लाया गया था। पीएमएलए के तहत रिपोर्टिंग संस्था होने के नाते, इन एक्सचेंजों को एफआईयू को संदिग्ध लेनदेन रिपोर्ट सौंपनी होती है। एफआईयू एक संघीय एजेंसी है जो भारतीय वित्तीय प्रणाली के किसी भी दुरुपयोग को रोकने और उसका पता लगाने के लिए काम करती है।

50 शहरों में स्विगी शुरू करेगा ईट-राइट

नई दिल्ली। स्विगी ने सोमवार को ईट-राइट नाम से नई श्रेणी शुरू करने की घोषणा की है, जो 50 से अधिक शहरों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूक उपयोगकर्ताओं को लक्षित करती है। इस पहल से एक ही स्थान पर उच्च प्रोटीन, कम कैलोरी और बिना अतिरिक्त चीनी वाले भोजन जैसे सेहतमंद विकल्प दिए जाएंगे।

खाद्य वितरण मंच ने अपने ऑर्डर के आधार पर कुछ रोचक तथ्य भी साझा किए हैं। इसके अनुसार भारत के टियर-2 शहरों में महानगरों की तुलना में स्वास्थ्यवर्धक भोजन के ऑर्डर में सालाना आधार पर दोगुनी वृद्धि देखी गई है। इस दौड़ में चंडीगढ़, गुवाहाटी, लुधियाना और भुवनेश्वर सबसे आगे रहे हैं। ईट-राइट के जरिये दो लाख से अधिक रेस्तरां के 18 लाख से अधिक व्यंजन उपलब्ध कराए जाएंगे।

अगले दशक में 10 करोड़ नौकरी देगा उद्योग जगत

नयी दिल्ली, एजेंसी

- नए कार्यबल को खपाने के लिए हर साल 80 से 90 लाख नौकरियों के सृजन की जरूरत

उद्योग जगत के दिग्गजों के समूह ने सोमवार को हंड्रेड मिलियन जॉब्स (10 करोड़ नौकरियां) नामक राष्ट्रीय पहल की शुरुआत की। इस पहल का उद्देश्य आगामी दशक में भारत में 10 करोड़ रोजगार के अवसर पैदा करना है, क्योंकि देश तेज आर्थिक वृद्धि के बावजूद अपर्याप्त रोजगार की समस्या से जूझ रहा है। आयोजकों ने कहा कि इस मुहिम की घोषणा सॉफ्टवेयर उद्योग निकाय नैसकॉम के सह-संस्थापक हरीश मेहता, वैश्विक उद्यमी नेटवर्क ''द इंडस एंटरप्रेन्योर्स'' (टीआईई) के संस्थापक ए जे पटेल और सेंटर फॉर इनोवेशन इन पब्लिक पॉलिसी (सीआईपीपी) के संस्थापक के यतीश राजावत ने की।

संस्थापकों ने कहा कि भारत में कार्यशील आयु की जनसंख्या प्रतिवर्ष 1.2 करोड़ की दर से बढ़ रही है, जबकि विनिर्माण जैसे पारंपरिक रोजगार के साधन विस्तार करने में संघर्ष कर रहे हैं। नए कार्यबल को खपाने और अपने जनसांख्यिकीय लाभांश का लाभ उठाने के लिए देश को हर साल 80 से 90 लाख नौकरियां सृजित करने की जरूरत है। दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होने के बाद भी भारत में रोजगार की वृद्धि दर उत्पादन विस्तार की तुलना में पीछे रही है। स्वचालन और कृत्रिम मेधा (एआई) व्यापार के तौर-तरीकों को बदल रहे हैं और कई क्षेत्रों में शुरुआती स्तर के पदों को कम कर रहे हैं। ऐसे में यह चिंता बढ़ गई है कि आर्थिक वृद्धि रोजगार सृजन से पूरी तरह कट सकती है।

स्टार्टअप और लघु उद्योग का जीडीपी में 30% योगदान

हंड्रेड मिलियन जॉब्स मिशन उद्यमिता, कौशल विकास और श्रम-प्रधान उद्यमों को भारत की रोजगार रणनीति के केंद्र में रखता है। इस पहल का लक्ष्य रोजगार सृजन को आर्थिक वृद्धि का एक मुख्य मानक बनाना है, जिसका ध्यान विभिन्न क्षेत्रों में विकेंद्रीकृत और सुदृढ़ आजीविका सुनिश्चित करने पर होगा। हरीश मेहता ने कहा कि हंड्रेड मिलियन जॉब्स रोजगार सृजनकर्ताओं - उद्यमियों, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों और नियोक्ताओं - को मजबूत करने का एक व्यवस्थित प्रयास है। इसके तहत कौशल, उद्यम, डेटा और नीति में सामंजस्य बिठाकर अगली पीढ़ी के लिए लचीली और गरिमापूर्ण आजीविका सुनिश्चित की जाएगी। एजे पटेल ने कहा कि स्टार्टअप और लघु उद्योग, जो भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 30 प्रतिशत का योगदान देते हैं और सबसे बड़े नियोक्ता हैं, उनका विस्तार बड़े शहरों से आगे होना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर भारत को प्रतिवर्ष 80-90 लाख नौकरियां सृजित करनी हैं, तो कुछ ढांचागत बाधाओं को दूर करना होगा ताकि उद्यमिता आम लोगों के लिए एक व्यावहारिक साधन बन सके।

राष्ट्रीय

सोमनाथ मंदिर अदम्य भावना का प्रतीक : मोदी

विदेशी आक्रमणकारियों के हमलों के बाद पुनर्निर्मित मंदिर का 11 जनवरी को करेंगे प्रधानमंत्री दौरा

नई दिल्ली, एजेंसी

- मोदी ने कहा- 1951 में मंदिर के उद्घाटन से अधिक उत्साहित नहीं थे नेहरू

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विदेशी आक्रमणकारियों के बार-बार हमलों के बाद पुनर्निर्मित सोमनाथ मंदिर का 11 जनवरी को दौरा करेंगे। मोदी ने सोमनाथ मंदिर की सराहना करते हुए सोमवार को कहा कि गुजरात स्थित यह मंदिर भारतीय सभ्यता की अदम्य भावना का प्रतीक है। अधिकारियों ने बताया कि 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' के अवसर पर सोमनाथ में वर्षभर गतिविधियां आयोजित किए जाने की योजना बनाई गई है। आठ से 11 जनवरी तक सोमनाथ में अनेक आध्यात्मिक और सामाजिक गतिविधियां होंगी।

प्रधानमंत्री ने सोमनाथ मंदिर पर हुए पहले आक्रमण के 1,000 साल पूरा होने पर 'ब्लॉग पोस्ट' में कहा, हमारी सभ्यता की अदम्य भावना का सोमनाथ से बेहतर कोई उदाहरण नहीं हो सकता। यह मंदिर बाधाओं एवं संघर्षों पर विजय प्राप्त करते हुए गौरव के साथ खड़ा है। प्रधानमंत्री ने तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू पर कटाक्ष करते हुए कहा कि नेहरू 1951 में मंदिर के उद्घाटन से अधिक उत्साहित नहीं थे। 2026 सोमनाथ मंदिर पर हुए पहले आक्रमण के 1,000 वर्ष पूरे होने का गवाह है और इसके बाद हुए बार-बार के हमलों के बावजूद यह मंदिर आज भी गर्व से खड़ा है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि ऐसा इसलिए है क्योंकि सोमनाथ की गाथा भारत माता की उन अनगिनत संतानों के अटूट साहस की कहानी है जिन्होंने हमारी संस्कृति और सभ्यता की रक्षा की। उन्होंने कहा कि यही भावना आज राष्ट्र में भी दिखाई दे रही है जो सदियों के आक्रमणों और औपनिवेशिक लूट से उबरकर वैश्विक विकास के सबसे चमकते केंद्रों में से एक बनकर उभरा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारे मूल्यों और हमारे लोगों के संकल्प की वजह से आज भारत पर दुनिया की नजर है। दुनिया भारत को आशा और विश्वास की दृष्टि से देख रही है। वह हमारे नवोन्मेषी युवाओं में निवेश करना चाहती है। उन्होंने कहा कि हमारी कला, हमारी संस्कृति, हमारा संगीत और हमारे अनेक पर्व आज वैश्विक पहचान बना रहे हैं। योग और आयुर्वेद जैसे विषय पूरी दुनिया में प्रभाव डाल रहे हैं। ये स्वस्थ जीवन को बढ़ावा दे रहे हैं। आज कई वैश्विक चुनौतियों के समाधान के लिए दुनिया भारत की ओर देख रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि अतीत के आक्रमणकारी आज समय की धूल बन चुके हैं। उनका नाम अब विनाश के प्रतीक के तौर पर लिया जाता है। उन्होंने कहा कि इतिहास के पन्नों में वे केवल 'फुटनोट' हैं जबकि सोमनाथ आज भी अपनी आशा बिखेरता हुआ प्रकाशमान खड़ा है। सोमनाथ हमें यह बताता है कि घृणा और कट्टरता में विनाश की विकृत ताकत हो सकती है, लेकिन आस्था में सृजन की शक्ति होती है।

नेहरू, वामपंथी इतिहासकारों ने गजनी को महज लुटेरा बताकर इतिहास को किया विकृत : भाजपा

नई दिल्ली। भाजपा ने महमूद गजनी के सोमनाथ मंदिर पर किए पहले हमले की 1,000वीं बरसी पर कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा कि यह दिन ये याद रखने और समझने के लिए महत्वपूर्ण है कि कैसे जवाहरलाल नेहरू और वामपंथी इतिहासकारों ने मुस्लिम आक्रमणकारी को केवल लुटेरा बताकर इतिहास को विकृत किया और यह नहीं कहा कि वह एक धार्मिक कट्टरपंथी था। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि मंदिर के पुजारियों और तत्कालीन राजा ने महमूद गजनी से लाखों सोने के सिक्कों के बदले शिवलिंग को छोड़ने की विनती की थी, लेकिन उसने इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया और यह कहते हुए उसे तोड़ दिया कि वह मूर्ति पूजकों के साथ व्यापार करने वाले घृणित व्यक्ति के बजाय मूर्तिभंजक के रूप में जाना जाना चाहता है। भाजपा के राज्यसभा सदस्य ने कहा, महमूद गजनी के साथ रहे एक इतिहासकार ने अपने लेखन में इस घटना का जिक्र किया है। इससे वामपंथी इतिहासकारों और अन्य लोगों द्वारा इतिहास को विकृत करने वाले सभी सिद्धांत ध्वस्त हो जाते हैं। त्रिवेदी ने आरोप लगाया कि उन्होंने महमूद गजनी को एक ऐसे व्यक्ति के रूप में पेश किया जो धार्मिक कट्टरपंथी नहीं था और वह भारत में केवल लूटपाट के उद्देश्य से आया था।

प्रधानमंत्री को अजमेर दरगाह पर चादर चढ़ाने से रोकने वाली याचिका रद्द

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने प्रधानमंत्री मोदी को अजमेर शरीफ दरगाह पर चादर चढ़ाने से रोकने की मांग वाली याचिका को खारिज कर दिया है। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और जॉयमाल्या बागची की पीठ ने इस पर सुनवाई करने से इन्कार करते हुए सोमवार को कहा कि यह मुद्दा तर्कसंगत नहीं है। इस याचिका में केंद्र सरकार और उसके संस्थानों द्वारा अजमेर दरगाह को राज्य प्रायोजित औपचारिक सम्मान और प्रतीकात्मक मान्यता प्रदान करने को भी चुनौती दी गई थी।

याचिकाकर्ता जितेंद्र सिंह और अन्य के अधिवक्ता बरुन सिन्हा ने कहा कि अजमेर दरगाह पर प्रधानमंत्री द्वारा चादर चढ़ाने की प्रथा तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू द्वारा 1947 में शुरू की थी और यह तब से बिना कानूनी या संवैधानिक आधार के जारी है। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने सिन्हा से कहा कि चूंकि यह मामला तर्कसंगत नहीं है, इसलिए न्यायालय इस पर टिप्पणी नहीं करेगा। सिन्हा ने कहा कि निचली अदालत में इस दावे पर मुकदमा है कि दरगाह का निर्माण शिव मंदिर पर किया गया था।

विवाद में व्यक्ति को पीटा बेटे को किया निर्वस्त्र

नई दिल्ली, एजेंसी

- पूर्वी दिल्ली में जिम के मालिकाना हक को लेकर हुई झड़प, एक आरोपी गिरफ्तार

पूर्वी दिल्ली के लक्ष्मी नगर इलाके में जिम के मालिकाना हक को लेकर हुए विवाद ने उस वक्त हिंसक रूप ले लिया जब एक व्यक्ति की बेरहमी से पिटाई की गई, उसकी पत्नी के साथ छेड़छाड़ हुई और उनके बेटे को सरेआम निर्वस्त्र कर पीटा गया। पुलिस ने सोमवार को बताया कि एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि अन्य फरार हैं।

पुलिस को सूचना दो जनवरी को पुलिस नियंत्रण कक्ष (पीसीआर) कॉल के जरिए मिली। पुलिस टीम ने शिकायतकर्ता और उसके परिजनों को घायल अवस्था में पाया, जिन्हें हेडगेवार अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी सतीश है, जो पीड़ित परिवार के स्वामित्व वाले जिम में केयरटेकर था। सतीश पर आरोप है कि उसने दंपति को धोखा देकर जिम पर कब्जा किया था। इसी को लेकर दोनों पक्षों में कई बार विवाद हुआ और मामला हिंसक झड़प में बदल गया। सोशल मीडिया पर प्रासरित हो रहे वीडियो में चार लोग एक व्यक्ति को पीटते, उसके कपड़े उतारकर अपमानित करते और उसके चेहरे पर बार-बार लात मारते दिखाई दे रहे हैं। और एक आरोपी को पीड़ित को जूते से मारते देखा जा सकता है। एक अन्य वीडियो में हमले के दौरान बाइक से पहुंचे दो पुलिसकर्मी पीड़ित को उसकी पैंट दे रहे हैं, जबकि आरोपी मौके पर ही मौजूद हैं।

घटना के बाद सदमे में पीड़ित परिवार

हिंसक घटना के बाद से पीड़ित परिवार सदमे में है। पीड़ित की मां ने कहा कि वह अपने पिता को बचाने गया था, उन्होंने उसे नंगा कर दिया, उसके चेहरे पर जूतों से मारा और उसे सड़क पर छोड़ दिया। यह सब उसकी शादी से ठीक 10 दिन पहले हुआ। पीड़ित की मां रीता गर्ग ने कहा कि शादी की वजह से हमारे घर में खुशियां होनी चाहिए थीं। लेकिन अब डर का माहौल है। आरोपियों ने उन पर भी हमला किया था।

गुजरात : शेरनी को बेहोश करने को फेंका डार्ट लगने से ट्रैकर की मौत

जूनागढ़। गुजरात के अमरेली जिले में बचाव अभियान के दौरान शेरनी को बेहोश करने वाला ''डार्ट'' लगने से वन विभाग के लिए ''ट्रैकर'' के रूप में काम करने वाले व्यक्ति की मौत हो गई। वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी।

मुख्य वन संरक्षक (जूनागढ़ वन्यजीव प्रभाग) राम रतन नाला ने मृतक की पहचान अशरफ चौहान के रूप में की। नाला ने कहा कि रविवार को चार वर्षीय लड़के की हत्या करने वाली शेरनी को बेहोश करके पिंजरे में बंद करने के अभियान के दौरान, बचाव दल द्वारा चलाई दागी गई एक डार्ट गलती से कुछ दूरी पर खड़े ट्रैकर अशरफ चौहान को लग गई। अशरफ को पहले विसावदर के एक अस्पताल में ले जाया गया और फिर जूनागढ़ सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां आज सुबह सात बजे उसकी मौत हो गई। अमरेली के विसावदर तालुका के नानी मोनपरी गांव के पास शेरनी ने खेतों में मजदूरी करने वाले परिवार के चार साल के एक बालक को मार डाला था।

लालू यादव की याचिका पर सीबीआई से जवाब तलब

नई दिल्ली, एजेंसी

आईआरसीटीसी घोटाला

दिल्ली हाईकोर्ट ने आईआरसीटीसी घोटाला में आरोप तय करने के आदेश के खिलाफ राजद नेता लालू प्रसाद यादव की याचिका पर सोमवार को सीबीआई से जवाब मांगा। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा ने मुकदमे पर रोक लगाने से इन्कार करते हुए कहा कि जांच एजेंसी के जवाब पर गौर किए बिना ऐसा नहीं किया जा सकता।

अदालत ने सीबीआई से यादव की याचिका और रोक के आवेदन पर जवाब मांगा और मामले की अगली सुनवाई के लिए 14 जनवरी की तारीख तय की। हाईकोर्ट ने मामले में निचली अदालत से रिकॉर्ड भी मांगा। संक्षिप्त सुनवाई के दौरान लालू के अधिवक्ताओं कपिल सिब्बल और मनिंदर सिंह ने कहा कि वे निचली अदालत में सुनवाई पर रोक लगाने का अनुरोध कर रहे हैं और एक महीने में दो गवाहों से जिरह की जा चुकी है। अदालत ने कहा कि वह सीबीआई से जवाब मिलने के बाद 14 जनवरी को मामले पर रोक लगाने की याचिका पर सुनवाई करेगी। न्यायमूर्ति शर्मा ने कहा कि उन्हें जवाब दाखिल करने दें।

सिख विरोधी टिप्पणियों पर मान को अकाल तख्त ने किया तलब

अमृतसर। श्री अकाल तख्त साहिब की सर्वोच्च सत्ता और सिख गुरुओं द्वारा आशीर्वाद प्राप्त गुरु की गोलक (दसवंध) के सिद्धांत को चुनौती देने वाली आपत्तिजनक टिप्पणियों के संबंध में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को 15 जनवरी को श्री अकाल तख्त साहिब के सचिवालय में पेश होने को तलब किया गया है।

तख्त के कार्यकारी जत्थेदार ज्ञानी हरप्रीत सिंह गड़गज्ज ने कहा कि यह कार्रवाई मुख्यमंत्री भगवंत मान के हाल में सामने आए वीडियो के मद्देनजर भी शुरू हुई है, जिसमें उन्हें सिख गुरुओं और जरनैल सिंह खालसा भिंडरांवाले की तस्वीरों के साथ बेहद आपत्तिजनक गतिविधि करते हुए देखा जा रहा है। गड़गज्ज ने कहा कि मुख्यमंत्री पंजाब में उच्च संवैधानिक पद पर हैं, और उनके सिख विरोधी बयान उनके अंदर सत्ता के अहंकार को दर्शाते हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें तख्त के सामने पेश नहीं किया जा सकता है, उन्हें 15 जनवरी को सचिवालय में पेश होकर स्पष्टीकरण देने को तलब किया गया है।

एसआईआर: अमानवीय आचरण पर जाएंगे कोर्ट : ममता

सागर द्वीप (पश्चिम बंगाल), एजेंसी

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को कहा कि वह राज्य में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान किए गए अमानवीय आचरण के खिलाफ अदालत जाएंगी। दक्षिण 24 परगना जिले के सागर द्वीप की जनसभा में उन्होंने आरोप लगाया कि इस प्रक्रिया से जुड़े भय, उत्पीड़न और प्रशासनिक मनमानी से कई लोगों की मौत हुई है और कई लोगों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा है।

उन्होंने कहा कि हम एसआईआर से हुए अमानवीय व्यवहार और इतनी बड़ी संख्या में लोगों की मौत के खिलाफ अदालत में कल याचिका दायर करेंगे। यदि अनुमति मिली तो मैं भी सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर आम नागरिक के रूप में इस अमानवीय प्रक्रिया के खिलाफ आवाज उठाऊंगी। मैं प्रशिक्षित वकील भी हूं। बनर्जी ने यह स्पष्ट नहीं किया कि याचिका वह दायर करेंगी, राज्य सरकार द्वारा दायर की जाएगी या तृणमूल कांग्रेस द्वारा।

फर्जी वोटरों का खुलासा होने से घबरा रहीं ममता

कोलकाता। प. बंगाल विस में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने मतदाता सूची के एसआईआर को लेकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर हमला करते हुए कहा कि इस प्रक्रिया से सत्ताधारी टीएमसी घबरा गई है क्योंकि इससे 2026 के विधानसभा चुनावों से पहले फर्जी मतदाताओं और अन्य अनियमितताओं का खुलासा होने का खतरा है। अधिकारी ने एक्स पर कहा कि उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पत्र लिखा है, जिसमें एसआईआर प्रक्रिया की बनर्जी की आलोचना और इसे रोकने की अपील का जवाब दिया है। बनर्जी के एसआईआर को रोकने की उनकी हालिया अपील को खारिज किया गया है।

वर्ल्ड ब्रीफ

यहूदी नरसंहार की गवाह ईवा का निधन

लंदन। किशोरी डायरी लेखिका ऐनी फ्रैंक की सौतेली बहन और यहूदी नरसंहार की भयावहता के बारे में दुनिया को बताने वालीं ईवा श्लॉस का निधन हो गया। वह 96 वर्ष की थीं। लंदन में शनिवार को उन्होंने अंतिम सांस ली। श्लॉस ट्रस्ट की मानद अध्यक्ष थीं। फ्रैंक ने अपनी डायरी में नाजी क्रूरता का वर्णन किया था। ईवा श्लॉस को ऑशवित्ज यातना शिविर से तब मुक्ति मिली थी, जब सोवियत सैनिकों ने शिविर को मुक्त कराया। ब्रिटेन के महाराजा चार्ल्स तृतीय ने कहा कि उन्हें श्लॉस को जानने का सौभाग्य मिला, जिन्होंने युवाओं को पूर्वाग्रहों को चुनौती देने में मदद करने के लिए परमार्थ ट्रस्ट की सह-स्थापना की थी।

ब्रिजिट मैक्रों के उत्पीड़न में 10 दोषी

पेरिस। पेरिस की एक अदालत ने फ्रांस की प्रथम महिला ब्रिजिट मैक्रों के ऑनलाइन उत्पीड़न के मामले में सोमवार को 10 लोगों को दोषी ठहराया। अदालत ने सभी दोषियों को साइबरबुलिंग जागरूकता प्रशिक्षण से लेकर आठ महीने के निलंबित कारावास तक की सजा सुनाई। ब्रिजिट मैक्रों को निशाना बनाकर ट्रांसजेंडर पहचान और कथित बाल यौन शोषण अपराध के बारे में किए गए झूठे दावों का जिक्र करते हुए अदालत ने विशेष रूप से अपमानजनकऔर दुर्भावनापूर्ण टिप्पणियों की ओर इशारा किया।

फ्रांस में 10 दिनों की हड़ताल पर गए डॉक्टर

पेरिस। फ्रांस में निजी प्रैक्टिस करने वाले डॉक्टरों और विशेषज्ञों ने इस वर्ष के सामाजिक सुरक्षा बजट में प्रस्तावित उपायों के विरोध में सोमवार से 10 दिनों की हड़ताल शुरू कर दी है। हड़ताल का आयोजन कर रही यूनियनों ने निजी क्लीनिकों को बंद करने और परामर्श रद्द करने या स्थगित करने का आह्वान किया है। निजी क्लीनिकों के ऑपरेशन थिएटर भी बंद रहने की संभावना है, जिसका सीधा असर सरकारी अस्पतालों पर पड़ सकता है। फ्रेंच मेडिकल ट्रेड यूनियंस के परिसंघ का कहना है कि उन्हें इस आंदोलन में अत्यधिक भागीदारी की उम्मीद है।

मिसाइल परीक्षणों में थे हाइपरसोनिक हथियार

सियोल। उत्तर कोरिया ने सोमवार को कहा कि उसने रविवार को जिन मिसाइल का प्रक्षेपण किया था, वे हाइपरसोनिक मिसाइल थीं। उत्तर कोरिया ने बताया कि उसके नेता किम जोंग ने हाइपरसोनिक मिसाइलों की परीक्षण-उड़ान देखी और देश की परमाणु युद्ध प्रतिरोधक क्षमता की मजबूती पर जोर दिया। दक्षिण कोरिया ने इन्हें बैलिस्टिक मिसाइल कहा था।

पूर्व आबकारी आयुक्त समेत 31 लोगों की संपत्तियां कुर्क

- छत्तीसगढ़ बहुचर्चित शराब घोटाले में ईडी ने की कार्रवाई

रायपुर, एजेंसी

छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित शराब घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कार्रवाई करते हुए तत्कालीन आबकारी आयुक्त निरंजनदास और 30 अन्य आबकारी अधिकारियों की कुल 38.21 करोड़ रुपये मूल्य की संपत्तियों को अस्थायी रूप से कुर्क किया है। यह कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) 2002 के तहत की गई है।

ईडी के अनुसार, कुर्क की गई संपत्तियों में कुल 78 अचल संपत्तियां शामिल हैं, जिनमें आलीशान बंगले, प्रीमियम आवासीय परिसरों में फ्लैट, व्यावसायिक दुकानें और बड़े पैमाने की कृषि भूमि शामिल है। 197 चल संपत्तियां भी कुर्क की गई हैं, जिनमें उच्च मूल्य की सावधि जमा (एफडी), विभिन्न बैंक खातों में जमा राशि, जीवन बीमा पॉलिसियां, इक्विटी शेयर और म्यूचुअल फंड निवेश शामिल हैं। ईडी का दावा है कि इस आबकारी घोटाले के कारण राज्य के खजाने को 2,800 करोड़ से अधिक का नुकसान हुआ है।

सावधान! केमिकल ले रहा जान

हेयर स्ट्रेटनिंग से किडनी डैमेज भी संभव

सौंदर्य पाने की चाह में अपनी सेहत से समझौता करना भारी पड़ सकता है। आजकल लड़कियां खूबसूरत दिखने के लिए हेयर स्ट्रेटनिंग, स्मूदनिंग और अन्य केमिकल ब्यूटी ट्रीटमेंट्स का सहारा लेती हैं। लेकिन बिना सही जानकारी और सावधानी के ये ट्रीटमेंट्स सेहत के लिए गंभीर खतरा बन सकते हैं। हाल ही में इजराइल में ऐसा ही एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जिसमें 17 साल की लड़की की किडनी हेयर स्ट्रेटनिंग (बाल सीधा) कराने के बाद गंभीर रूप से अस्वस्थ हो गई और उसे अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। इलाज के दौरान चिकित्सकों ने जांच पाया कि उसकी किडनियां खराब हो गई हैं। ऐसे में किसी केमिकल का इस्तेमाल करने से पहले पर्याप्त जानकारी करने की जरूरत है।

इजराइल में हुई घटना

इजराइल में हाल के दिनों में इस तरह की घटना हुई जब 17 साल की लड़की पार्लर गई और हेयर स्ट्रेटनिंग करवाने के बाद उसकी तबीयत अचानक बिगड़ गई। परिवार ने उसे अस्पताल पहुंचाया, जहां जांच में पता चला कि उसकी किडनियां गंभीर रूप से खराब हो चुकी थीं। यह पहला ऐसा मामला नहीं है। इससे पहले भी 25 साल की एक युवती को इसी प्रकार के हेयर स्ट्रेटनिंग ट्रीटमेंट के बाद किडनी डैमेज के कारण अस्पताल में भर्ती होना पड़ा था।

इनका होता है इस्तेमाल

- हेयर स्ट्रेटनिंग में मुख्य रूप से थियो-आधारित रसायन (जैसे अमोनियम थायोग्लाइकोलेट) या केराटिन-आधारित फॉर्मूले का इस्तेमाल होता है, पहले बालों के बॉन्ड तोड़ते हैं और दूसरा उन्हें प्रोटीन से भरता है, साथ ही कभी-कभी सोडियम/कैल्शियम हाइड्रोक्साइड और फॉर्मेल्डिहाइड (जो खतरनाक है और प्रतिबंधित हो रहा है) जैसे केमिकल्स भी पाए जाते हैं, जो बालों को स्थायी रूप से सीधा करने या उन्हें मुलायम बनाने के लिए होते हैं। कई देशों में ग्लाइऑक्सिलिक एसिड प्रोडक्ट्स पर प्रतिबंध लगा दिया है।

इनका रखें ध्यान

- किसी भी केमिकल का इस्तेमाल करने से पहले साइड इफेक्ट्स जान लें।
- स्ट्रेटनिंग क्रीम को सीधे स्कैल्प या बालों की जड़ों पर न लगाएं, स्कैल्प से 1.5 सेंटीमीटर की दूरी बनाए रखें।
- हेयरड्रेसर को प्रोडक्ट का इस्तेमाल सही निर्देशों के अनुसार करना चाहिए।

ग्लाइऑक्सिलिक से खतरा

- ग्लाइऑक्सिलिक एसिड युक्त हेयर स्ट्रेटनिंग उत्पादों के इस्तेमाल से किडनी में कैल्शियम ऑक्सालेट क्रिस्टल जमा होते हैं जिससे गंभीर किडनी फेलियर का खतरा बढ़ जाता है। यह बात फ्रांसीसी शोधकर्ताओं की एक टीम ने जानवरों पर इस संदिग्ध उत्पाद का परीक्षण करके पता लगाया है। फ्रांस के पेरिस स्थित टेनॉन अस्पताल के नेफ्रोलॉजिस्ट एमडी इमैनुएल लेटावर्नियर के अनुसार चूहों पर मिले नतीजे चौंकाने वाले हैं। स्ट्रेटनिंग क्रीम लगाने के 24 घंटे के भीतर ही उनमें गंभीर किडनी फेलियर हो गया। नमूनों में सभी किडनी ट्यूबल्स में कैल्शियम ऑक्सालेट क्रिस्टल पाए गए। शोधकर्ताओं ने सुझाव दिया कि ग्लाइऑक्सिलिक एसिड के त्वचा पर लगाने से होने वाली समस्या को देखते हुए इसके उत्पादों से बचना चाहिए और इन्हें बाजार से हटा देना चाहिए।

संपर्क में न आए सिर की त्वचा

हाल ही में कुछ कॉस्मेटिक उत्पादों जैसे शैम्पू, स्टाइलिंग लोशन और स्ट्रेटनिंग उत्पाद में ग्लाइऑक्सिलिक एसिड का उपयोग फॉर्मेल्डिहाइड के विकल्प के रूप में शुरू किया गया है जो जलन पैदा करने वाला और संभवत: कैंसरकारी होता है। ग्लाइऑक्सिलिक एसिड बालों को मुलायम बनाता है किंतु सिर की त्वचा के संपर्क में आने से बचाना चाहिए।

रूस तेल आयात को लेकर ट्रंप की भारत को शुल्क बढ़ाने की चेतावनी

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा-प्रधानमंत्री मोदी इस मुद्दे पर मेरी नाराजगी से अवगत

- संकेत दिया कि वाशिंगटन त्वरित कार्रवाई करने के लिए तैयार

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस से तेल का आयात करने के मामले में भारत पर आयात शुल्क बढ़ाने की चेतावनी देते हुए संकेत दिया है कि वाशिंगटन इस मामले में त्वरित कार्रवाई करने के लिए तैयार है और कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस मुद्दे पर उनकी नाराजगी से अवगत हैं। अपने हवाई जहाज एयर फोर्स वन पर रविवार को पत्रकारों से बातचीत करते हुए ट्रंप ने कहा कि मोदी रूस के साथ भारत के ऊर्जा व्यापार पर उनकी नाराजगी को जानते हैं। मोदी एक बहुत अच्छे इंसान हैं और वह जानते थे कि मैं खुश नहीं हूं। मुझे खुश करना महत्वपूर्ण था, क्योंकि वह व्यापार करते हैं और हम उन पर बहुत जल्दी शुल्क बढ़ा सकते हैं।

यह चेतावनी ऐसे समय में आई है, जब भारत और अमेरिका के बीच व्यापार वार्ता चल रही है और अमेरिका ने भारत पर पहले ही 50 प्रतिशत दंडात्मक शुल्क लगा रखा है। यह घटनाक्रम वेनेजुएला में हाल ही में हुए अमेरिकी सैन्य अभियान के बाद सामने आया है, जिसमें राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को अमेरिका ने हिरासत में लिया था।

उल्लेखनीय है कि अमेरिका के आयात शुल्क को दोगुना करके 50 प्रतिशत तक करने के बाद से मोदी और ट्रंप के बीच तीन बार बातचीत हुई है। इस शुल्क वृद्धि से कपड़ा, रसायन और झींगा मछली जैसी चीजों के निर्यात पर असर पड़ा है। दोनों पक्षों के बीच व्यापार वार्ता जुलाई के अंत में तब विफल हो गई थी, जब भारत ने अपने कृषि बाजार को अमेरिकी उत्पादों के लिए खोलने का विरोध किया था और भारत-पाकिस्तान संघर्ष के दौरान ट्रंप की मध्यस्थता की भूमिका को स्वीकार करने से इनकार कर दिया था। बातचीत हालांकि तब से जारी है। दिसंबर 2025 में अमेरिकी उप व्यापार प्रतिनिधि रिक स्विट्जर ने नई दिल्ली में दो दिनों में बैठकें की थीं। इस दौरान भारत ने रूसी तेल खरीद से जुड़े दंडात्मक शुल्कों से राहत देने पर जोर दिया था। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि के कार्यालय ने टिप्पणी नहीं की।

क्यूबा पर सैन्य कार्रवाई की जरूरत नहीं

वाशिंगटन। वेनेजुएला पर अमेरिकी कार्रवाई के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक अन्य मध्य अमेरिकी देश क्यूबा पर टिप्पणी करते हुए कहा है कि क्यूबा पर सैन्य कार्रवाई की जरूरत नहीं, क्योंकि वह देश खुद ही बर्बाद हो रहा है। ट्रंप ने एयर फोर्स वन विमान में पत्रकारों के सवाल पर कहा कि अमेरिकी हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि वह देश अपने आप ही गिरता हुआ लग रहा है। कहा कि क्यूबा के पास अब आय का कोई जरिया नहीं है। उन्हें अपनी सारी आय वेनेजुएला के तेल से मिलती थी। अब उन्हें उसमें से कुछ भी नहीं मिल रहा है। क्यूबा सचमुच गिरने के कगार पर है। ट्रंप ने एक अन्य मध्य अमेरिकी देश कोलंबिया पर भी टिप्पणी की। कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो का जिक्र करते हुए कहा कि कोलंबिया को एक बीमार व्यक्ति चला रहा है।

ट्रंप बोले-ग्रीनलैंड अमेरिका के लिए रणनीतिक रूप से बहुत जरूरी

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को फिर दोहराया कि अमेरिका को रणनीतिक दृष्टिकोण के मद्देनजर ग्रीनलैंड की आवश्यकता है। विमान एयर फोर्स वन पर पत्रकारों से ट्रंप ने कहा कि आर्कटिक क्षेत्र में रूस और चीन की बढ़ती मौजूदगी के कारण ग्रीनलैंड अमेरिकी सुरक्षा के लिए अत्यंत जरूरी है। अमेरिका को ग्रीनलैंड की जरूरत है, क्योंकि इस समय यह बहुत रणनीतिक जगह है और वहां हर जगह रूस और चीन के जहाज फैले हुए हैं। ट्रंप ने यह भी कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा के दृष्टिकोण से उन्हें ग्रीनलैंड की आवश्यकता है और डेनमार्क इसे संभालने में सक्षम नहीं होगा। उन्होंने दावा भी किया कि यूरोपीय संघ भी उनके इस विचार का समर्थन करता है और वह इस बात को जानते हैं। ट्रंप की यह टिप्पणी वेनेजुएला में वाशिंगटन के सैन्य अभियान के बाद आई है। एक संप्रभु देश के खिलाफ अमेरिकी सेना की इस कार्रवाई ने ग्रीनलैंड को लेकर उन आशंकाओं को फिर बढ़ा दिया है, जिसके बारे में ट्रंप बार-बार कह चुके हैं कि वह आर्कटिक में इसकी रणनीतिक स्थिति के मद्देनजर इसका विलय करना चाहते हैं।

अमेरिका में छोटा विमान हादसाग्रस्त पायलट की मौत

वाशिंगटन। अमेरिका के केप कॉड के प्रॉविन्सटाउन म्युनिसिपिल हवाई अड्डे पर रविवार को एक छोटा विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिससे पायलट की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि विमान में केवल पायलट ही था।

एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि यह घटना केप कॉड के दक्षिणी छोर पर स्थित समुद्र किनारे के इलाके के पास हुई। इसमें बताया गया कि दुर्घटना के कारण विमान में आग लग गई, दमकल कर्मियों और अन्य आपातकालीन कर्मियों ने आग पर काबू पा लिया है। बयान के अनुसार, पायलट की मौके पर ही मौत हो गई। राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड ने एक बयान में कहा कि यह विमान सेसना 172एन था और वह इस हादसे की जांच करेगा। हादसे के कारण को लेकर फिलहाल कोई शुरुआती जानकारी नहीं दी गई। दुर्घटना के बाद हवाई अड्डे को बंद कर दिया गया। प्राविन्सटाउन बोस्टन से करीब 80 किलोमीटर (50 मील) दक्षिण-पूर्व में केप कॉड के आखिरी सिरे पर स्थित है।

बांग्लादेश: हसीना के खिलाफ 21 जनवरी को तय होंगे आरोप

- हसीना व 285 अन्य लोगों के खिलाफ राजद्रोह मामले में चल रही सुनवाई

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश की एक अदालत ने सोमवार को पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना और 285 अन्य लोगों के खिलाफ राजद्रोह के मामले में आरोप तय करने की तारीख 21 जनवरी निर्धारित की। समाचार पोर्टल टीबीएस न्यूज के अनुसार यह मामला उन आरोपों से संबंधित है कि हसीना और अवामी लीग के सैकड़ों सदस्यों ने दिसंबर 2024 में जॉय बांग्ला ब्रिगेड नामक एक समूह की ऑनलाइन बैठक में भाग लिया था। आरोप है कि बैठक के दौरान उन्होंने मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार को उखाड़ फेंकने की साजिश रची थी। यह समूह अवामी लीग और हसीना के पिता शेख मुजीबुर रहमान की विरासत का प्रबल समर्थक है।

सुनवाई के बाद, विशेष न्यायाधीश अब्दस सलाम ने हसीना और 285 अन्य लोगों के खिलाफ आरोप तय करने के लिए 21 जनवरी की तारीख निर्धारित की। छात्रों के हिंसक विरोध प्रदर्शन के बाद पांच अगस्त, 2024 को हसीना बांग्लादेश छोड़कर भारत चली गईं। उसी वर्ष आठ अगस्त को यूनुस ने अंतरिम सरकार के प्रमुख के रूप में कार्यभार संभाला। यह मामला पिछले साल मार्च में आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) द्वारा दर्ज किया गया था, जिसने 30 जुलाई को 286 आरोपियों को नामजद करते हुए आरोप पत्र दाखिल किया था।

हादी हत्याकांड :अंतिम चार्जशीट सात तक

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने सोमवार को कहा कि छात्र नेता शरीफ उस्मान बिन हादी की हत्या के मामले में अंतिम आरोपपत्र बुधवार को दाखिल किया जाएगा। सरकार ने आश्वासन दिया कि उसके कार्यकाल में न्याय मिलेगा। गृह मामलों के सलाहकार जहांगीर आलम चौधरी ने सचिवालय में कानून और व्यवस्था पर सलाहकार परिषद की बैठक के बाद जानकारी दी।

समाचार पोर्टल की खबर के अनुसार अदालत ने 14 अगस्त को आरोपपत्र स्वीकार कर लिया और आरोपियों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किए। 11 सितंबर को यात्रा प्रतिबंध लगाया गया, जबकि 14 अक्टूबर को अदालत ने अखबारों में नोटिस प्रकाशित करने का आदेश दिया, जिसमें हसीना समेत फरार 261 आरोपियों को अदालत के समक्ष पेश होने के लिए कहा गया।

उत्तरी नाइजीरिया में नाव के पलटने से 25 लोगों की मौत

अबूजा, एजेंसी

- हादसे में 13 अन्य यात्रियों को बचाया गया जबकि 14 लापता

नाइजीरिया के उत्तरी क्षेत्र में योबे नदी पर स्थानीय मछुआरों और किसानों को ले जा रही एक नाव के पलटने से 25 लोगों की मौत हो गई और 14 अन्य अभी भी लापता हैं। योबे राज्य आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी के प्रमुख मोहम्मद गोजे ने कहा कि शनिवार शाम को नगुरु स्थानीय सरकारी क्षेत्र के गरबी कस्बे में नाव पलटने के बाद 13 अन्य यात्रियों को बचा लिया गया।

गोजे ने बताया कि लकड़ी की नाव उत्तर-पश्चिमी राज्य जिगावा के पड़ोसी कस्बे अदियानी से उत्तरी राज्य योबे जा रही थी, तभी रास्ते में पलट गई। उन्होंने पुष्टि की कि आपातकालीन बचाव दल और स्थानीय सामुदायिक स्वयंसेवकों ने पीड़ितों को बचाने के लिए तुरंत कार्रवाई शुरू कर दी थी। जिगावा पुलिस के प्रवक्ता लावान शिसु ने बताया कि नाव में कम से कम 52 लोग सवार थे और वह नाव पूरी तरह से भरी हुई थी। शिसु ने बताया कि शुरुआती तौर पर मृतकों की संख्या 14 थी, लेकिन बचाव अभियान के दौरान मरने वालों की संख्या बढ़ गई।

अमेरिका में प्रेमी ने की भारतीय महिला की हत्या, फरार

न्यूयॉर्क। अमेरिका के मैरीलैंड राज्य से पिछले सप्ताह लापता हुई 27 वर्षीय भारतीय महिला मृत पाई गई है। पुलिस को संदेह है कि महिला के पूर्व प्रेमी ने उसकी हत्या की है और वह भारत फरार हो गया है। मैरीलैंड के एलिकॉट सिटी की रहने वाली निकिता गोडिशाला (27) दो जनवरी को लापता हो गई थी। हॉवर्ड काउंटी पुलिस ने बताया कि निकिता का शव कोलंबिया स्थित उसके पूर्व प्रेमी अर्जुन शर्मा (26) के अपार्टमेंट से बरामद हुआ है। शव पर चाकू के घाव थे। पुलिस ने शर्मा के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट हासिल कर लिया है।

ओडिशा में आग, 20 झोपड़ियां जलीं व 120 मवेशियों की मौत

भद्रक, एजेंसी

- भद्रक जिले में शार्ट सर्किट से आग लगने की आशंका

ओडिशा के भद्रक जिले के एक गांव में भीषण आग लगने से 20 झोपड़ियां जलकर राख हो गईं और लगभग 120 मवेशियों की जान चली गई। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि घटना रविवार देर रात तिहिड़ी थाना क्षेत्र के छत्रपड़ा गांव में हुई।

हालांकि, इस हादसे में किसी भी व्यक्ति के हताहत होने की सूचना नहीं है, लेकिन आग की चपेट में आकर करीब 100 बकरियों समेत 120 मवेशियों की मौत हो गई और कई परिवार बेघर हो गए। पीड़ितों ने बताया कि पास-पास बनी झोपड़ियों में आग तेजी से फैल गई जिससे लोगों को अपना सामान बचाने के लिए पर्याप्त मौका तक नहीं मिल पाया। पुलिस के अनुसार, आग लगने के सटीक कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है, लेकिन आशंका जताई जा रही है कि संभवतः शॉर्ट सर्किट के कारण आग भड़की होगी। ग्रामीणों ने बताया कि शुरुआती चरण में पानी की भारी किल्लत के कारण आग पर काबू पाने में दिक्कत हुई।

मादुरो को ब्रुकलिन की जेल में रखा गया

- गंभीर अव्यवस्थाओं को लेकर चर्चा में रही यह जेल

न्यूयॉर्क, एजेंसी

वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को न्यूयॉर्क के ब्रुकलिन स्थित जिस जेल में रखा गया है, वह लंबे समय से गंभीर अव्यवस्थाओं को लेकर चर्चा में रही है। हालात ऐसे रहे हैं कि कुछ न्यायाधीशों ने वहां आरोपियों को भेजने से इनकार किया है। हालांकि इस जेल में संगीतकार आर. केली और सीन डिडी कॉम्ब्स जैसे चर्चित कैदी भी रह चुके हैं।

ब्रुकलिन में 1990 के शुरुआती वर्षों में शुरू हुए मेट्रोपॉलिटन डिटेंशन सेंटर (एमडीसी) फिलहाल करीब 1,300 कैदी बंद हैं। यह मैनहैटन और ब्रुकलिन की संघीय अदालतों में मुकदमे का सामना कर रहे आरोपियों के लिए आम तौर पर पहली जेल होती है, जहां कथित गिरोह सदस्यों और मादक पदार्थ तस्करों के साथ-साथ सफेदपोश अपराधों के आरोपी भी रखे जाते हैं।

तीन जनवरी की रात मादुरो के पकड़े जाने की खबर के बाद बड़ी संख्या में वेनेजुएला के प्रवासी, हाथों में झंडे लिए, जेल के बाहर जमा हुए और जश्न मनाया। मादुरो और उनकी पत्नी को लेकर पहुंची कानून प्रवर्तन एजेंसियों की गाड़ियों के जेल पहुंचते ही भीड़ ने नारे लगाए। एमडीसी ब्रुकलिन में बंद होने वाले मादुरो पहले राष्ट्रपति नहीं हैं। होंडुरास के पूर्व राष्ट्रपति जुआन ऑरलैंडो हर्नांडेज़ को भी यहां रखा गया था। उन पर अमेरिका में सैकड़ों टन कोकीन की तस्करी का मुकदमा चला था। दोषी ठहराए जाने और 45 साल की सजा सुनाए जाने के बाद उन्हें दिसंबर में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने माफी देकर रिहा कर दिया था।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 6 जनवरी, मंगलवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- माघ, पक्ष-कृष्ण पक्ष, तृतीया 08 .01 तक तत्पश्चात चतुर्थी 7 जनवरी 06 .52 तक तत्पश्चात पंचमी।

आज का पंचांग

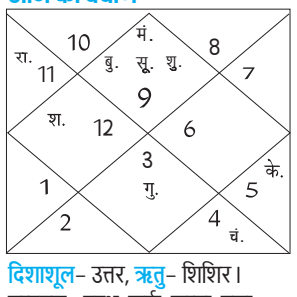

दिशाशूल- उत्तर, **ऋतु**- शिशिर।
चन्द्रबल- वृषभ, कर्क, कन्या, तुला, मकर, कुंभ।
ताराबल- अश्विनी, भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- आश्लेशा 12 .17 तक तत्पश्चात मघा।

मेष — आज कानूनी मामले उलझ सकते हैं। सामाजिक कार्यक्रमों में आपकी सहभागिता बढ़ेगी। कारोबार में अपेक्षा से कम लाभ होगा। दूसरों के कारण आपके काम प्रभावित होंगे। खानपान का ध्यान रखें। कंधों और कमर दर्द की शिकायत हो सकती है।

वृष — आज व्यवसायी अपने प्रोडक्ट्स की मार्केटिंग में धन खर्च कर सकते हैं। अपने लक्ष्यों के प्रति लापरवाह न रहें। अपनी कार्यशैली में परिवर्तन कर सकते हैं। अविवाहित लोगों का विवाह तय हो सकता है। शेयर मार्केट से जुड़े लोगों को धन लाभ हो सकता है।

मिथुन — आज दिन आपकी इच्छा के अनुसार नहीं रहेगा। आपको दूसरों पर निर्भर रहना पड़ेगा। फाइनेंस और फंड्स को लेकर परेशान रहेंगे। इसीलिए आपको धैर्यवान बने रहना चाहिए। अपने कार्यों से संतुष्ट नहीं रहेंगे। सर्दी-गर्मी की समस्या हो सकती है।

कर्क — आज अच्छी खबरों से दिन की शुरुआत होगी। किसी मांगलिक आयोजन में शामिल होंगे। आपका मन प्रसन्न रहेगा। अपने रहन-सहन व जीवनस्तर पर काफी ध्यान देंगे। लोग आपसे प्रेरणा लेंगे। छोटी दूरी की यात्रा हो सकती है।

सिंह — आज जरूरी कार्य लापरवाही के कारण रुक सकते हैं। गलत लोगों की संगत से बचें। दिखावे में धन खर्च होगा। भूमि भवन की खरीदारी में नुकसान हो सकता है। बड़े बुजुर्गों की बातों को अनसुना न करें।

कन्या — आज प्राइवेट जॉब कर रहे लोगों की आय बढ़ सकती है। जॉब में इच्छित लक्ष्यों को आसानी से प्राप्त कर लेंगे। मित्रों व परिचितों का साथ मिलने से आपको काफी आसानी होगी। प्रेम संबंधों में परस्पर समर्पण और अपनेपन की भावना का विकास होगा।

तुला — आज किसी पर्यटन स्थल की यात्रा पर जाने की योजना बना सकते हैं। कुछ नवाचार करने की प्रेरणा मन में उत्पन्न होगी। खानपान में शुद्धता का विशेष ध्यान दें। जीवनसाथी की भावनाओं का अनादर न करें। पारिवारिक जीवन में कुछ उथल-पुथल हो सकती है।

वृश्चिक — आज का दिन आपके लिए बहुत शुभ रहने वाला है। विदेश यात्रा की बाधा दूर होगी। जॉब में मनोवांछित पद मिल सकता है। दिनचर्या काफी व्यवस्थित रहेगी। मनोरंजन के कार्यों में रुचि लेंगे। बीमार लोगों को स्वास्थ्य लाभ हो सकता है।

धनु — आज शाम को आपकी सेहत खराब हो सकती है। अपने सहयोगियों से संबंध अच्छे रखें। अपनी क्षमता से ज्यादा धन खर्च न करें। आपके आसपास का माहौल अनूकूल नहीं रहेगा। लोग आपका अपमान कर सकते हैं।

मकर — आज आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में अधिकारियों से आपका तालमेल बेहतरीन रहेगा। अपने शौक पर धन खर्च कर सकते हैं। घर में सुख शांति का वातावरण रहेगा। वैवाहिक जीवन काफी रोमांटिक रहने वाला है।

कुंभ — आज विपरीत लिंग के जातकों के साथ आपके संबंध मधुर रहेंगे। किसी पर पर ज्यादा विश्वास न करें। परिजनों के प्रति अपना व्यवहार अच्छा रखें। संतान का व्यवहार थोड़ा अजीब सा रहेगा। परोपकार के कार्यों में आप रुचि ले सकते हैं।

मीन — आज दिन की शुरुआत काफी अच्छी रहेगी। घरेलू वातावरण थोड़ा अजीब रहेगा। नई जॉब की शुरुआत कर सकते हैं। अनैतिक कार्यों से दूर रहें। परिजनों का व्यवहार सकारात्मक रहेगा। प्रेम संबंध स्वार्थ कारणों से प्रभावित होने की आशंका है।

सुडोकू-24

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

		9		2	6		1	
		5	1				7	
4			9	7		8		3
		6			7		2	
	8						9	
	1		6			4		
3		2		1	8			6
	4				9	7		
	6		4	5		1		

सुडोकू - 23 का हल

2	6	5	4	1	9	8	3	7
9	3	4	8	6	7	5	1	2
7	1	8	2	5	3	4	6	9
8	9	7	5	4	1	3	2	6
3	4	2	9	8	6	7	5	1
6	5	1	7	3	2	9	4	8
1	8	6	3	9	5	2	7	4
5	2	9	1	7	4	6	8	3
4	7	3	6	2	8	1	9	5

टेस्ट और एकदिवसीय क्रिकेट हमेशा प्रदर्शन का मजबूत आधार बने रहेंगे लेकिन टी20 के बाद टी10 क्रिकेट का दौर भी देखने को मिल सकता है। साहस और आक्रामक सोच के बिना ना तो खेल में और ना ही जीवन में बड़े लक्ष्य हासिल किए जा सकते हैं।
-वीरेन्द्र सहवाग

स्टेडियम

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हल्द्वानी, मंगलवार, 6 जनवरी 2026

हाईलाइट

नीरज चोपड़ा ने जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स से नाता तोड़ा

नई दिल्ली। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता भालाफेंक स्टार नीरज चोपड़ा ने जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के साथ एक दशक पुराना रिश्ता तोड़ दिया है और अब वह अपनी खिलाड़ी प्रबंधन फर्म वेल स्पोर्ट्स शुरू करेंगे। चोपड़ा 2016 में जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स से जुड़े थे। 27 वर्ष के चोपड़ा ने एक विज्ञप्ति में कहा पिछले एक दशक से हमारा सफर विकास, विश्वास और उपलब्धियों से भरा रहा है। मेरे कैरियर में जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स की अहम भूमिका रही है और उनके सहयोग और दृष्टिकोण के लिये मैं हमेशा आभारी रहूंगा। उन्होंने कहा इस अध्याय को खत्म करने के साथ मैं उन्हीं मूल्यों को अपने सफर के अगले चरण में लेकर जा रहा हूं।

कोमा से बाहर आए डेमियन मार्टिन

ब्रिसबेन। गोल्ड कोस्ट के एक अस्पताल में दिमागी बुखार का इलाज करा रहे आस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर डेमियन मार्टिन कोमा से बाहर आ गए हैं। क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने बताया कि 54 वर्ष के विश्व कप विजेता क्रिकेटर को जल्दी ही आईसीयू से बाहर कर दिया जाएगा। आस्ट्रेलियाई क्रिकेट प्रसारक फॉक्स स्पोर्ट्स ने दो दिन पहले कहा था कि मार्टिन कोमा से बाहर हैं और अपने प्रियजनों से बात कर रहे हैं। मार्टिन के साथी खिलाड़ी रहे और दोस्त एडम गिलक्रिस्ट ने रविवार को एक बयान में कहा पिछले 48 घंटे में कुछ अविश्वसनीय सा हुआ। अब डेमियन बात कर रहा है और उसकी हालत में सुधार आ रहा है।

पूर्व विश्व बिलियर्ड्स चैंपियन का निधन

कोलकाता। पूर्व विश्व बिलियर्ड्स चैंपियन मनोज कोठारी का सोमवार को तमिलनाडु के तिरुनेलवेली स्थित एक अस्पताल में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। यह जानकारी उनके परिवार के एक सदस्य ने पीटीआई को दी। वह 67 वर्ष के थे। उनके परिवार में उनकी पत्नी और पुत्र सौरव कोठारी हैं। कोलकाता के कोठारी का 10 दिन पहले चेन्नई से 600 किलोमीटर दूर तिरुनेलवेली के कावेरी अस्पताल में लिवर प्रत्यारोपण हुआ था। परिवार के एक सदस्य ने बताया सर्जरी सफल रही और तीसरे दिन वह बैठकर बात कर रहे थे।

ऑस्ट्रेलिया के लिए शानदारी पारी के बाद पैवेलियन लौटते ट्रेविस हेड। एजेंसी

रूट के शतक के बाद ऑस्ट्रेलिया का पलटवार

सिडनी, एजेंसी

जो रूट के मौजूदा एशेज श्रृंखला के दूसरे शतक से इंग्लैंड ने पांचवें टेस्ट मैच के दूसरे दिन बड़ा स्कोर बनाया लेकिन ट्रेविस हेड की आक्रामक बल्लेबाजी से ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में शानदार शुरुआत की। रूट की 160 रन की पारी के बदौलत इंग्लैंड की पहली पारी चाय के विश्राम से पहले 384 रन पर सिमटी गयी। यह ऑस्ट्रेलिया में रूट का सर्वश्रेष्ठ टेस्ट स्कोर है।

दिन का खेल खत्म होने तक ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में दो विकेट पर 166 रन बना लिए थे। हेड 87 गेंद में 91 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद है। वह पांच मैचों की श्रृंखला में अपने तीसरे शतक से नौ रन दूर हैं। बेन स्टोक्स ने दिन के आखिरी सत्र में जैक वेदरल्ड (21) और शानदार बल्लेबाजी कर रहे मार्नस लाबुशेन (48) को आउट कर दो सफलता हासिल की। रूट ने 242 गेंद में 160 रन बनाए और वह माइकल नेसेर को रिटर्न कैच देकर लौटे। नेसेर ने 60 रन देकर चार विकेट चटकाए। रूट ने अपनी पारी में 15 चौके जड़े।

उन्होंने अपनी पारी की 146वीं गेंद पर 41वां शतक पूरा करने के बाद उसी अंदाज में जश्न मनाया जिस तरह उन्होंने इस दौरे के ब्रिसबेन टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया की सरजमीं पर अपना पहला शतक पूरा करने के बाद मनाया था। दिन के खेल के बाद 163 टेस्ट के अनुभवी इस खिलाड़ी ने कहा मुझे ऐसा लगा कि इस पूरी श्रृंखला में हमें जबरदस्त समर्थन मिला है और हम एक समूह के रूप में अपने लक्ष्य को हासिल नहीं कर पाए हैं, लेकिन यह समर्थन कभी कम नहीं हुआ। इस तरह का जश्न वास्तव में धन्यवाद कहने का एक तरीका है। रूट ने इसके साथ टेस्ट में सर्वाधिक शतकों के मामले में रिकी पोंटिंग की बरबारी कर ली। उनसे ज्यादा शतक सचिन तेंदुलकर (51) और जैक कालिस (45) के नाम है।

रूट ने इस दौरान हैरी ब्रूक के साथ 169 रन की साझेदारी की। ब्रूक 84 रन बनाकर स्कॉट बोलैंड की गेंद पर स्टीव स्मिथ को कैच देकर पवेलियन लौटे। मिचेल स्टार्क (93 रन पर दो विकेट) ने इसके बाद इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स (शून्य) को श्रृंखला में पांचवीं बार चलता किया।

शतक लगाने के बाद दर्शकों का अभिवादन स्वीकार करते जो रूट। एजेंसी

सिडनी टेस्ट - दूसरा दिन

संक्षिप्त स्कोर बोर्ड

इंग्लैंड (पहली पारी)	384/10
ऑस्ट्रेलिया (पहली पारी जारी)	166/2

- इंग्लैंड के बल्लेबाज जो रूट ने 160 रनों की खेली शतकीय पारी
- ऑस्ट्रेयाई ओपनर ट्रेविस हेड शतक से सिर्फ 9 रन दूर

बांग्लादेश ने अब आईपीएल प्रसारण पर लगाया प्रतिबंध

मुस्तफिजुर को केकेआर से निकाला जाना बर्दाश्त नहीं हो रहा

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश ने तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को बीसीसीआई के निर्देश पर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से 'रिलीज' किए जाने और राजनयिक संबंधों में भारत से आई गिरावट के बाद इस टी-20 लीग के आगामी सत्र के अपने देश में प्रसारण पर सोमवार को प्रतिबंध लगा दिया।

मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के एक बयान में कहा गया है कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने आईपीएल फ्रेंचाइजी कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को रहमान को 2026 की टीम से 'रिलीज' करने का निर्देश देते समय कोई 'तार्किक कारण' नहीं बताया।

आईपीएल के आगामी सत्र का आगाज 26 मार्च से होगा। आईपीएल के प्रसारण पर प्रतिबंध लगाने का यह कदम बांग्लादेश द्वारा अगले महीने होने वाले टी20 विश्व कप के लिए भारत जाने से इनकार करने और अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से टूर्नामेंट के सह-मेजबान श्रीलंका में अपने सभी लीग मैच स्थानांतरित करने के अनुरोध के एक दिन बाद आया है।

सहायक सचिव फिरोज खान द्वारा हस्ताक्षरित पत्र में कहा गया है यह आदेश उचित प्राधिकारी की स्वीकृति से और जनहित में जारी किया गया है। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने रहमान को 'रिलीज' करने का निर्देश देते हुए केवल इतना कहा था कि यह मौजूदा घटनाक्रम के कारण किया जा रहा है। उन्होंने हालांकि इसका विशिष्ट कारण नहीं बताया था। टी20 विश्व कप के कार्यक्रम के मुताबिक बांग्लादेश को कोलकाता में तीन और मुंबई में एक मैच खेलना है। ग्रुप सी में शामिल बांग्लादेश को कोलकाता के ईडन गार्डन्स में वेस्टइंडीज के खिलाफ अपना पहला मैच खेलना है और उसके बाद पूर्व चैंपियन इंग्लैंड, इटली और नेपाल के खिलाफ खेलना है।

बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना को सत्ता से बेदखल किए जाने के बाद से भारत-बांग्लादेश संबंध तनावपूर्ण हो गए हैं। शेख हसीना पिछले साल अगस्त में सरकार विरोधी प्रदर्शनों के बाद से भारत में है। उन्हें आंदोलन के दौरान कार्रवाई में कथित भूमिका के लिए एक पंचाट ने मौत की सजा सुनाई है। इस कार्रवाई में कई छात्रों की मौत हो गयी थी। हसीना को सत्ता से बेदखल किए जाने के बाद से हिंदुओं को हिंसक हमलों का निशाना बनाया जा रहा है।

कहा-देश के लोग हैं निराश और आहत

सरकारी अधिसूचना के मुताबिक बीसीसीआई ने इस फैसले (रहमान को आईपीएल से रिलीज करने पर) का कोई तार्किक कारण नहीं दिया है और इस फैसले से बांग्लादेश के लोग निराश और आहत है। उन्होंने कहा इस स्थिति में, अगले आदेश तक इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के सभी मैचों और कार्यक्रमों का प्रसारण रोकने का अनुरोध किया जाता है।

जबरदस्त टक्कर

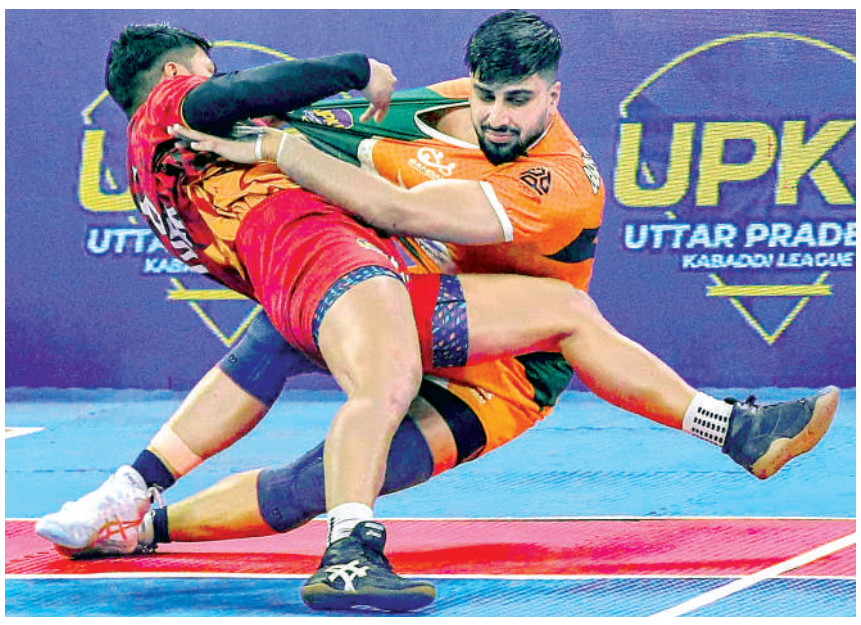

नोएडा में उत्तर प्रदेश कबड्डी लीग (यूपीकेएल) के दौरान मुकाबला करते कानपुर वॉरियर्स और संगम चैलेंजर्स के खिलाड़ी। मैच के दौरान दोनों टीमों में जबरदस्त टक्कर देखने को मिली। एजेंसी

विराट कोहली रेलवे के खिलाफ मुकाबले के लिए उपलब्ध नहीं

विजय हजारे ट्रॉफी

बेंगलुरु, एजेंसी

भारत के महान बल्लेबाज विराट कोहली मंगलवार को यहां रेलवे के खिलाफ दिल्ली के विजय हजारे ट्रॉफी मैच में नहीं खेलेंगे। मुख्य कोच सरनदीप सिंह ने पीटीआई को यह जानकारी दी। देश की इस शीर्ष घरेलू एकदिवसीय प्रतियोगिता में वापसी करते हुए कोहली ने दो मैच में 131 और 77 रन की पारी खेली थी और वह न्यूजीलैंड के खिलाफ 11 जनवरी से शुरू हो रही एकदिवसीय श्रृंखला के लिए जल्द ही राष्ट्रीय टीम से जुड़ेंगे।

सरनदीप ने हालांकि कहा कि तेज गेंदबाज हर्षित राणा और विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत अलूर में मंगलवार को होने वाले इस मुकाबले में चयन के लिए उपलब्ध रहेंगे। भारत के पूर्व स्पिनर सरनदीप ने कहा विराट उपलब्ध नहीं है। पंत और हर्षित कल खेलेंगे। दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) के अध्यक्ष रोहन जेटली ने इससे पहले संकेत दिए थे कि कोहली तीन मैच खेल सकते हैं। दिल्ली की टीम अपने पांच में से चार मैच जीतकर ग्रुप डी में शीर्ष पर चल रही है और रेलवे के खिलाफ जीत उसे अगले दौर में जगह दिलाने के लिए पर्याप्त होनी चाहिए। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पहला एकदिवसीय मैच 11 जनवरी को वडोदरा में खेला जाएगा जबकि अगले दो मैच में 14 और 18 जनवरी को क्रमशः राजकोट और इंदौर में होंगे। अब सिर्फ एकदिवसीय प्रारूप में खेलने वाले कोहली बेहतरीन फॉर्म में हैं। उन्होंने पिछले महीने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैच की घरेलू श्रृंखला में दो शतक जड़ने के अलावा नाबाद 65 रन की पारी भी खेली।

मुंबई की अगुआई करेंगे अय्यर

मुंबई। भारतीय बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को सोमवार को विजय हजारे ट्रॉफी के बाकी बचे मुकाबलों के लिए मुंबई का कप्तान नियुक्त किया गया क्योंकि नियमित कप्तान शारदुल ठाकुर चोट के कारण बाहर हो गए हैं। अय्यर भी लंबे समय तक चोट के कारण बाहर रहने के बाद वापसी कर रहे हैं। पिछले साल अक्टूबर में सिडनी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय मैच के दौरान उन्हें स्प्लीन में चोट लगी थी और अंदरूनी रक्तस्राव हुआ था। मुंबई के मुख्य चयनकर्ता संजय पाटिल ने ठाकुर की चोट की प्रकृति के बारे में बताए बिना सोमवार को पीटीआई से कहा शारदुल को चोट लगी है और उसे आराम की सलाह दी गई है। हमारे पास शिवम दुबे और सूर्यकुमार यादव जैसे खिलाड़ी उपलब्ध है और अय्यर को बाकी बचे मुकाबलों के लिए मुंबई का कप्तान नियुक्त किया गया है।

नाडा की आरटीपी सूची में स्मृति व जेमिमा का भी नाम

नई दिल्ली, एजेंसी

स्टार भारतीय महिला क्रिकेटर स्मृति मंधाना और जेमिमा रोड्रिग्ज राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) की 2026 की पहली तिमाही के लिए पंजीकृत परीक्षण पूल (आरटीपी) में शामिल की गईं महत्वपूपर्ण खिलाड़ी हैं जबकि 347 सदस्यीय सूची में 118 खिलाड़ियों के साथ सबसे अधिक एथलीट को जगह मिली है।

पिछली आरटीपी सूची में 227 खिलाड़ी शामिल थे और इस बार इसमें 120 नाम और जोड़े गए हैं। खिलाड़ियों की सूची में यह इजाफा इस साल होने वाले राष्ट्रमंडल और एशियाई खेलों तथा भारत द्वारा अधिक आक्रामक परीक्षण पर जोर देने की वजह से हुआ है।

आरटीपी में शामिल खिलाड़ियों को डोपिंग रोधी एजेंसी के साथ अपना रहने का स्थान साझा करना पड़ता है और प्रत्येक दिन एक तय समय में परीक्षण के लिए उपलब्ध रहना होता है। अपनी उपलब्धता का स्थान बताने में तीन बार नाकाम रहने को डोपिंग उल्लंघन माना जाता है। पिछली आरटीपी में भी सर्वाधिक 68 नाम एथलेटिक्स से जुड़े खिलाड़ियों के थे। नई आरटीपी सूची में भी इनकी संख्या काफी अधिक जिसमें स्टीपलचेज खिलाड़ी अविनाश साबले, बाधा दौड़ की खिलाड़ी ज्योति याराजी, डेकाथलन के तेजस्विन शंकर और फर्राटा धावक अनिमेष कुजूर जैसे बड़े नाम शामिल हैं। विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) की आरटीपी सूची से बाहर होने के बाद साबले को नाडा की सूची में शामिल किया गया है। वाडा की सूची में अब सिर्फ भाला फेंक के दिग्गज खिलाड़ी नीरज चोपड़ा और सचिन यादव ही शामिल हैं। चौदह क्रिकेटर इस सूची का हिस्सा हैं जिसमें स्मृति और जेमिमा के अलावा सूर्यकुमार यादव और संजू सैमसन शामिल हैं।

- एजेंसी ने 2026 की पहली तिमाही के लिए सूची जारी की
- खिलाड़ियों को अपना रहने का स्थान करना पड़ता है साझा

बैडमिंटन खिलाड़ियों की नजरें मजबूत शुरुआत पर

कुआलालंपुर। लक्ष्य सेन और पी वी सिंधू समेत भारतीय खिलाड़ी मंगलवार से यहां शुरू हो रहे सत्र के शुरुआती 1450000 डॉलर ईनामी राशि वाले मलेशिया ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट में उतरेंगे तो उनकी नजरें मजबूती से शुरुआत करने पर लगी होंगी।

भारतीय खिलाड़ियों के लिए 2025 अच्छा नहीं रहा जिसमें शीर्ष खिलाड़ी चोटों और खराब फॉर्म से जूझते रहे। अब फोकस शुरू ही से अच्छा प्रदर्शन करने पर होगी।

जेएसडब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब (गुलाबी ड्रेस) और रांची रॉयल्स के खिलाड़ी। एजेंसी

सूरमा हॉकी क्लब ने दर्ज की पहली जीत

रांची, एजेंसी

- रोमांचक मुकाबले में रांची रॉयल्स को 2-1 से हराया

जेएसडब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब ने सोमवार को रांची रॉयल्स को हराकर महिला हीरो हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) 2025-26 में अपनी पहली जीत दर्ज की।

आज यहां मरांग गोमके जयपाल सिंह एस्ट्रो टर्फ हॉकी स्टेडियम में खेले गये मुकाबले में जेएसडब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब ने रांची रॉयल्स को 2-1 से हराया। विजेता टीम के लिए पेनी स्क्विब ने (पहले) और ओलिविया शैनन ने (39वें) मिनट में गोल दागे। जबकि रांची रॉयल्स के लिए एगोस्टिना अलोंसो ने (35वें) मिनट में गोल किया। जेएसडब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब ने शानदार शुरुआत की, पहले ही मिनट में दो पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए। उन्होंने दूसरे प्रयास का फायदा उठाया और ड्रैगफ्लिकर पेनी स्क्विब ने (पहले) मिनट में गोल करके अपनी टीम को शुरुआती बढ़त दिलाई। पहला क्वार्टर 1-0 के स्कोर पर समाप्त हुआ। दूसरे क्वार्टर में रांची रॉयल्स ने अच्छी शुरुआत करते हुए जोरदार वापसी की और सूरमा को बैकफुट पर धकेल दिया।

प्रयास जारी | जूनियर विश्व कप 2016 जीतने के बाद रातोंरात स्टार बनें फिर चले गए थे नेपथ्य में

हॉकी लीग से खुद को फिर साबित करना चाहते हैं हरजीत

नई दिल्ली, एजेंसी

जूनियर विश्व कप 2016 जीतने के बाद ट्रॉफी के साथ सोते हुए कप्तान हरजीत सिंह की तस्वीरें जब वायरल हुई तो उन्हें भारतीय हॉकी का अगला 'सुपरस्टार' कहा जाने लगा लेकिन फिर अचानक उनका नेपथ्य में चले जाना हॉकीप्रेमियों के लिए ही नही, खुद उनके लिए भी हैरानी का सबब रहा।

हॉकी इंडिया लीग में जेएसडब्ल्यू सूरमा के लिए खेल रहे हरजीत ने खास बातचीत में कहा हर खिलाड़ी का सपना होता है कि जूनियर के बाद सीनियर टीम से जुड़े और ओलंपिक खेले। लेकिन अचानक जो कुछ हुआ, मुझे समझ ही नहीं आया कि क्या करूं।

न्यूजीलैंड के खिलाफ 2018 में आखिरी बार भारत के लिए खेलने वाले हरजीत की कप्तानी में भारतीय जूनियर टीम ने लखनऊ में 2016 विश्व कप में अपराजित रहकर पंद्रह साल बाद खिताब जीता था। हर अखबार में और सोशल मीडिया पर हरजीत की ट्रॉफी के साथ सोते हुए तस्वीर सुर्खियों में थी। उनकी कामयाबी पर पंजाबी में 'हरजीता' फिल्म भी बनी।

हरजीत 2016 में लंदन में चैम्पियंस ट्रॉफी में रजत पदक जीतने वाली सीनियर टीम और 2015 जूनियर एशिया कप स्वर्ण जीतने वाली टीम का भी हिस्सा थे। जूनियर विश्व कप 2016 की टीम से भारत के मौजूदा कप्तान हरमनप्रीत सिंह, फॉरवर्ड मनदीप सिंह, गोलकीपर कृशन पाठक जैसे कई खिलाड़ी निकले जो सीनियर स्तर पर कामयाब रहे।

हरजीत ने कहा मेरे साथ के सभी खिलाड़ी आज अच्छा खेल रहे हैं और मुझे भी कसक महसूस होती है। 29 वर्ष के इस मिडफील्डर को बखूबी पता है कि राष्ट्रीय टीम में वापसी की राह अब मुश्किल है लेकिन अपने प्रदर्शन के दम पर वह यह साबित करना चाहते हैं कि उन्हें बाहर करने का फैसला गलत था।

भारत पेट्रोलियम के लिए विभागीय हॉकी खेलने के अलावा हरजीत ने नीदरलैंड में डच लीग में एचजीसी और ब्रिटेन में इंडियन जिमखाना के लिये खेला। पंजाब के मोहाली के कुराली गांव से निकले इस खिलाड़ी ने कहा मैं काफी समय इन चीजों से बाहर नहीं निकल सका। पिंड गया तो वहां भी सभी पूछते थे कि वापिस कब खेलेगा तो मेरा वहां भी रहने का मन नहीं करता था। धीरे धीरे मैने विभागीय हॉकी और दूसरे देशों में लीग खेलनी शुरू की। यह मेरे जीवन का सबसे कठिन दौर था मानो सभी के पास मेरे लिए एक ही सवाल था कि मैं कब दोबारा भारत के लिए खेलूंगा। मैं अपनी ओर से पॉजीटिव रहने की पूरी कोशिश करता था। खेलों की बायोपिक देखकर प्रेरणा लेता था।

सीनियर टीम से हटाए जाने की कसक है मन में

भारत के लिए करीब 50 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेल चुके इस खिलाड़ी ने कहा मुझे आज तक यह सवाल चुभता है कि 2019 में राष्ट्रीय शिविर में वापसी के बाद दो ढाई साल तक सीनियर टीम के साथ रहने के बाद मुझे बाहर क्यों किया गया। मैंने कइयों से पूछा, लेकिन किसी ने जवाब नहीं दिया। हॉकी इंडिया लीग में अच्छे प्रदर्शन से राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने का दावा मजबूत कर सकते हैं, लेकिन मुझे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करके दिखाना है कि मुझे बाहर करने का फैसला गलत था। मुझसे आखिर क्या ऐसी गलती हुई थी जिसकी इतनी बड़ी सजा मिली। उनकी तुलना जूनियर विश्व कप विजेता क्रिकेट कप्तान उन्मुक्त चंद से की जाती है जो जूनियर स्तर की सफलता को सीनियर टीम के साथ दोहरा नहीं सके और गायब हो गए।